सूर्योदय 5:48 सूर्यास्त 7:02

आज का तापमान

शिमला	17.7 न्यू	24.7 अधि
धर्मशाला	21.2 न्यू	29.1 अधि

बाजार

सेंसेक्स	78,009
निफ्टी	24,366

सोना 1,52,000 चांदी 2,31,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | सोमवार, 17 अगस्त 2026 | 32 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 112, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

रूस पर यूक्रेन का सबसे बड़ा ड्रोन हमला, 6 की मौत

एजेंसी, मॉस्को। यूक्रेन ने रविवार को रूस पर युद्ध शुरू होने के बाद अब तक का सबसे बड़े ड्रोन हमला किया है। इसमें कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई। इन ड्रोन हमलों में मॉस्को के पास रूसी ई-कॉमर्स कंपनी वाइल्डबेरिज के डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर में आग लग गई। यह गोदाम करीब 2 लाख वर्ग मीटर में फैला है। सामने आई तस्वीरों में इमारत का बड़ा हिस्सा आग की चपेट में दिखाई दिया। आसमान में दूर तक काला धुआं उठता नजर आया।

सुखबीर बादल गुरुग्राम मेदांता से हुए डिस्चार्ज

एजेंसी, लुधियाना। पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम एवं शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। महाराष्ट्र के नांदेड में गुरुद्वारा माता साहिब में हमले के बाद 14 अगस्त को सुखबीर सिंह बादल को मेदांता अस्पताल लाया गया था। इस बीच उनके बाजू पर लगे टांकों की पहली तस्वीर सामने आई है। ये तस्वीर उनकी पत्नी सांसद हरसिमरत कौर बादल ने दिखाई। उन्होंने कहा कि 150 से ज्यादा टांके लगे हैं। हरसिमरत कौर ने कहा कि हमलावर ने डेढ़ फीट की किरच से छाती पर वार किया था, लेकिन हाथ आगे आने से किरच हाथ से आर-पार हो गई। उन्होंने कहा कि इसकी जांच एनआईए को सौंपने के लिए गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है, क्योंकि इसके पीछे साजिश है।

ईरान से समझौते को लेकर खाड़ी देश ट्रंप से नाराज

एजेंसी, वॉशिंगटन। ईरान के साथ समझौते की अमेरिकी कोशिशों से उसके कुछ खाड़ी सहयोगी निराश हैं। द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इन देशों को लग रहा है कि लंबे समय से बातचीत चलने के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच अब तक कोई पक्का समझौता नहीं हो पाया है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने खाड़ी देशों के ट्रंप से नाराज होने की खबरों को खारिज किया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ट्रंप के खाड़ी देशों के नेताओं के साथ अच्छे रिश्ते हैं।

वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने वंदे मातरम को भुलाया : शाह

अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फुट ऊंची अष्टधातु प्रतिमा का किया अनावरण

एजेंसी, चित्तौड़गढ़। केंद्रीय गृह मंत्री व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर वंदे मातरम के अपमान का आरोप लगाते हुए कहा कि वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने वंदे मातरम को भुला दिया था। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम के 150वें वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से इस गीत को फिर से आयुष देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की निर्लज्जता देखिए, कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय पर वंदे मातरम का गान हो रहा था। चालू गान में कांग्रेस की नेत्री सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष को गान रोकने को कहा। हम सब टीवी पर देखते रहे। 80 साल के बाद बंकिम बाबू का यह गान फिर से सम्मान प्राप्त कर रहा है, वो भी सोनिया गांधी को रास नहीं आ रहा है।

◆कहा- तीन समझौतों से आधे राजस्थान की प्यास बुझाने का हुआ काम

अमित शाह रविवार को राजस्थान प्रवास के दौरान चित्तौड़गढ़ जिले के निंबाहेड़ा में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फुट ऊंची अष्टधातु प्रतिमा के अनावरण के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता सोनिया गांधी के इस कृत्य को देख रही है। वंदे मातरम का अपमान देश कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में यदि जरा भी शर्म बाकी है तो उसे हाथ जोड़कर बंकिम बाबू की अमर आत्मा और देश की जनता से इस कृत्य के लिए माफी मांगनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने राष्ट्र गौरव महाराणा प्रताप को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि मेवाड़ की यह वीर भूमि देशभक्तों के लिए काशी से कम नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस वीर भूमि के महाराणा प्रताप, वीर पूंजा भील और सेठ भामाशाह की राष्ट्रभक्ति, धर्मभक्ति, स्वराज के प्रति लगन ने मुगलों के विजय रथ को रोक कर रख दिया था। राजस्थान में जल संकट का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तीन समझौतों के माध्यम से आधे राजस्थान की प्यास बुझाने का काम किया है।

टीएमसी ऑफिस में 5 बार के विधायक ने लगाई फांसी

एजेंसी, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर और पांच बार विधायक रहे आशीष बनर्जी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

रविवार सुबह बीरभूम जिले के टीएमसी ऑफिस में उनका शव फांसी के फंदे से लटका मिला। आशीष बनर्जी रामपुरहाट के वार्ड नंबर-5 के हत्तलापारा इलाके में रहते थे। उनके घर के पास ही तृणमूल कांग्रेस का पार्टी ऑफिस था। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला, जिसमें उन्होंने लिखा कि मैं पार्टी के सभी गलत कामों को हमेशा स्वीकार नहीं कर पाता था, लेकिन मैं विरोध भी नहीं कर सका। मैंने अपनी पूरी जिंदगी में काम के बदले एक पैसा भी नहीं लिया है। आशीष बनर्जी टीएमसी के पूर्व विधायक भी थे।

सुसाइड नोट में लिखा मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं

आशीष का जो सुसाइड नोट सामने आया है, उसमें उन्होंने किसी रेत के टेंडर का जिक्र किया है। आशीष ने लिखा कि उन्होंने कभी भ्रष्टाचार नहीं किया और किसी काम के बदले पैसे नहीं लिए। (तारापीठ-रामपुरहाट डेवलपमेंट अथॉरिटी) के टेंडर, प्लान पास करने, एनओसी और चेक से जुड़े मामलों में उनकी कोई भूमिका नहीं है। आशीष ने लिखा कि उनकी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है और उन्होंने राजनीति में आने पर अफसोस जताया।

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा- जीवनभर शिक्षक और जनसेवक रहे आशीष दा ने ईमानदारी, सम्मान और सादगी के साथ लोगों की सेवा की। वे रामपुरहाट और पूरे बीरभूम के सम्मानित लोगों में थे।

'विमल इलायची' के विज्ञापन पर शाहरुख-अजय, टाइगर को नोटिस

एजेंसी, नई दिल्ली। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एफडीए का आरोप है कि 'विमल इलायची' के विज्ञापन के जरिए राज्य में प्रतिबंधित 'विमल पान मसाला' का इनडायरेक्ट प्रचार किया जा रहा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, एफडीए ने 11 अगस्त को तीनों को नोटिस भेजकर विज्ञापन में उनकी भूमिका पर 15 दिन में जवाब और स्पष्टीकरण मांगा है। शाहरुख खान को बांद्रा स्थित उनके घर 'मन्नत', अजय देवगन को जुहू स्थित आवास और टाइगर श्रॉफ को उनकी प्रोडक्शन कंपनी 'टाइगर श्रॉफ प्रोडक्शंस एलएलपी' के पते पर नोटिस भेजा गया है। एफडीए का कहना है कि विज्ञापन में 'विमल' नाम, प्रोडक्ट और डायलॉग इस तरह इस्तेमाल किए गए हैं कि इससे 'विमल' ब्रांड का प्रचार होता दिखता है

100 अटल कैंटीन का संकल्प पूरा, पांच रुपए में एक लाख लोगों को मिलेगा पौष्टिक भोजन

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली सरकार का कहना है कि रविवार को तिमारपुर से 25 नई अटल कैंटीन का उद्घाटन करके राजधानी में 100 अटल कैंटीन का संकल्प पूरा हो गया है।

सरकार का कहना है कि पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 25 दिसंबर 2025 को लिया गया 100 अटल कैंटीन का संकल्प उनकी पुण्यतिथि पर पूर्ण हुआ। पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने रविवार को तिमारपुर से 25 नई अटल कैंटीन का उद्घाटन कर उन्हें दिल्लीवासियों की सेवा में समर्पित किया। इस मौके

◆दिल्लीवासियों से किया एक और वादा पूरा : सीएम रेखा

पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के शिक्षा आशीष सूद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी, विधायक सूर्य प्रकाश खत्री उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से इन 100 अटल कैंटीनों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 1 लाख श्रमिकों और जरूरतमंद परिवारों को मात्र 5 रुपए में पौष्टिक भोजन उपलब्ध होगा। इसके साथ ही दिल्लीवासियों से किया गया एक और वादा हमारी सरकार ने पूरा किया है।

वाराणसी एयरपोर्ट पर चली गोली, 2 घायल

शिवसेना नेता पिस्टल की जांच करा रहा था, तभी हुआ फायर

एजेंसी, वाराणसी। वाराणसी एयरपोर्ट पर रविवार सुबह हथियार की जांच के दौरान एक यात्री से गोली चल गई। इससे महिला समेत दो कर्मचारी घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए न्यू लक्ष्मी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया।

घटना सुबह करीब 9:30 बजे हुई। यात्री कमलेश राय पत्नी के साथ एअर इंडिया एक्सप्रेस की IX-1810 फ्लाइट से मुंबई जा रहे थे। उन्होंने विमान में ले जाने वाले हथियार को पहले ही डिक्लेयर किया था। हथियार की जांच के दौरान उससे एक राउंड फायर हो गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी की सूचना पर पहुंची पुलिस को कमलेश के पास से पिस्टल समेत 21 कारतूस मिले। करीब 5 घंटे तक पूछताछ के बाद फूलपुर पुलिस उन्हें थाने ले गई।

◆यात्री ने पहले ही दे दी थी पिस्टल की सूचना

आजमगढ़ के रहने वाले कमलेश शिवसेना नेता हैं। वह मुंबई में पूर्व पार्षद रह चुके हैं। उन्होंने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और धनंजय सिंह के साथ तस्वीरें डाल रखी हैं।

वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (बाबतपुर) के डायरेक्टर पुनीत गुप्ता ने बताया- कमलेश राय अपनी पत्नी सुषमा के साथ 11.30 बजे की एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट से मुंबई जाने वाले थे। उनके पास लाइसेंसी पिस्टल थी। जांच के दौरान उनसे एक राउंड फायर हो गया।

गोली पहले फर्श से टकराई और फिर पास में मौजूद महिला कर्मचारी बिहार के गया की रहने वाली सुमन (32) की जांघ में लगी। गोली के छर्रे रोहित राज के हाथ में लगे। दोनों खून से लथपथ हो गए। दोनों को तुरंत ही इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्वतंत्रता दिवस के चलते एयरपोर्ट को 11 से 20 अगस्त तक हाईअलर्ट जोन घोषित किया गया था। इसके बावजूद फायरिंग की घटना से हड़कंप मच गया है। एडीसीपी गोमती जोन समेत पुलिस अधिकारी और इंटेलिजेंस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

राष्ट्रसेवा और सुशासन के लिए सदैव याद किए जाएंगे वाजपेयी : सीएम धामी

एजेंसी, देहरादून। पूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा व सुशासन के लिए अटल बिहारी वाजपेयी सदैव याद किए जाएंगे। रविवार सुबह मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री ने अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनका स्मरण किया।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी मां भारती के उपासक, राष्ट्रवादी चिंतक, प्रखर वक्ता, प्रख्यात कवि और लोकतांत्रिक मूल्यों के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रसेवा, सुशासन, राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक आदर्शों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि अटल जी ने राजनीति में उच्च आदर्शों

और मूल्यों की स्थापना की। उन्होंने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने के साथ ही भारत को विश्व पटल पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी की दूरदर्शी सोच, सरल एवं सहज व्यक्तित्व और राष्ट्रहित के प्रति उनका समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व देशवासियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

प्रधानमंत्री ने अलगाव व पूर्वोत्तर को अलग करने वालों को कहा 'दिमागी नक्सल' : किरेन रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'दिमागी नक्सल' शब्द के इस्तेमाल को लेकर रविवार को स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं को 'दिमागी नक्सल' नहीं कहा है, बल्कि यह शब्द माओवादियों, अलगाववादियों और भारत को तोड़ने की विचारधारा रखने वालों के लिए इस्तेमाल किया गया है।

रिजिजू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए प्रधानमंत्री के बयान की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि माओवाद का समर्थन करने, भारतीय संविधान को अस्वीकार करने, अलगाववादियों के साथ खड़े होने और अनुच्छेद 370 का समर्थन करने वाले लोगों के अलावा पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से अलग करने की कोशिश करने वालों को 'दिमागी नक्सल' कहा गया है। अपने पोस्ट के साथ रिजिजू ने शर्जील इमाम के एक पुराने बयान का भी हवाला दिया, जिसमें पूर्वोत्तर भारत को देश से अलग करने की बात कही गई थी। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'दिमागी नक्सल' शब्द का इस्तेमाल किया था। उन्होंने ऐसे लोगों को अलग-थलग करने की जरूरत बताई थी। इसके बाद विपक्षी दलों ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री का इशारा सरकार की नीतियों का विरोध करने वाले विपक्षी दलों और नेताओं की ओर था। रिजिजू ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने विपक्षी नेताओं को 'दिमागी नक्सल' नहीं कहा है।

बंगाल में कांग्रेस नेता की हत्या बेटे को भी मारा

एजेंसी, कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में स्वतंत्रता दिवस की रात कांग्रेस नेता अनीसुर रहमान और उनके बेटे की हत्या कर दी गई। घटना बेथुआडहरी रेलगेट के पास हुई। शनिवार रात अनीसुर अपने बेटे के साथ कार से घर लौट रहे थे। रास्ते में बदमाशों ने उनकी गाड़ी रोककर अंधाधुंध फायरिंग की। इसके बाद कार का गेट खोलकर दोनों पर धारदार हथियारों से हमला किया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। अनीसुर रहमान प्रदेश कांग्रेस समिति के सदस्य और नादिया जिला कांग्रेस के महासचिव थे, जबकि उनका बेटा अबू सुफियान कल्याणी से एलएलबी की पढ़ाई कर रहा था। पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें हरनगर से टीएमसी की पंचायत हेड फातिमा बीवी और साहेब अली मंडल और मिथुन शेख शामिल हैं।

सरकार के खिलाफ खड़े होने वालों की तारीफ हो : राहुल

एजेंसी, नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि सरकार की हिंसा के खिलाफ मजबूती से खड़े रहने वाले भारत के युवाओं का साहस सराहनीय है। उन्होंने आगे कहा कि बदसलूकी, गाली-गलौज और हिंसा का सामना करने वाली छात्राओं की भी तारीफ होनी चाहिए।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर छात्रों से बातचीत का वीडियो भी शेयर किया। इन छात्रों ने पिछले महीने पेपर लीक के मुद्दे पर तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर

◆कहा- स्टूडेंट्स के साथ बदसलूकी, गाली-गलौज हुई

प्रदर्शन किया था। राहुल व छात्रों के बीच यह बातचीत 5 अगस्त को हुई थी, लेकिन इसका वीडियो उन्होंने आज शेयर किया है। वीडियो में राहुल ने प्रदर्शनाकरियों से पूछा कि हैरेसमेंट तो नहीं हो रहा आप लोगों का? इसपर जवाब देते हुए एक महिला प्रदर्शनकारी ने कहा कि हां सर हो रहा है। रोज 10-12 गालियां आ जाती हैं। वहीं, एक दूसरी प्रदर्शनकारी ने कहा कि सोशल मीडिया के जरिए लोग थ्रेट्स भेजते हैं।

राम नाम मनुष्य को कठिन परिस्थितियों में सही मार्ग चुनने की देता है शक्ति : सीएम नायब सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राम नाम का सिमरन मन को स्थिर करता है, विवेक को जागृत करता है और मनुष्य को कठिन परिस्थितियों में भी सही मार्ग चुनने की शक्ति देता है।

सैनी रविवार को पंजाब के अमृतसर के रामपुरा स्थित सुलहाकुल मंदिर में आयोजित सत्संग के दौरान साध संगत को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बाबा अवतार सिंह महाराज से आशीर्वाद लिया। मंदिर प्रबंधन की ओर से बाबा अवतार सिंह महाराज ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री सैनी ने पंजाब के युवाओं से आह्वान किया कि अपने जीवन को नशे के हाथों न सौंपें। माता-पिता के सपनों को अपना संकल्प बनाइए। खेलिए, पढ़िए, कौशल सीखिए, परिश्रम कीजिए और

हर दिन कुछ समय ईश्वर-स्मरण के लिए निकालिए। उन्होंने गुरु नगरी अमृतसर की धरा को पवित्र ,त्याग, तपस्या, भक्ति, वीरता और मानव सेवा की धरा बताते हुए कहा कि भारत सदियों से आध्यात्मिक प्रकाश से पूरी दुनिया को आलोकित करता आ रहा है।

भारत मानवता की वह आवाज है जो सदियों से पूरी दुनिया को कहती आई है-प्रेम से रहो, मिलकर चलो और प्रत्येक जीव में परमात्मा को देखो। इसी महान भारतीय परंपरा को सुलाहकुल मिशन पिछले लगभग दो सौ वर्षों से आगे बढ़ा रहा है। नायब सिंह सैनी ने परम पूज्य संत साहिब दयाल जी द्वारा शुरू किये गए इस आध्यात्मिक मिशन द्वारा मानवता के लिए निरंतर हो रहे कार्यों की सराहना की और कहा कि हमारे संतों की विशेषता यह है कि वे अपने जीवन से उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

संत श्री अवतार सिंह जी महाराज का जीवन भी इसी सत्य का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के कठिन दौर में भी इस मिशन ने जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाई।

रिज मैदान पर अटल बिहारी वाजपेयी को सीएम सुक्खू ने दी श्रद्धांजलि, कहा-

हमारी सरकार में नहीं हुआ कोई पेपर लीक

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिमला के रिज मैदान पर भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का हिमाचल प्रदेश से विशेष लगाव था। वह मनाली स्थित अपने आवास पर समय-समय पर छुट्टियां बिताने आते रहते थे। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी सबको साथ लेकर चलने की राजनीति में विश्वास रखते थे, जो वर्तमान समय में कम देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धापूर्वक याद कर रहा है। मुख्यमंत्री ने उनके देश और प्रदेश के विकास में दिए योगदान को भी याद किया। इस दौरान सूचना व जन संपर्क विभाग के कलाकारों ने देशभक्ति के गीतों का गायन किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज, नगर निगम शिमला के महापौर सुरेन्द्र चौहान, उप-महापौर उमा कौशल, हिमुडा के उपाध्यक्ष यशवंत छाजटा, पार्षदगण, उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप, नगर निगम शिमला के आयुक्त सचिन कंवल सहित अन्य गणमान्यों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान योग गुरु बाबा रामदेव के उस बयान को लेकर भी राजनीतिक प्रतिक्रिया

सामने आई, जिसमें उन्होंने देश में 90 प्रतिशत भ्रष्टाचार होने की बात कही थी। मुख्यमंत्री ने बाबा रामदेव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि बाबा रामदेव ने ऐसी टिप्पणी की है, तो उन्होंने किसी आधार पर ही यह बात कही होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में पेपर लीक करने और पेपर बेचने वाले लोग आज भी जेल में हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार के साढ़े तीन वर्ष के कार्यकाल में कोई पेपर लीक नहीं हुआ है। सुक्खू ने कहा कि जब प्रदेश में भाजपा की सरकार थी तब पुलिस भर्ती और तत्कालीन कर्मचारी चयन आयोग से जुड़े पेपर लीक के मामले सामने आए थे।

आयोजन मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

सहज-सरल, लेकिन इरादों के 'अटल' थे पूर्व पीएम: सीएम योगी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'भारत रत्न' पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की आठवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धा निवेदित करते हुए लोकभवन स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि अटल का छह दशक का सार्वजनिक जीवन निर्विवाद और निष्कलंक रहा। वह भारतीय राजनीति के अजातशत्रु के रूप में 'राष्ट्र सर्वोपरि' के भाव के साथ निरंतर कार्य करते रहे। सार्वजनिक जीवन की शुरुआत उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में कश्मीर में धारा-370 लगाए जाने के विरोध में सत्याग्रह से प्रारंभ की थी। मुख्यमंत्री योगी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सांसद, विदेश मंत्री, नेता प्रतिपक्ष, जनसंघ व भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रधानमंत्री की अलग-अलग भूमिकाओं में भी उनके लिए सदैव 'राष्ट्र प्रथम' रहा। वह भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, नेता सदन, प्रधानमंत्री समेत किसी भी पद पर रहे हों, उनके जीवन का ध्येय केवल 'राष्ट्र प्रथम' था। जब-जब भी आवश्यकता पड़ी, उन्होंने दल से ऊपर देश को महत्व दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी जितने ही सहज व सरल थे, उतने ही इरादों के 'अटल' भी थे। कारगिल संघर्ष के दौरान दुनिया ने अटल के दृढ़संकल्प का लोहा माना। उस समय अटल ने कहा था कि हम पर युद्ध थोपा गया है, जिसका हम मुंहतोड़ जवाब देंगे। दुनिया की हर ताकत के सामने झुके बिना अटल जी ने भारत को एटॉमिक पावर के रूप में स्थापित किया।

अटल ने पीएम के रूप में मनवाया यशस्वी शासन का लोहा

सीएम ने कहा कि अटल को पहली बार 1957 में उत्तर प्रदेश की बलरामपुर संसदीय सीट से संसद में जाने का अवसर मिला। उन्होंने पांच बार लखनऊ संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। नेता विरोधी दल व प्रधानमंत्री के रूप में यशस्वी शासन का लोहा मनवाया। आज पूरा देश पूर्व प्रधानमंत्री की स्मृतियों को नमन कर रहा है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, महापौर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद ब्रजलाल, विधायक नीरज बोरा, विधान परिषद सदस्य अवनीश सिंह, भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि ने भी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्र की सुरक्षा में अटल का योगदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने जब देश पर इमरजेंसी थोपी थी, तो उन्होंने जनसंघ का जनता पार्टी में विलय करते हुए आपातकाल से मुक्ति के आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया था। 1962, 1965, 1971 के युद्ध में उन्होंने सरकार को कटघरे में खड़ा करने की बजाय सरकार के साथ जिम्मेदार सांसद के रूप में खड़े होकर राष्ट्र की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करने में अपना योगदान दिया। भारत की राजनीति में अस्थिरता के दौर को रोकने व राजनीतिक स्थिरता के माध्यम से सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कैसे कदम उठाए जा सकते हैं, अटल ने राजनीतिक समन्वय के माध्यम से 1996-98 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का निर्माण करके जो उदाहरण प्रस्तुत किया।

न्यूज ब्रीफ

शिमला में नशे के खिलाफ अभियान तेज पांच आरोपियों से 17 ग्राम चिट्टा बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शिमला पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 17 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। कार्रवाई के दौरान एक वाहन को भी जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार पहला मामला बालूगंज थाना क्षेत्र और दूसरा रामपुर थाना क्षेत्र से जुड़ा है। दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी शिमला और मंडी जिलों के रहने वाले बताए जा रहे हैं।पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर नशे की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

हिमाचल में 22 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट, 10 जिलों में मेघ बरसने के आसार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून सक्रिय बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 22 अगस्त तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है। कई जिलों में भारी वर्षा की संभावना को देखते हुए बाढ़ और भूस्खलन को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी गई है। रविवार को मंडी, कांगड़ा, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा और सोलन में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर तेज वर्षा हो सकती है। धर्मशाला में 112.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। शिमला, कुल्लू, ऊना और सिरमौर में भी हल्की बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने लोगों को नदी-नालों और बरसाती खड्डों से दूर रहने तथा पहाड़ी सड़कों पर वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की सलाह दी हैलगातार बारिश के कारण संवेदनशील पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है। प्रशासन को निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। पर्यटकों और स्थानीय लोगों से मौसम संबंधी चेतावनियों का पालन करने की अपील की गई है।

कुदरत की मार से सेब कारोबार प्रभावित उत्पादन घटकर दो करोड़ पेटी रहने की आशंका

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में इस बार सेब उत्पादन पर मौसम की मार का असर साफ दिखाई दे रहा है। राज्य में अब तक करीब 35 लाख पेटी सेब की हार्वेस्ट हो चुकी है। विशेषज्ञों और बागवानी क्षेत्र से जुड़े लोगों के अनुसार इस वर्ष सेब उत्पादन पिछले साल की तुलना में करीब 40 प्रतिशत तक कम रह सकता है। वर्ष 2025 में प्रदेश में लगभग 3.5 करोड़ पेटी सेब का उत्पादन हुआ था, जबकि इस बार यह आंकड़ा करीब दो करोड़ पेटी तक सिमटने का अनुमान है। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों ने बागवानों की चिंता बढ़ा दी है। उत्पादन में करीब डेढ़ करोड़ पेटी तक की कमी आने की आशंका है। इससे बागवानों की आमदनी और सेब कारोबार पर भी असर पड़ सकता है। बागवानों का कहना है कि मौसम की मार से फसल की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित हुई हैं। ऐसे में बाजार में बेहतर दाम मिलने की उम्मीद भी बनी हुई है। बागवानों का कहना है कि मौसम की मार से फसल की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित हुई हैं। ऐसे में बाजार में बेहतर दाम मिलने की उम्मीद भी बनी हुई है।

शिमला में टैक्सी बुकिंग का आसान तरीका प्री-पेड सेवा से तय किराए पर सफर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला में घूमने आने वाले पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए प्री-पेड टैक्सी सेवा सुविधाजनक विकल्प बन सकती है। मनमाने किराये से बचने के लिए यात्री आईएसबीटी टूटीकंडी स्थित प्री-पेड टैक्सी काउंटर से कैब बुक कर सकते हैं। यहां यात्रा शुरू करने से पहले निर्धारित किराया जमा करना होता है। इसके बाद यात्री को भुगतान की स्लिप दी जाती है, जिसे टैक्सी चालक को दिखाना होता है। चालक तय किराये पर यात्री को उसके निर्धारित गंतव्य तक पहुंचाता है। प्री-पेड टैक्सी सेवा के तहत शिमला के 26 प्रमुख स्थानों तक जाने की सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा चंडीगढ़ और चंडीगढ़ एयरपोर्ट तक भी टैक्सी सेवा ली जा सकती है। पुलिस विभाग की ओर से संचालित इस व्यवस्था का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित और निर्धारित दरों पर परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाना है। पर्यटक सफर से पहले काउंटर पर किराये और गंतव्य की पूरी जानकारी ले सकते हैं। इस व्यवस्था से यात्रियों को किराये को लेकर होने वाली परेशानी से राहत मिलती है। साथ ही सफर के दौरान पारदर्शिता बनी रहती है और पर्यटकों को सुरक्षित यात्रा का भरोसा मिलता है।

फिलाडेल्फिया से कोटगढ़ तक का सफर सत्यानंद स्टोक्स ने बदली हिमाचल की किस्मत

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश आज सेब उत्पादन और बागवानी के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। पहाड़ों में व्यावसायिक स्तर पर सेब की खेती को बढ़ावा देने में सत्यानंद स्टोक्स का महत्वपूर्ण योगदान माना जाता है। उनका जन्म 16 अगस्त 1882 को अमेरिका के फिलाडेल्फिया में हुआ था। वर्ष 1904 में भारत आने के बाद उन्होंने हिमाचल की पहाड़ियों को अपना कर्मक्षेत्र बनाया और कोटगढ़ क्षेत्र में बस गए। वर्ष 1916 में स्टोक्स अमेरिका से डिलीशियस किस्म के सेब के पौधे लेकर आए और कोटगढ़ में इनकी खेती शुरू की। धीरे-धीरे सेब की पैदावार बेहतर होने लगी और उन्होंने स्थानीय किसानों को भी इस खेती के लिए प्रेरित किया। इससे पहाड़ी क्षेत्रों में बागवानी को नई दिशा मिली और किसानों की आय के नए अवसर पैदा हुए। सत्यानंद स्टोक्स केवल बागवानी तक सीमित नहीं रहे। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन, शिक्षा और सामाजिक सुधार के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभाई। उनके प्रयासों की विरासत आज हिमाचल के हजारों सेब बागानों में दिखाई देती है।

मांगों को लेकर क्रमिक भूख हड़ताल जारी, 14वें दिन अमन और संजय ने शुरू किया अनशन

हॉस्टल फीस को कम करने की मांग को भी किया तेज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की विश्वविद्यालय इकाई की ओर से चलाया जा रहा क्रमिक भूख हड़ताल आंदोलन लगातार जारी है। आंदोलन के 13वें दिन विश्वविद्यालय इकाई के कार्यकर्ता अखिल और स्पर्श ने 24 घंटे की क्रमिक भूख हड़ताल पूरी की। इसके बाद 14वें दिन शोध इकाई के कार्यकर्ता संजय और अमन बनयाल ने आंदोलन की कमान संभालते हुए अगले 24 घंटे के लिए भूख हड़ताल शुरू कर दी है।

विद्यार्थी परिषद ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से छात्रों से जुड़े मुद्दों का समाधान किए जाने तक आंदोलन शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से जारी

रखा जाएगा। परिषद का कहना है कि फीस वृद्धि का निर्णय विद्यार्थियों के हितों को प्रभावित करने वाला है और इसे तत्काल वापस लिया जाना चाहिए।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में हॉस्टल फीस में की गई 75 प्रतिशत वृद्धि का कड़ा विरोध किया है। परिषद के अनुसार, छात्रावास शुल्क में इतनी बड़ी बढ़ोतरी से विद्यार्थियों और उनके परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा।

इसका सबसे अधिक प्रभाव उन विद्यार्थियों पर पड़ने की आशंका है, जो प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से विश्वविद्यालय में पढ़ने आते हैं। परिषद का कहना है कि विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने वाले कई विद्यार्थियों के लिए छात्रावास कोई विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यक सुविधा है। दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले छात्रों के लिए परिसर के आसपास रहने की व्यवस्था करना अतिरिक्त खर्च का कारण बन सकता है। ऐसे में हॉस्टल फीस में 75 प्रतिशत की बढ़ोतरी उनके लिए आर्थिक परेशानी बढ़ा सकती है।

विद्यार्थी परिषद ने विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि हॉस्टल फीस में की गई बढ़ोतरी को तत्काल वापस लिया जाए और पहले से निर्धारित फीस को बहाल किया जाए। परिषद ने सवाल उठाया कि विद्यार्थियों को बेहतर और सुलभ शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के बजाय मूलभूत सुविधाओं की लागत बढ़ाने का निर्णय क्यों लिया गया है। परिषद पदाधिकारियों का कहना है कि फीस से जुड़े फैसले लेते समय विद्यार्थियों की आर्थिक स्थिति और उनके हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

शिमला में निकली 100 मीटर तिरंगा यात्रा भारत माता के जयकारों से गूंजा शहर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शिमला महानगर की ओर से राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश देते हुए भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हाथों में 100 मीटर लंबा तिरंगा लेकर युवाओं ने देश के प्रति सम्मान और समर्पण की भावना प्रदर्शित की। तिरंगा यात्रा के दौरान शिमला की सड़कें देशभक्ति के नारों से गूंज उठीं। युवाओं ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारे लगाए। विशाल तिरंगे के साथ निकली यात्रा ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इस दौरान युवाओं में राष्ट्र के प्रति गौरव और जिम्मेदारी की भावना देखने को मिली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कहा कि तिरंगा देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता का प्रतीक है।

यह करोड़ों भारतीयों की भावनाओं और देश के गौरव से जुड़ा हुआ है। युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं और देश की एकता तथा अखंडता को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य करें। परिषद ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस जैसे अवसर युवाओं को देश के इतिहास, संस्कृति और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से जोड़ने का काम करते हैं। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं में देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया जा सकता है।

हिमाचल में मॉनसून की तबाही, 47 दिनों में 183 मौतें; नुकसान 972 करोड़ के पार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष मॉनसून की बारिश ने भारी तबाही मचाई है। लगातार बारिश, भूस्खलन, बाढ़ और खराब मौसम से जुड़ी घटनाओं में 47 दिनों के दौरान 183 लोगों की मौत हो चुकी है। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन्स सेंटर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 30 जून से 15 अगस्त तक प्रदेश में बारिश और उससे जुड़ी घटनाओं के कारण जान-माल का भारी नुकसान हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में औसतन प्रतिदिन करीब चार लोगों की मौत हुई है। वहीं, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य घटनाओं से प्रदेश को अब तक 972.64 करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान हो चुका है। इससे विभिन्न क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित हुआ है और कई स्थानों पर लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कुल 183 मौतों में से 79 लोगों की जान प्राकृतिक आपदाओं के कारण गई। इनमें भूस्खलन, डूबने, करंट लगने और

सांप के काटने जैसी घटनाएं शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अधिक 27 मौतें ऊंची चट्टानों या पेड़ों से गिरने के कारण हुईं, जबकि भूस्खलन से 14 लोगों की जान गई।

खराब मौसम, फिसलन और बारिश के कारण सड़क हादसों में भी बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। रिपोर्ट के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं में 104 लोगों की मौत हुई है। लगातार बारिश के कारण प्रदेश के कई हिस्सों में सड़कें प्रभावित हुईं और यातायात व्यवस्था पर भी असर पड़ा। मॉनसून की सक्रियता को देखते हुए प्रशासन की ओर से संवेदनशील क्षेत्रों में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

शिमला में पेंशनर्स की बैठक, लंबित वित्तीय लाभ जल्द देने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की सिटी यूनिट शिमला की विशेष बैठक अध्यक्ष मदन लाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में पेंशनरों से जुड़े विभिन्न लंबित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। एसोसिएशन ने सरकार से पेंशनरों की लंबित देनदारियों का शीघ्र भुगतान करने की मांग उठाई। बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेश सरकार की ओर से पेंशनरों के वित्तीय लाभों को लेकर समय-समय पर घोषणाएं की गई हैं, लेकिन बड़ी संख्या में पेंशनरों को अभी तक उनका पूरा लाभ नहीं मिल पाया है। कई देनदारियां लंबे समय से लंबित हैं और करीब चार वर्ष से अधिक समय बीतने के बावजूद भुगतान नहीं हुआ है। एसोसिएशन ने सरकार से मांग की कि लंबित देनदारियों को प्राथमिकता के आधार पर चुकाया जाए।

राजकीय महाविद्यालय ठियोग में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

ललित शर्मा,भारतेन्दु संवाददाता, ठियोग। राजकीय महाविद्यालय ठियोग में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास, उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. भूपिंदर सिंह ठाकुर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर किया। इस अवसर पर उन्होंने एनसीसी कैडेट्स और एनएसएस स्वयंसेवकों की सलामी भी ली। समारोह के दौरान स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों के बलिदान को याद किया गया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत विभिन्न सांस्कृतिक और साहित्यिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

भाषण, कविता पाठ और देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना को और मजबूत किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इनमें देशभक्ति विषय पर पोस्टर निर्माण, रंगोली, वाद-विवाद और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं शामिल रहीं। विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता एवं प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्राचार्य डॉ. भूपिंदर सिंह ठाकुर ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

अपने संबोधन में प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश की आजादी को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। विद्यार्थियों को राष्ट्र के विकास में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से जाति, वर्ग, धर्म और समुदाय की संकीर्ण सीमाओं से ऊपर उठकर देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

विद्यालय में भव्य रूप से मनाया गया विज्ञान उत्सव 2026

रचनात्मकता और नवाचार से विद्यार्थियों ने विज्ञान उत्सव को बनाया खास

ललित शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, पुजारली-3 (खलावन)। विद्युत सुंटा सरस्वती विद्या मंदिर, पुजारली-3 (खलावन) में विज्ञान उत्सव 2026 का भव्य एवं ज्ञानवर्धक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दीवान सुंटा और रामलाल पाम्टा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदना के साथ हुआ।

विज्ञान उत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर आधारित मॉडल, प्रयोग और आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों ने सौरमंडल, पर्यावरण संरक्षण, गणित, मानव की पांच इंद्रियां, जल चक्र, पौधों के विभिन्न भाग तथा भोजन के स्रोत एवं प्रकार जैसे विषयों पर मॉडल तैयार किए। विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ अपने मॉडल की कार्यप्रणाली और वैज्ञानिक महत्व को अतिथियों, आचार्यों और अभिभावकों के समक्ष समझाया। जन्नत ने सौरमंडल का मॉडल प्रस्तुत किया। आंशिक चौहान

और दिव्यांशी ने पर्यावरण संरक्षण, मोहित मुखिया और काव्या शर्मा ने गणितीय मॉडल तैयार किया।

अवनी, दैविक लिस्टा और गुंजन ने पांच इंद्रियों से संबंधित मॉडल प्रस्तुत किया। वियान शर्मा, आरवी और हिमांशी ने जल चक्र पर मॉडल बनाया। पारस, समायरा और कृतिका ने पौधों के भाग एवं कार्य, जबकि अध्ययन शर्मा, हिमांशी शर्मा और नायरा मुखिया ने भोजन के स्रोत एवं प्रकार पर मॉडल प्रस्तुत किया। विशेष अतिथियों ने विद्यार्थियों के मॉडल का अवलोकन कर उनकी रचनात्मकता, मेहनत और वैज्ञानिक सोच की सराहना की। उन्होंने बच्चों को लगातार प्रयोग करने, सवाल पूछने और नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य यशवंत शर्मा और आचार्यगण ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की जिज्ञासा, कल्पनाशक्ति और नवाचार को मंच प्रदान करते हैं। इससे बच्चों में आत्मविश्वास के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी विकसित होता है। विज्ञान उत्सव में विद्यार्थियों ने 'विज्ञान से ज्ञान, ज्ञान से विकास और विकास से राष्ट्र निर्माण' का संदेश दिया। कार्यक्रम विद्यार्थियों की प्रतिभा और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन रहा।

राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता के 'एट होम' में जुटे न्यायाधीश, मंत्री और प्रशासनिक अधिकारी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने लोक भवन में पारंपरिक 'एट होम' समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में प्रदेश की न्यायपालिका, सरकार, प्रशासन, पुलिस, सेना और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। समारोह के दौरान अतिथियों ने एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को याद किया।

कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गुरमीत सिंह संधावालिया विशेष रूप से मौजूद रहे। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर तथा शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने भी समारोह में शिरकत की। राज्यपाल की पत्नी बिंदु गुप्ता भी इस अवसर

पर उपस्थित रहीं। 'एट होम' समारोह में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के अलावा महाधिवक्ता अनूप कुमार रतन, विधायक बलबीर सिंह वर्मा और विभिन्न आयोगों, बोर्डों तथा निगमों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष भी पहुंचे। नगर निगम शिमला के महापौर सुरेंद्र चौहान और उपमहापौर उमा कौशल ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसके अतिरिक्त प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस एवं सैन्य अधिकारी, पूर्व सैनिक और शहर के प्रबुद्ध नागरिक समारोह में शामिल हुए।

विभिन्न क्षेत्रों से आए गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी से कार्यक्रम में विविधता देखने को मिली। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित इस समारोह में प्रदेश की संवैधानिक संस्थाओं और प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े लोगों की भागीदारी रही।

सरकारी नौकरी में जन्मतिथि बदलने पर हाई कोर्ट सख्त

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने सरकारी कर्मचारियों की जन्मतिथि में सुधार को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकारी सेवा में नियुक्ति के बाद जन्मतिथि में बदलाव के लिए निर्धारित दो वर्ष की समयसीमा का कड़ाई से पालन करना जरूरी है। केवल ज्योतिषी की सलाह, सहानुभूति या न्याय के आधार पर इस नियम में छूट नहीं दी जा सकती।

न्यायाधीश राकेश कैंथला ने राज्य सरकार की अपील स्वीकार करते हुए फास्ट ट्रैक कोर्ट ऊना के उस आदेश को रद कर दिया, जिसमें एक शिक्षक को अपनी जन्मतिथि बदलने की अनुमति दी गई थी। मामले के अनुसार सुरेश कुमार ने वर्ष 2001 में ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर नान मेडिकल के पद पर सरकारी नौकरी ज्वाइन की थी। उनके मैट्रिक प्रमाणपत्र और सेवा रिकॉर्ड में जन्मतिथि 30 अगस्त 1968 दर्ज थी। नौकरी में आने के बाद उन्होंने अपनी जन्मतिथि को लेकर बदलाव की मांग उठाई। सुरेश कुमार के अनुसार उन्होंने अपनी कुंडली एक ज्योतिषी को दिखाई थी। ज्योतिषी ने उनकी जन्मतिथि 1 सितंबर 1969 बताई।

इसके बाद उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से नया जन्म प्रमाणपत्र बनवाया और मई 2003 में शिक्षा निदेशक के समक्ष जन्मतिथि में संशोधन के लिए आवेदन किया। हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि सरकारी सेवा में जन्मतिथि सुधार के लिए निर्धारित अवधि का पालन आवश्यक है। कर्मचारी को नियुक्ति के बाद तय समय के भीतर ही अपनी जन्मतिथि में सुधार के लिए आवेदन करना चाहिए। समयसीमा समाप्त होने के बाद ऐसे दावे को स्वीकार करने से सेवा रिकॉर्ड में अनिश्चितता पैदा हो सकती है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी कर्मचारी की व्यक्तिगत परिस्थितियों या उसके द्वारा पेश किए गए आधार के कारण निर्धारित नियमों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

देशभक्ति मार्च पास्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे समारोह के मुख्य आकर्षण

पीरन और जनेडघाट स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

अनिल कुमार शर्मा, भारतेंदू संवाददाता, शिमला। जुन्गा तहसील के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पीरन और जनेडघाट में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास, उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। दोनों विद्यालयों में सुबह से ही स्वतंत्रता दिवस को लेकर विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्थानीय लोगों में उत्साह देखने को मिला। विद्यालय परिसर को तिरंगे और देशभक्ति से जुड़े संदेशों से सजाया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई।

इसके बाद विद्यार्थियों ने अनुशासन और देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत मार्च पास्ट प्रस्तुत कर अतिथियों को सलामी दी। पीरन स्कूल में प्रधानाचार्य राकेश वर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जबकि जनेडघाट स्कूल में प्रधानाचार्य डॉ. सोहन रांटा ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद दोनों विद्यालयों में राष्ट्रगान हुआ। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के

साथ मार्च पास्ट में भाग लिया।

मार्च पास्ट के दौरान विद्यार्थियों के कदमों में अनुशासन और देश के प्रति सम्मान की भावना साफ दिखाई दी। विद्यालय परिसर में मौजूद लोगों ने बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पीरन विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश वर्मा ने स्वतंत्रता संग्राम के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की आजादी असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से प्रेरणा लें और देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी देश का भविष्य है। विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझना चाहिए। देश के विकास में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, मेहनत, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

जनेडघाट विद्यालय में भी स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि आजादी का पर्व केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों के योगदान को याद करने का दिन भी है। ध्वजारोहण और मार्च पास्ट के बाद विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। देशभक्ति गीतों के साथ-साथ पहाड़ी लोकगीतों की सुरीली धुनों पर विद्यार्थियों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। गीत, नृत्य और लोक संस्कृति से जुड़ी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में देशप्रेम, हिमाचली संस्कृति और लोक परंपराओं का सुंदर संगम देखने को मिला।

शिमला द्वारा द रिज, शिमला में भव्य समारोह आयोजित किया गया

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, शिमला की ओर से द रिज मैदान पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रोवर्स एंड रेंजर्स यूनिट, कोटशेरा के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सेवा भावना का परिचय दिया।

समारोह में यूनिट के कुल सात सदस्यों ने हिस्सा लिया। दल में तीन रोवर्स विशाल, सुजल और मयंक तथा चार रेंजर्स नेहा, साक्षी, काजल और अमृता शामिल रहे। पूरी टुकड़ी का नेतृत्व रोवर विशाल ठाकुर ने किया। सभी सदस्यों ने परेड, ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के दौरान अनुशासन बनाए रखते हुए देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। कार्यक्रम में कुल 27 सदस्य उपस्थित रहे। इनमें विभिन्न विद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं तथा आपदा प्रबंधन से जुड़े स्वयंसेवक शामिल थे। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान रोवर्स एंड रेंजर्स के सदस्यों ने केवल कार्यक्रम में सहभागिता ही नहीं की, बल्कि भीड़ प्रबंधन और आयोजन स्थल पर व्यवस्था बनाए रखने में भी सक्रिय सहयोग दिया।

युवाओं की इस भागीदारी ने सेवा, समर्पण और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। स्वयंसेवकों ने जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभाते हुए समारोह को व्यवस्थित बनाने में योगदान दिया। आयोजन के दौरान देशभक्ति का वातावरण देखने को मिला और उपस्थित युवाओं में राष्ट्र के प्रति गौरव की भावना दिखाई दी।

न्यूज शॉर्ट्स

सर्वोच्च बलिदान देने वाले हवलदार गजेंद्र सिंह को मिलेगा कीर्ति चक्र

बागेश्वर। उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के कपकोट निवासी हवलदार गजेंद्र सिंह गढ़िया को मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किया जाएगा। भारतीय सेना की दो पैरा विशेष बल में तैनात गजेंद्र सिंह ने 18 जनवरी 2026 को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों के खिलाफ अभियान के दौरान अदम्य साहस दिखाया।

देहरादून के सहस्त्रधारा में फोटो खिंचवाते समय नदी में बही युवती, मौत

देहरादून। देहरादून के प्रसिद्ध सहस्त्रधारा पर्यटन स्थल पर रविवार को दर्दनाक हादसा हो गया। हरियाणा से घूमने आई 28 वर्षीय युवती फोटो खिंचवाते समय अचानक पैर फिसलने के कारण नदी के तेज बहाव में बह गई। हादसे की सूचना मिलते ही राजपुर थाना पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस, एसडीआरएफ जवानों और स्थानीय लोगों ने संयुक्त प्रयास कर युवती को नदी से बाहर निकाला।

रामकृष्ण परमहंस और अटल जी भारत की राष्ट्रचेतना के प्रतीक : स्वामी चिदानन्द

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष एवं परमार्थ पीठाधीश्वर स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने रामकृष्ण परमहंस और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर दोनों महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति उसकी आध्यात्मिक परंपरा और राष्ट्रचेतना के अद्भुत समन्वय में निहित है। रामकृष्ण परमहंस ने भारत की आध्यात्मिक आत्मा को जागृत किया, जबकि अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्रीय स्वाभिमान और राष्ट्रसेवा की भावना को सशक्त स्वर दिया। स्वामी चिदानन्द ने कहा कि रामकृष्ण परमहंस का जीवन आत्मसाक्षात्कार, प्रेम, भक्ति, करुणा और सर्वधर्म समभाव का संदेश देता है।

उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट, नदियां चेतावनी स्तर के करीब

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में मानसून के सक्रिय होने के साथ ही प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने सोमवार को देहरादून, चंपावत, बागेश्वर, ऊधम सिंह नगर और नैनीताल जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। इसके साथ ही कई स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की आशंका भी जताई गई है। लगातार बारिश के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित हुआ है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। देहरादून, मसूरी और नई टिहरी में रविवार सुबह से ही घने बादल और कोहरा छाया रहा। बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन कई क्षेत्रों में आवागमन को लेकर लोगों को परेशानियां बढ़ गई हैं।

उत्तरकाशी जिले में बारिश के बीच भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं।

◆बदरीनाथ हाईवे समेत कई मार्ग बंद

गंगोत्री-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर मलबा आने के कारण यातायात करीब तीन घंटे तक बाधित रहा। बाद में सड़क से मलबा हटाकर मार्ग को आवाजाही के लिए खोल दिया गया। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण सड़क मार्गों पर पत्थर और मलबा गिरने का खतरा बना हुआ है। प्रशासन और संबंधित विभागों को संवेदनशील स्थानों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। चमोली जिले में भी बारिश का असर देखने को मिला है।

अलकनंदा-मंदाकिनी उफान पर

अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों का जलस्तर भी बढ़ रहा है और दोनों नदियां चेतावनी स्तर के करीब बह रही हैं। नदी किनारे रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। बारिश के दौरान नदी और बरसाती नालों के पास जाना खतरनाक हो सकता है। प्रशासन की ओर से संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है। निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की तैयारी भी रखी जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी उत्तराखंड के कई हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। विशेषकर पर्वतीय जिलों में भारी बारिश के कारण भूस्खलन और सड़क अवरुद्ध होने की घटनाएं बढ़ सकती हैं। प्रशासन ने आपदा प्रबंधन से जुड़े विभागों को तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय लोगों और पर्यटकों से मौसम की जानकारी लेकर ही यात्रा करने की अपील की गई है।

116वां श्री मुलतान जोत महोत्सव 23 अगस्त को

गंगा तट पर सजेगा 116वां मुलतान जोत महोत्सव, भव्य शोभायात्रा रहेगी आकर्षण

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

हरिद्वार में 23 अगस्त को 116वां श्री मुलतान जोत महोत्सव भव्य एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में आयोजित किया जाएगा। महोत्सव को लेकर शहर को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। शोभायात्रा के मार्ग पर विशेष प्रकाश व्यवस्था की गई है। जगह-जगह बड़े-बड़े तोरण द्वार बनाए जा रहे हैं। पुष्पवर्षा और आतिशबाजी के साथ होने वाला यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

श्री मुलतान जोत सभा के चेयरमैन रतनदेव चावला और अखिल भारतीय मुल्तान युवा संगठन के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र नागपाल ने संयुक्त बयान में बताया कि महोत्सव में देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालु सबसे पहले गंगा स्नान करेंगे और इसके बाद गंगा मैया में छोटी-छोटी पवित्र ज्योतियां प्रवाहित कर पूजा-अर्चना करेंगे। आयोजन स्थल और आसपास के क्षेत्रों में हवन,

मुलतान जोत महोत्सव में होगा भव्य आयोजन।

◆मुलतान से हरिद्वार तक पहुंची 115 साल पुरानी परंपरा

सुंदरकांड पाठ तथा प्रसाद वितरण भी किया जाएगा।

महोत्सव के दौरान गंगा जी का दुग्धाभिषेक और विधि-विधान से पूजा की जाएगी। श्रद्धालु विशेष ज्योति गंगा को अर्पित करेंगे। आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता दूध से खेली जाने वाली होली होगी। इसके बाद रात में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा के दौरान आकर्षक रोशनी, आतिशबाजी और सजावट से पूरा क्षेत्र जगमगा उठेगा। आयोजकों का कहना है

कई प्रमुख हस्तियां होंगी शामिल

आयोजकों के अनुसार पूर्व राज्यपाल असम प्रो. जगदीश मुखी, भाजपा महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद तरुण चुघ, भाजपा दिल्ली प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, सांसद बांसुरी स्वराज, उत्तराखंड सरकार के मंत्री मदन कौशिक, संजय तलवार बाबा, टीवी कलाकार अमर वाल्मीकि और अभिनेता शेख रईस करीम सहित कई प्रमुख हस्तियां कार्यक्रम में पहुंच सकती हैं। डॉ. महेंद्र नागपाल ने बताया कि श्री मुलतान जोत महोत्सव की परंपरा वर्ष 1911 में भक्त रूप चंद ने शुरू की थी। उन्होंने पाकिस्तान के मुलतान से पैदल चलकर हरिद्वार पहुंचकर समाज में भाईचारे, शांति और सद्भाव की कामना के साथ गंगा मैया को ज्योति अर्पित की थी। तभी से यह परंपरा लगातार जारी है। समय के साथ महोत्सव का स्वरूप भी विस्तृत और भव्य होता गया। आयोजकों के अनुसार इस धार्मिक परंपरा से आज भी देश के विभिन्न प्रांतों के लोग जुड़ हुए हैं।

116वें मुलतान जोत महोत्सव की तैयारी तेज

पाकिस्तान के मुलतान क्षेत्र में रहने वाले श्रद्धालु भी अवसर मिलने पर इस आयोजन में शामिल होने हरिद्वार पहुंचते है। इस कारण महोत्सव धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव का भी प्रतीक बन गया है। महोत्सव को लेकर हरिद्वार में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा, शोभायात्रा की व्यवस्था और आयोजन स्थल की सजावट पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आयोजकों को उम्मीद है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। 116वां श्री मुलतान जोत महोत्सव एक ओर जहां धार्मिक आस्था को मजबूत करेगा, वहीं भाईचारे, शांति और सांस्कृतिक परंपराओं का संदेश भी देगा।

कि दिन में दूध की होली और रात में दीपों तथा रोशनी से सजा वातावरण दिवाली जैसा दृश्य प्रस्तुत करेगा। इसी कारण इस आयोजन को होली और दिवाली के अनूठे संगम के रूप में देखा जाता है। महोत्सव में कई विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने की संभावना भी जताई गई है।

मुख्यमंत्री धामी ने शेर नाला में बने डबल लेन पुल का किया लोकार्पण

पुल बनने से आवागमन की परेशानी होगी दूर

भारतेंदु संवाददाता, हल्द्वानी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को नैनीताल जिले के चोरगलिया क्षेत्र में शेर नाला पर नवनिर्मित डबल लेन पुल का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री अपने जनपद भ्रमण के दौरान राजकीय इंटर कॉलेज लाखनमंडी चोरगलिया पहुंचे, जहां हेलीपैड पर कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा, लालकुआं विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट और जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरमवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। विद्यालय परिसर में मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय जनता से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

मुख्यमंत्री ने हल्द्वानी-चोरगलिया-सितारगंज मार्ग पर शेर नाला में 993 लाख रुपये की लागत से निर्मित 120 मीटर लंबे डबल लेन आरसीसी

◆चोरगलिया के शेर नाला पर 9.93 करोड़ से बना डबल लेन पुल शुरू

कंक्रीट सेतु का लोकार्पण किया। इस पुल के बनने से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी। मानसून के दौरान शेर नाला के उफान पर आने से लोगों को लंबे समय तक परेशानी का सामना करना पड़ता था। तेज बहाव के कारण कई बार आवागमन बाधित हो जाता था और स्थानीय लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। नए पुल के निर्माण से इस समस्या से काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

पुल से स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ हल्द्वानी, चोरगलिया और सितारगंज के बीच आवागमन करने वाले लोगों तथा पर्यटकों को भी सुविधा मिलेगी।

विकासनगर में दर्दनाक हादसा खाई में गिरा पिकअप, एक की मौत

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। विकासनगर की त्यूणी तहसील के सीमांत गांव पुरटाड के पास रविवार तड़के एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर करीब 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में वाहन सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान 40 वर्षीय खजानदास निवासी मोरी, उत्तरकाशी के रूप में हुई है। घायल रवि भी मोरी निवासी बताया गया है। जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन सुबह करीब पांच बजे तुंगाण से त्यूणी की ओर आ रहा था। पुरटाड गांव के पास चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और वाहन सड़क से नीचे खाई में जा गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने राहत एवं बचाव अभियान चलाया और वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार खजानदास ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। घायल रवि को प्राथमिक उपचार के लिए त्यूणी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। थाना पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रहे सड़क हादसों को देखते हुए वाहन चालकों से सावधानी बरतने और तेज गति से वाहन न चलाने की अपील की जाती रही है।

चमोली के तमक नाले में लापता बीआरओ जवान की तलाश जारी

भारतेंदु संवाददाता, चमोली। चमोली जिले के ज्योतिर्मठ तहसील क्षेत्र में तमक नाले में बादल फटने के बाद लापता हुए सीमा सड़क संगठन के हवलदार पंकज रुधौला की तलाश के लिए व्यापक रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। ग्राम लोंग सेगड़ी के समीप तेज बारिश के बाद तमक नाले में अचानक पानी और मलबे का तेज बहाव आया था। इसी दौरान बीआरओ की 123 इकाई में तैनात चालक पंकज रुधौला इसकी चपेट में आकर लापता हो गए। लापता हवलदार की तलाश के लिए जिला प्रशासन के निर्देशन में युद्धस्तर पर सर्च अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सीमा सड़क संगठन और गढ़वाल राइफल्स की टीमें मौके पर तैनात हैं। रेस्क्यू दल नाले के आसपास संभावित स्थानों को चिन्हित कर लगातार खोजबीन कर रहे हैं।

नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज की मांग तेज

नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज निर्माण को लेकर बेमियादी आंदोलन शुरू

भारतेंदु संवाददाता, नई टिहरी

नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन तेज हो गया है। मेडिकल कॉलेज निर्माण संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर रविवार को बड़ी संख्या में शहर और आसपास के क्षेत्रों के लोग सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारियों ने बौराड़ी स्टेडियम से गणेश चौक तक ढोल-दमाऊ के साथ विशाल रैली निकाली और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद गणेश चौक में बेमियादी क्रमिक अनशन और धरना शुरू कर दिया गया। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक मेडिकल कॉलेज निर्माण का विधिवत

शासनादेश जारी नहीं हो जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग के समर्थन में नई टिहरी और बौराड़ी

डॉ. राकेश के नेतृत्व में निकली रैली

संघर्ष समिति के संयोजक डॉ. राकेश भूषण गोदियाल के नेतृत्व में निकाली गई रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। रैली नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए गणेश चौक पहुंची, जहां सभा के बाद धरना और अनशन शुरू किया गया। वक्ताओं ने सरकार पर मेडिकल कॉलेज के नाम पर वादाखिलाफी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय में मेडिकल कॉलेज निर्माण को लेकर लंबे समय से मांग उठाई जा रही है।

के बाजार भी बंद रहे। आंदोलन के पहले दिन नागरिक मंच के 10 लोग क्रमिक अनशन पर बैठे।

नई टिहरी में आंदोलन तेज

आंदोलनकारियों का कहना है कि जिला मुख्यालय में मेडिकल कॉलेज बनने से पर्वतीय क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकती हैं और उन्हें गंभीर उपचार के लिए देहरादून या अन्य बड़े शहरों की ओर जाने की मजबूरी कम होगी। क्रमिक अनशन में नागरिक मंच के सीपी डबराल, किशोरी लाल चमोली, डॉ. यूएस नेगी, कमल सिंह महर, जगजीत नेगी, कर्म सिंह तोपवाल, भगवान चंद रमोला, त्रिलोक रमोला, नरोत्तम जखमोला और भगवान देई तोपवाल शामिल हुए।

रायवाला में हाईवे पर थार चालक की दबंगई, मुकदमा दर्ज

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून के हरिद्वार-देहरादून राजमार्ग पर रायवाला के समीप मोतीचूर में थार चालक की खतरनाक हरकत सामने आई है। आरोप है कि चालक ने हिमालयन इंस्टीट्यूट जौलीग्रांट के मेडिकल छात्रों और बस चालक को वाहन से टक्कर मारकर कुचलने का प्रयास किया। घटना के बाद थार चालक मौके से फरार हो गया। इंस्टीट्यूट कर्मचारी की तहरीर पर रायवाला पुलिस ने अज्ञात थार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार गुरुवार शाम मेडिकल छात्रों को हरिद्वार लेकर जा रही इंस्टीट्यूट की बस को एक थार बार-बार ओवरटेक कर रही थी। इसी दौरान चालक ने कथित रूप से लापरवाही और आक्रामक तरीके से वाहन चलाते हुए बस को टक्कर मारी और छात्रों तथा चालक के लिए खतरा पैदा किया।

चमोली सुरंग हादसे में दो कर्मचारी अब भी लापता

भारतेंदु संवाददाता, चमोली

चमोली में टीएचडीसी की निर्माणाधीन विष्णुगाड़-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना की टेल रेस टनल में 13 अगस्त को हुए भूस्खलन और पानी के रिसाव के बाद राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। हादसे में अब तक आठ कर्मचारियों की मौत हो चुकी है, जबकि दो कर्मचारी अभी भी लापता हैं। लापता कर्मचारियों की तलाश के लिए बचाव दल टनल के भीतर अभियान चला रहे हैं। हादसे में घायल 12 कर्मचारियों का उपचार भी कराया जा रहा है। शनिवार को टनल से एक और श्रमिक का शव बरामद किया गया था। इस बीच टीएचडीसी की ओर से मृत कर्मचारियों के आश्रितों को पांच-पांच लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा के बाद सहकर्मियों में नाराजगी फैल गई। कर्मचारियों ने हाट कंपनी साइट पर हड़ताल कर प्रदर्शन किया और मुआवजे की राशि बढ़ाने के साथ प्रभावित परिवारों को उचित सहायता देने की मांग की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पीपलकोटी पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली और घायल श्रमिकों से मुलाकात की। वहीं आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने अधिकारियों के साथ बैठक कर राहत और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

हरिद्वार के प्राचीन राम मंदिर में महंत नियुक्ति पर अदालत ने लगाई रोक

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार

भोपतवाला स्थित श्री प्राचीन राम मंदिर में 17 अगस्त को प्रस्तावित महंत की नियुक्ति पर सिविल जज जूनियर डिवीजन, हरिद्वार की अदालत ने रोक लगा दी है। यह आदेश पंचपुरीय श्री वैष्णव विरक्त महामंडल की ओर से दायर प्रार्थना पत्र पर पारित किया गया। महामंडल के महासचिव महामंडलेश्वर श्याम दास ने बताया कि मंदिर संस्था से संबद्ध है और महंत एवं प्रबंधक की नियुक्ति महामंडल के अनुमोदन के बिना नहीं की जा सकती। उनका आरोप है कि वर्तमान महंत रामदास महाराज ने संस्था की सहमति के बिना उत्तराधिकारी नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू की। इसी के विरोध में न्यायालय की शरण ली गई। अदालत ने एकपक्षीय आदेश देते हुए महामंडल की मंजूरी के बिना महंत एवं प्रबंधक की नियुक्ति पर रोक लगा दी। संस्था ने आदेश के अनुपालन के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र भी सौंपा है।

युवाओं को रोजगारदाता बनाएगी धामी सरकार

औद्योगिक पार्कों से बढ़ेंगे रोजगार अवसर, युवा आयोग की भी होगी स्थापना

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

साढ़े चार वर्ष के कार्यकाल में 34 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी देने के बाद अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने युवाओं के लिए स्वरोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता के नए अवसर सृजित करने पर जोर दिया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री की ओर से की गई सात घोषणाओं में चार सीधे तौर पर युवाओं से संबंधित हैं। सरकार का उद्देश्य युवाओं को केवल रोजगार पाने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने की दिशा में आगे बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री ने चमोली, पौड़ी और अल्मोड़ा में विशेष औद्योगिक पार्क स्थापित करने की घोषणा की है। इन

धामी सरकार युवाओं के स्वरोजगार पर केंद्रित

युवा हितों को संस्थागत रूप से आगे बढ़ाने के लिए प्रदेश में पहली बार युवा आयोग की स्थापना की जाएगी। यह आयोग शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता से जुड़े विषयों पर युवाओं की समस्याओं और सुझावों को सरकार तक पहुंचाने के साथ नीतिगत पहल के लिए महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा।

औद्योगिक पार्कों के माध्यम से पर्वतीय क्षेत्रों में स्थानीय संसाधनों, पारंपरिक उत्पादों और युवाओं की क्षमता के अनुरूप रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर विकसित किए जाएंगे।

इससे पहाड़ों में स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और युवाओं को अपने ही क्षेत्रों में काम करने के अवसर मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही 18 से 30 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार एवं उद्यमिता प्रोत्साहन योजना शुरू करने की घोषणा की गई है

पहल

अग्निवीरों समेत पूर्व सैनिकों और योग्य युवाओं को विदेशों में रोजगार से जोड़ेगा उपनल

अग्निवीरों को विदेशों में रोजगार से जोड़ेगा उपनल: गणेश जोशी

भारतेंदु संवाददाता, हल्द्वानी

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को हल्द्वानी में कुमाऊं मंडल के नवनिर्मित उपनल कार्यालय भवन का उद्घाटन किया। करीब 1.50 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए गए इस भवन में पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों और उपनल से जुड़े कार्मिकों को पहले की अपेक्षा बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि हल्द्वानी कुमाऊं मंडल का प्रवेश द्वार है और यहां बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक तथा उनके परिवार निवास करते हैं। ऐसे में उपनल का सुविधायुक्त और व्यवस्थित कार्यालय होना बेहद जरूरी था।

गणेश जोशी ने कहा कि इससे पहले उपनल का कार्यालय एक छोटे से कमरे में संचालित हो रहा था। स्थान कम होने के कारण पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों और अन्य लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। नए भवन के निर्माण से इन समस्याओं का समाधान होगा और लोगों को अपनी आवश्यकताओं से संबंधित कार्यों के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने

कहा कि सरकार पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए लगातार प्रयास कर रही है तथा रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

सैनिक कल्याण मंत्री ने कहा कि उपनल के माध्यम से प्रदेशभर में पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को रोजगार उपलब्ध कराने का काम किया जा रहा है। अब इस व्यवस्था का दायरा बढ़ाते हुए विदेशों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विदेशों में प्रशिक्षित और योग्य मैनपावर की काफी मांग है। इस संबंध में संबंधित स्तर पर बातचीत चल रही है।

करीब 50 प्रतिशत को जोड़ने की तैयारी

गणेश जोशी ने विशेष रूप से अग्निवीरों के लिए भी विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराने की योजना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों को भी उपनल के माध्यम से विदेशों में रोजगार के अवसरों से जोड़ने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत करीब 50 प्रतिशत अग्निवीरों को विदेशों में रोजगार से जोड़ने की योजना पर काम किया जा रहा है। इससे सैन्य सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों को आगे के करियर में नए अवसर मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों के प्रशिक्षण, अनुशासन और कार्यकुशलता का लाभ उन्हें रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में मिल सकता है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने कहा कि रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों से जुड़ी समस्याओं के समाधान पर भी सरकार का विशेष ध्यान है। उपनल के नए कार्यालय से लोगों को एक ही स्थान पर बेहतर वातावरण मिलेगा।

1947 विभाजन के शहीदों को एसजीपीसी ने दी श्रद्धांजलि, श्री अकाल तख्त साहिब में अरदास

विभाजन के जख्मों को किया याद, अकाल तख्त साहिब पर जुटी संगत; शहीदों की आत्मिक शांति के लिए अरदास

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

1947 में भारत-पाकिस्तान विभाजन के दौरान मारे गए पंजाबियों की याद में रविवार को श्री अकाल तख्त साहिब में विशेष अरदास समारोह आयोजित किया गया। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में संगत ने हिस्सा लिया और विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह के दौरान विभाजन की त्रासदी में बिछड़े परिवारों, उजड़े घरों और अलग हुए गुरुधामों की याद भी ताजा हुई।

श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने अरदास के दौरान 1947 की विभाजन त्रासदी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विभाजन के समय पंजाब को सबसे अधिक दर्द झेलना पड़ा। लाखों लोग अपने घर-बार छोड़कर दूसरी जगह जाने को मजबूर हुए। इस दौरान बड़े पैमाने पर हिंसा हुई और 10 लाख से अधिक पंजाबियों की हत्या किए जाने का उल्लेख किया गया।

जत्थेदार ने कहा कि इस अरदास का उद्देश्य विभाजन के दौरान मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देना और उनकी आत्मिक शांति के लिए प्रार्थना करना है। साथ ही ऐसी भयावह त्रासदी दोबारा न हो, इसके लिए भी अरदास की गई। समारोह में संगत ने विभाजन के दौरान अपने परिवार और संपत्ति गंवाने वाले लोगों की पीड़ा को याद किया।

विभाजन के कारण पंजाब का सामाजिक और धार्मिक ताना-बाना भी प्रभावित हुआ था। बड़ी संख्या में लोग अपने पैतृक गांव, शहर और धार्मिक स्थलों से दूर हो गए। कई ऐतिहासिक गुरुधाम भी सीमा के दूसरी ओर रह गए। समारोह के दौरान इन बिछड़े गुरुधामों का भी विशेष रूप से जिक्र किया गया। जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने विभाजन के बाद बिछड़े धार्मिक स्थलों को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय के लिए ऐतिहासिक गुरुधामों से जुड़ी भावनाएं आज भी बेहद गहरी हैं। करतारपुर साहिब सहित पाकिस्तान स्थित अन्य गुरुधामों के दर्शन सिख संगत की आस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

उन्होंने करतारपुर कॉरिडोर को खोलने और धार्मिक यात्राओं को सुगम बनाने की मांग पर भी जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने बंदी सिंहों की रिहाई का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने सिख समुदाय से एकजुट होकर श्री अकाल तख्त साहिब की रहनुमाई में चलने की अपील की। अरदास समारोह के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्री अकाल तख्त साहिब परिसर में मौजूद रहे। संगत ने विभाजन के शहीदों को नमन किया और उनके बलिदान को याद किया। समारोह में श्रद्धालुओं के बीच विभाजन के समय पंजाब में हुई घटनाओं और उसके बाद लोगों के सामने आई मुश्किलों की चर्चा भी हुई। 1947 का विभाजन पंजाब के इतिहास की सबसे दर्दनाक घटनाओं में शामिल है। विभाजन के दौरान लाखों लोगों को अपना घर छोड़कर पलायन करना पड़ा था।

परिवार बिछड़ गए और बड़ी संख्या में लोगों की जान चली गई। इस त्रासदी की स्मृतियां आज भी पंजाब के दोनों हिस्सों में रहने वाले परिवारों से जुड़ी हुई हैं। समारोह के माध्यम से एसजीपीसी ने विभाजन के दौरान जान गंवाने वाले सभी पंजाबियों को श्रद्धांजलि दी। साथ ही लोगों से आपसी भाईचारा, एकता और शांति बनाए रखने की अपील की गई। श्री अकाल तख्त साहिब में हुई विशेष अरदास के दौरान संगत ने उन सभी लोगों को याद किया, जिन्होंने विभाजन की हिंसा में अपनी जान गंवाई और जिनके परिवार हमेशा के लिए बिछड़ गए।

अमृतसर बॉर्डर पर बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई, करीब दो किलो हेरोइन बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

सीमा क्षेत्र में नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बीएसएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने बीओपी भरोपाल के पास से हेरोइन के दो पैकेट बरामद किए हैं। बरामद नशीले पदार्थ का कुल वजन 1 किलो 990 ग्राम बताया गया है। मामले में गरिंडा थाना पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, बीएसएफ की 181 बटालियन की ए कंपनी के कंपनी कमांडर राकेश नेगी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की। बीओपी भरोपाल क्षेत्र में हेरोइन के पैकेट मिलने की सूचना के बाद जांच अधिकारी एएसआई साहिब सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बरामद सामान की जांच की। तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों को हेरोइन के दो पैकेट के अलावा एक मोमी लिफाफा और करीब 203 ग्राम पैकिंग सामग्री भी मिली। नशीले पदार्थ की प्रारंभिक जांच ड्रग किट के माध्यम से की गई, जिसमें पदार्थ के हेरोइन होने की पुष्टि हुई।

इसके बाद बरामद नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हेरोइन के पैकेट सीमा क्षेत्र तक कैसे पहुंचे और इन्हें वहां किसने छिपाया था। इसके साथ ही तस्करी के नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान करने के लिए भी जांच की जा रही है।

अधिकारियों का कहना है कि बरामद हेरोइन की खेप के पीछे किसी बड़े तस्करी गिरोह का हाथ हो सकता है। पुलिस आसपास के क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों और पहले सामने आए नशा तस्करी के मामलों की भी जानकारी जुटा रही है। फिलहाल मामले में किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

न्यूज ब्रीफ

डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर महिला से 9.51 लाख ठगे, हावड़ा से आरोपित गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर साइबर ठगी करने वाले आरोपित के खिलाफ चंडीगढ़ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। साइबर अपराध थाना पुलिस ने पश्चिम बंगाल के हावड़ा से 34 वर्षीय राज कुमार शाह को गिरफ्तार किया है। आरोपित पर चंडीगढ़ निवासी महिला से 9.51 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी करने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, साइबर ठगों ने महिला को मनी लॉन्ड्रिंग और मानव तस्करी जैसे गंभीर मामलों में फंसाने का डर दिखाया। इसके बाद उसे डिजिटल अरेस्ट का झांसा देकर लगातार निगरानी में रखा गया और पैसे जमा कराने के लिए दबाव बनाया गया। डर के कारण महिला ने आरोपितों के बताए बैंक खाते में 9.51 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि ठगी की पूरी रकम राज कुमार शाह के बैंक खाते में पहुंची थी। इसके बाद पुलिस टीम ने बैंक लेनदेन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपित की पहचान की। टीम ने हावड़ा पहुंचकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपित से पूछताछ कर रही है और उसके साथ जुड़े अन्य साइबर ठगों की तलाश में जुटी है।

चंडीगढ़ ईएमआरएस परीक्षा फर्जीवाड़े में बड़ा फैसला सॉल्वर और अभ्यर्थी को 3-3 साल की सजा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। ईएमआरएस परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने के मामले में अदालत ने सॉल्वर और अभ्यर्थी दोनों को तीन-तीन साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही दोनों पर पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। मामला सेक्टर-40 स्थित शारदा सर्वहितकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल का है, जहां परीक्षा के दौरान एक युवक दूसरे अभ्यर्थी की जगह परीक्षा देते पकड़ा गया था। सजा पाने वालों में हिसार निवासी विक्रम लोहान और फतेहाबाद निवासी बलविंदर सिंह शामिल हैं। अदालत ने दोनों को आइपीसी की धारा 419, 420 और 120बी के तहत दोषी ठहराया। पुलिस ने करीब तीन साल पहले परीक्षा में हुए इस फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया था। जांच में सामने आया कि विक्रम लोहान, बलविंदर सिंह की जगह परीक्षा देने पहुंचा था। पुलिस ने मौके पर उसे पकड़ लिया था।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, अवैध बिक्री केंद्र से विभिन्न ब्रांड की शराब जब्त

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ में ईएमआरएस परीक्षा फर्जीवाड़े के मामले में अदालत ने सॉल्वर और अभ्यर्थी को तीन-तीन साल की सजा सुनाई है। दोनों दोषियों पर पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। मामला सेक्टर-40 स्थित शारदा सर्वहितकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित परीक्षा से जुड़ा है। पुलिस ने करीब तीन साल पहले परीक्षा के दौरान फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया था। जांच में सामने आया कि हिसार निवासी विक्रम लोहान, फतेहाबाद निवासी बलविंदर सिंह की जगह परीक्षा दे रहा था। परीक्षा केंद्र पर जांच के दौरान विक्रम को पकड़ लिया गया था। इसके बाद पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। अदालत ने सुनवाई के बाद दोनों को भारतीय दंड संहिता की धारा 419, 420 और 120बी के तहत दोषी माना। मामले में अदालत ने सॉल्वर और अभ्यर्थी दोनों को तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही दोनों पर पांच-पांच हजार रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया गया।

रामदरबार में तीज उत्सव की धूम, सांसद मनीष तिवारी ने लोगों संग साझा की खुशियां

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ के रामदरबार में तीज उत्सव पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी भी शामिल हुए और लोगों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस दौरान रंग-बिरंगी सजावट, लोकगीतों और पारंपरिक गतिविधियों ने आयोजन को खास बना दिया। महिलाओं और बच्चों ने उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। पूरे परिसर में तीज के पारंपरिक रंग देखने को मिले। सांसद मनीष तिवारी ने लोगों को तीज पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार हमारी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि तीज आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में किसानों का दिल्ली कूच, खनौरी बॉर्डर फिर सील

भारतेन्दु संवाददाता, संगरूर

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध और अन्य किसान मुद्दों को लेकर किसानों ने एक बार फिर दिल्ली कूच का एलान किया है। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के नेतृत्व में किसान खनौरी से दिल्ली के जंतर-मंतर तक पदयात्रा निकालने की तैयारी में हैं। किसानों के प्रस्तावित मार्च को देखते हुए हरियाणा पुलिस और प्रशासन ने खनौरी के दाता सिंहवाला बॉर्डर को दोबारा पूरी तरह सील कर दिया है।

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के नेतृत्व में किसानों का जत्था खनौरी से दिल्ली जाने की तैयारी कर रहा है। किसान शुभकरण सिंह की मौत वाली जगह से मिट्टी लेकर दिल्ली पहुंचने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए दाता सिंहवाला गांव से जंतर-मंतर तक किसान बचाओ पदयात्रा आयोजित की जा रही है। किसानों के दिल्ली कूच को देखते हुए हरियाणा की ओर से बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रशासन ने रास्ते में कंक्रीट के बैरिकेड लगाए हैं।

इसके अलावा बड़े-बड़े पत्थर और लोहे के बैरिकेड लगाकर उन्हें वेल्डिंग के जरिए मजबूत किया गया है। इस वजह से बॉर्डर से वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई है। किसान नेताओं का कहना है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से कृषि क्षेत्र और किसानों के हितों पर असर पड़ सकता है। इसी के विरोध में किसान अपनी मांगों को लेकर दिल्ली तक पदयात्रा निकाल रहे हैं। उनका उद्देश्य केंद्र सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाना और किसानों से जुड़े मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करना है।

वहीं, प्रशासन की ओर से कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बॉर्डर पर अतिरिक्त इंतजाम किए गए हैं। पुलिस लगातार स्थिति पर नजर रख रही है। खनौरी और दाता सिंहवाला क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाए जाने के कारण आसपास के लोगों और यात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड सकता है।

तेजधार हथियार दिखाकर करते थे लूट जालंधर पुलिस ने चार आरोपियों को दबोचा

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर

जालंधर पुलिस कमिश्नरेट ने शहर में लूट और झपटमारी की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने तेजधार हथियार दिखाकर राहगीरों से मोबाइल फोन और अन्य सामान लूटने के आरोप में चार युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो लूटे गए मोबाइल फोन, दो बाइक, तेजधार हथियार और 30 नशीली गोलियां बरामद की हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपी शहर के अलग-अलग इलाकों में राहगीरों को निशाना बनाते थे। सुनसान स्थानों या कम भीड़ वाले रास्तों पर लोगों को रोककर दातर जैसे तेजधार हथियार दिखाते और डराकर उनका सामान छीन लेते थे। मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान लूटने के बाद आरोपी बाइक से मौके से फरार हो जाते थे। शहर में लगातार सामने आ रही लूट और झपटमारी की घटनाओं को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए जांच तेज की थी।

पुलिस टीम ने संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को काबू किया। पूछताछ के दौरान आरोपियों से लूट की कई वारदातों के संबंध में जानकारी मिलने की उम्मीद है। पुलिस ने आरोपियों से बरामद दो मोबाइल फोन को कब्जे में लेकर उनकी जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा दोनों बाइक की भी जांच की जा रही है कि उनका इस्तेमाल किन वारदातों में किया गया था।

बरामद 30 नशीली गोलियों को लेकर भी पुलिस ने अलग से जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों से पूछताछ के आधार पर लूट की अन्य घटनाओं और गिरोह से जुड़े दूसरे लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पूछताछ में आरोपियों से गिरोह के अन्य सदस्यों और वारदातों की जानकारी जुटाई जा रही है।

मोटे मुनाफे का झांसा देकर महिला को ठगा, पश्चिम बंगाल से आरोपित गिरफ्तार

फेसबुक विज्ञापन से निवेश का झांसा चंडीगढ़ की महिला से 23.27 लाख की ठगी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

निवेश के नाम पर साइबर ठगी के मामले में चंडीगढ़ पुलिस की साइबर अपराध थाना टीम ने पश्चिम बंगाल से एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान 32 वर्षीय मोहम्मद उमर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपित ने अन्य लोगों के साथ मिलकर फेसबुक विज्ञापन और व्हाट्सऐप समूह के माध्यम से महिला को निवेश के नाम पर झांसे में लिया था।

मामले में चंडीगढ़ निवासी महिला से कुल 23 लाख 27 हजार रुपये की ठगी की गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि ठगी की रकम में से करीब 17 लाख 30 हजार रुपये आरोपित मोहम्मद उमर के बैंक खाते में पहुंचे थे। इसके बाद पुलिस ने बैंक खातों और लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, महिला की नजर फेसबुक पर दिखाए गए एक निवेश संबंधी विज्ञापन पर पड़ी थी। विज्ञापन के माध्यम से उसे निवेश में अच्छा मुनाफा कमाने का भरोसा दिलाया गया।

इसके बाद उसे एक व्हाट्सऐप समूह में जोड़ा गया, जहां निवेश से संबंधित जानकारी और लाभ के दावे किए जाते थे। शुरुआत में महिला को निवेश के बदले मुनाफे का भरोसा दिया गया। आरोपितों ने धीरे-धीरे उससे अलग-अलग खातों में रकम जमा करवानी शुरू कर दी।

महिला ने जब बड़ी रकम निवेश कर दी तो उसे अपने पैसे वापस मिलने की उम्मीद थी। हालांकि बाद में उससे और रकम की मांग की जाने लगी। संदेह होने पर महिला ने मामले की शिकायत पुलिस से की। शिकायत मिलने के बाद साइबर अपराध थाना पुलिस ने जांच शुरू की और बैंक खातों में हुए लेनदेन की जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि ठगी की रकम का एक बड़ा हिस्सा मोहम्मद उमर के बैंक खाते में पहुंचा था। इसके आधार पर पुलिस टीम ने उसकी तलाश शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अब आरोपित से पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस साइबर ठगी में उसके साथ और कौन-कौन लोग शामिल थे। साथ ही पुलिस उन बैंक खातों और मोबाइल नंबरों की भी जांच कर रही है, जिनके माध्यम से महिला से संपर्क किया गया था और रकम ट्रांसफर करवाई गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, साइबर ठगी के मामलों में आरोपित अक्सर निवेश पर अधिक मुनाफे का लालच देकर लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं।

पंचकूला में सुबह-सुबह चेन स्नेचिंग, सैर से लौट रहे युवक के गले से सोने की चेन झपटी

सेक्टर-10 में सुबह बाइक सवार बदमाशों ने युवक के गले से सोने की चेन झपटी।

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पंचकूला के सेक्टर-10 में रविवार सुबह चेन स्नेचिंग की वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया। सैर के बाद घर लौट रहे एक युवक के गले से बाइक सवार दो बदमाश सोने की चेन झपटकर फरार हो गए। वारदात सुबह करीब आठ बजे की बताई जा रही है। पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-5 थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सेक्टर-10 निवासी अमित कौशिक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सुबह सैर करने के लिए घर से निकले थे। सैर करने के बाद जब वह वापस घर के पास पहुंचे, तभी पीछे से पल्सर बाइक पर सवार दो युवक आए। युवक कुछ समझ पाता, इससे पहले बाइक पर पीछे बैठे आरोपी ने उसके गले से सोने की चेन झपट ली। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी तेज रफ्तार बाइक से मौके से फरार हो गए। पीड़ित के मुताबिक, झपटी गई सोने की चेन करीब 2.25 तोले की थी। उन्होंने पुलिस को बताया कि आरोपियों की बाइक का नंबर पंजाब का था। बाइक का रंग काला और लाल बताया गया है।

सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस बाइक के नंबर और हुलिए के आधार पर भी बदमाशों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। सुबह के समय हुई इस वारदात के बाद स्थानीय लोगों में भी चिंता बढ़ गई है। पुलिस ने आरोपियों को जल्द पकड़ने के लिए जांच तेज कर दी है।

सुखबीर बादल पर दो हमलों को लेकर हरसिमरत ने जताई बड़ी साजिश की आशंका

सांसद हरसिमरत कौर ने केंद्रीय गृह मंत्री से एनआईए जांच कराने का आग्रह किया

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमलों को लेकर अब उनकी पत्नी और बठिंडा से सांसद हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराने की मांग की है। हरसिमरत कौर ने 16 अगस्त को अमित शाह को पत्र लिखकर नांदेड और श्री हरमंदिर साहिब में हुई घटनाओं को गंभीरता से लेने का आग्रह किया है।

उन्होंने दोनों घटनाओं के पीछे किसी बड़ी साजिश की आशंका भी जताई है। हरसिमरत कौर ने अपने पत्र में 13 अगस्त 2026 को महाराष्ट्र के नांदेड स्थित गुरुद्वारा माता साहिब कौर में सुखबीर बादल पर हुए हमले का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह घटना चिंताजनक है और इसकी जांच केवल सामान्य आपराधिक घटना के रूप में नहीं की जानी चाहिए। उनके अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी व्यापक जांच आवश्यक है, ताकि हमले के पीछे के कारणों और संभावित साजिश का पता लगाया जा सके।

सांसद ने नांदेड की घटना को चार दिसंबर 2024 को श्री हरमंदिर साहिब में सुखबीर बादल पर हुए हमले से जोड़कर देखने की मांग की है। उन्होंने कहा कि दोनों घटनाओं की परिस्थितियों और इनके पीछे संभावित संबंधों की जांच होनी चाहिए।

हरसिमरत कौर का कहना है कि अलग-अलग घटनाओं की जांच के बजाय इनके बीच किसी संभावित कड़ी की भी पड़ताल की जानी चाहिए। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री से आग्रह किया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी को दोनों मामलों की जांच सौंपने पर विचार किया जाए। उनका मानना है कि एनआईए जैसी केंद्रीय जांच एजेंसी के स्तर पर जांच होने से घटनाओं के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत पड़ताल संभव हो सकेगी। 13 अगस्त को नांदेड में सुखबीर बादल पर हुए हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठे हैं। हरसिमरत कौर ने अपने पत्र में इस घटना को गंभीर बताते हुए इसके पीछे किसी बड़ी साजिश की संभावना की जांच करने की मांग की है।

उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्रालय से मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया। सुखबीर बादल शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष हैं और पंजाब की राजनीति में प्रमुख स्थान रखते हैं। ऐसे में उनके खिलाफ हुई घटनाओं को लेकर पार्टी स्तर पर भी चिंता व्यक्त की जा रही है। हरसिमरत कौर की मांग के बाद यह मामला एक बार फिर राजनीतिक और सुरक्षा से जुड़े मुद्दे के रूप में चर्चा में आ गया है। हरसिमरत कौर ने अपने पत्र में चार दिसंबर 2024 की श्री हरमंदिर साहिब की घटना का भी उल्लेख किया। उनका कहना है कि उस घटना और नांदेड में हुए हमले को अलग-अलग देखने के बजाय दोनों मामलों की कड़ियों की जांच की जानी चाहिए। उन्होंने संभावित साजिश की तह तक पहुंचने के लिए केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने की मांग की है।

हरसिमरत कौर ने गृह मंत्री अमित शाह से इस मामले में आवश्यक कदम उठाने की अपील की है। अब उनकी मांग पर केंद्र सरकार की ओर से क्या निर्णय लिया जाता है, इस पर नजर रहेगी। एनआईए जांच की मांग स्वीकार होने की स्थिति में दोनों घटनाओं के संबंध में व्यापक स्तर पर जांच का रास्ता खुल सकता है।

फिलहाल हरसिमरत कौर के पत्र ने सुखबीर बादल पर हुए दोनों हमलों को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज कर दी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से इन घटनाओं के पीछे किसी बड़ी साजिश की आशंका जताते हुए मामले की निष्पक्ष और व्यापक जांच की जरूरत बताई है।

चंडीगढ़ में बंदी सिखों की रिहाई पर प्रदर्शन मरीज के भेष में पहुंचे अकाली नेता

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ में बंदी सिखों की रिहाई की मांग को लेकर शनिवार को पंजाब राजभवन के बाहर प्रदर्शन के दौरान तनाव की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों की ओर से बंदी सिखों की रिहाई और उनके मामलों में सरकार से कार्रवाई की मांग की जा रही थी। इसी बीच पूर्व सांसद और शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के नेता सिमरनजीत सिंह मान मरीज का भेष बनाकर राजभवन के पास पहुंच गए।

जानकारी के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान मान के राजभवन की ओर पहुंचने से मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों में हलचल बढ़ गई। पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। हालांकि, बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। उनके राजभवन पहुंचने के तरीके को लेकर मौके पर काफी चर्चा रही। बंदी सिखों की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि लंबे समय से जेलों में बंद सिखों के मामलों पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान राजभवन की ओर जाने वाले रास्तों पर सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई थी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए बैरिकेडिंग की थी।

सिमरनजीत सिंह मान की ओर से भी बंदी सिखों की रिहाई को लेकर लगातार आवाज उठाई जाती रही है। उनका राजभवन पहुंचना इसी मुद्दे से जुड़ा बताया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव की स्थिति बनने के बावजूद स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। फिलहाल प्रदर्शन और पूरे घटनाक्रम को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर मौजूद लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी।

बंदी सिखों की रिहाई का मुद्दा एक बार फिर चंडीगढ़ में चर्चा का केंद्र बन गया है। प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद करते हुए सरकार से इस दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग की।प्रशासन ने प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी। राजभवन की ओर जाने वाले रास्तों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती बढ़ाई गई। अधिकारियों ने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

जेएमसी ने 'जम्मू रन्स फॉर यूनिटी' से दिया स्वच्छ अमरनाथ यात्रा का संदेश

जम्मू रन्स फॉर यूनिटी में उमड़ा उत्साह, स्वच्छता का लिया संकल्प

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने रविवार को फिटनेस, पर्यावरण स्वच्छता और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'जम्मू रन्स फॉर यूनिटी-स्वच्छ अमरनाथ यात्रा का संकल्प' कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ-साथ धार्मिक यात्राओं और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने के प्रति जागरूक किया गया। सुबह आयोजित इस दौड़ में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दौड़ का शुभारंभ बहू प्लाजा से हुआ। प्रतिभागियों के लिए पांच किलोमीटर और दस किलोमीटर की दो श्रेणियां रखी गई थीं। निर्धारित मार्ग के अनुसार दौड़ गोल मार्केट और अप्सरा रोड से होकर गुजरी और बाद में बहू प्लाजा पहुंचकर संपन्न हुई। अलग-अलग आयु वर्ग के लोगों ने इसमें हिस्सा लिया। युवाओं के साथ अन्य आयु वर्ग के प्रतिभागियों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को व्यापक स्वरूप दिया।

"जम्मू नगर निगम की इस पहल को नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने और स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया। कार्यक्रम के माध्यम से एकता, फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार नागरिकता को एक साथ जोड़ने का प्रयास किया गया। साथ ही स्वच्छ अमरनाथ यात्रा के लिए सामूहिक संकल्प लेकर श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को स्वच्छता बनाए रखने के प्रति जागरूक किया गया।"

प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ दौड़ लगाते हुए एकता, स्वच्छता और जिम्मेदार नागरिकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में जम्मू के मंडलायुक्त रमेश कुमार, जम्मू नगर निगम के आयुक्त देवांश यादव और यातायात पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित भसीन सहित स्थानीय निवासी भी शामिल हुए। अधिकारियों और आम नागरिकों की एक साथ भागीदारी ने कार्यक्रम के उद्देश्य को और मजबूत किया। इस दौरान लोगों को यह संदेश दिया गया कि शहर की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी समान जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूक करना था। नियमित व्यायाम और दौड़ जैसी गतिविधियों से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलता है।

सामाजिक जिम्मेदारी का दिया संदेश

आयोजकों ने एकता और आपसी भाईचारे को भी कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। दौड़ में शामिल लोगों ने मिलकर सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया और स्वच्छ वातावरण के निर्माण में सहयोग करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने यह भी स्पष्ट किया कि सामूहिक प्रयासों से शहर को अधिक स्वच्छ, स्वस्थ और जिम्मेदार बनाया जा सकता है। 'जम्मू रन्स फॉर यूनिटी' के माध्यम से लोगों को यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि फिटनेस और स्वच्छता एक-दूसरे से जुड़े विषय हैं।

बर्फीले क्षेत्रों में 17 अगस्त से शुरू होगी जनगणना

कठुआ। जनगणना-2027 के तहत बर्फबारी प्रभावित क्षेत्रों में सेल्फ एन्यूमरेशन की प्रक्रिया 17 अगस्त से शुरू होगी। यह प्रक्रिया 31 अगस्त 2026 तक चलेगी। कठुआ जिले के कई दूरदराज और बर्फीले क्षेत्रों को इस चरण में शामिल किया गया है। प्रशासन के अनुसार ब्लॉक बनी के सभी 33 गांव, लोहाई-मल्हार के 11 गांव, बिलावर के मरहून और ध्योता तथा महानपुर के धार महानपुर और धार खौड़ गांवों में रहने वाले लोग निर्धारित अवधि के दौरान सेल्फ एन्यूमरेशन कर सकेंगे। जिला प्रशासन कठुआ ने संबंधित क्षेत्रों के निवासियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर जनगणना-2027 की प्रक्रिया में भाग लें और आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं। प्रशासन का कहना है कि बर्फबारी के कारण इन क्षेत्रों में बाद के चरणों में जनगणना संबंधी कार्यों में कठिनाई आ सकती है, इसलिए यहां पहले से प्रक्रिया शुरू की जा रही है। लोगों से आग्रह किया गया है कि वे जनगणना से जुड़ी प्रक्रिया को गंभीरता से लें और अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। प्रशासन की ओर से लोगों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की जा रही है।

आजादी के सपनों पर महबूबा मुफ्ती ने मोदी सरकार को घेरा

'क्या संविधान के सपनों पर खरा उतरा भारत?': महबूबा मुफ्ती

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक निशाना साधते हुए देश के संवैधानिक मूल्यों को लेकर कई सवाल उठाए। बख्शी स्टेडियम में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लिए लाखों लोगों ने कुर्बानियां दी थीं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को यह विचार करना चाहिए कि क्या आज का भारत उन आदर्शों और सपनों पर खरा उतर रहा है, जिनके लिए स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं ने संघर्ष किया था।

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि स्वतंत्रता केवल विदेशी शासन से मुक्ति का नाम नहीं है, बल्कि इसका अर्थ प्रत्येक नागरिक को सम्मान, स्वतंत्रता, समान अवसर और न्याय मिलना भी है। उन्होंने कहा कि देश के महान नेताओं ने ऐसे भारत की कल्पना की थी जहां हर व्यक्ति अपनी पसंद के अनुसार जीवन जी सके और उसे अपने अधिकारों के लिए किसी तरह के भय का सामना न करना पड़े।

उन्होंने महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, मौलाना अबुल कलाम आजाद और सरदार पटेल समेत कई राष्ट्र निर्माताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन नेताओं ने लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों पर आधारित भारत का सपना देखा था। उनके अनुसार आजादी के इतने वर्षों बाद यह देखना जरूरी है कि देश उन मूल सिद्धांतों को किस हद तक कायम रख पा रहा है।

महबूबा ने नागरिकों की गरिमा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और समान न्याय जैसे मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार और अवसर प्रदान करता है। ऐसे में शासन व्यवस्था की जिम्मेदारी है कि इन अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर राजनीतिक हमला करते हुए कहा कि वर्तमान समय में देश को अपने मूल संवैधानिक मूल्यों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

नाका चेकिंग के दौरान पकड़ा गया संदिग्ध, 840 ग्राम गांजा बरामद

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। नशा मुक्त अभियान के तहत जम्मू पुलिस की ओर से नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में काना चक पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को कथित मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में पकड़ा है। पुलिस ने उसके कब्जे से 840 ग्राम संदिग्ध गांजा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार थाना काना चक की टीम क्षेत्र में नाका चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से 840 ग्राम संदिग्ध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी की पहचान गुड्डू कुमार पुत्र मंकेश्वर सिंह निवासी पीपरपांती थाना गोगरी बिहार के रूप में की है। आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मामले में थाना काना चक में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अब बरामद मादक पदार्थ के स्रोत और इसके संभावित नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच आगे बढ़ा रही है। अधिकारियों ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

कश्मीरी पंडितों को एलजी सिन्हा का आश्वासन, कहा- घबराने की जरूरत नहीं

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने की कोशिशों के बीच कश्मीरी पंडित समुदाय ने घाटी में तैनात कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। रविवार को कश्मीरी पंडित वॉलंटियर्स के वार्षिक समारोह में विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के सामने सुरक्षा से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने सरकार से घाटी में काम कर रहे कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने तथा उनकी अन्य समस्याओं के समाधान की मांग की। कार्यक्रम में मौजूद उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने लोगों से घबराने के बजाय भरोसा रखने की अपील की।

उधमपुर में भारी भूस्खलन से जम्मू-श्रीनगर हाईवे बंद

भारतेंदु संवाददाता, उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के ऊधमपुर जिले में रविवार शाम भारी भूस्खलन होने से जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-44 पर यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। चेनानी क्षेत्र के धरमथल में अचानक पहाड़ी से मलबा और पत्थर हाईवे पर आ गिरने से श्रीनगर की ओर जाने वाला मार्ग अवरुद्ध हो गया। भूस्खलन के कारण मार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोक दी गई और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित विभागों की टीमें मौके पर पहुंचीं और सड़क से मलबा हटाने की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी की गई। लगातार पहाड़ी क्षेत्र में बने हालात को देखते हुए प्रशासन की ओर से मार्ग की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। हाईवे पर अचानक मलबा आने से दोनों ओर वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने की संभावना है।

स्वतंत्रता दिवस पर फॉरवर्ड एरिया पहुंचे छात्र, जवानों से मिली नई पीढ़ी

बोनियार के छात्रों ने जवानों के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारतीय सेना की ओर से आर्मी गुडविल स्कूल बोनियार के विद्यार्थियों के लिए विशेष ट्रेकिंग अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान में विद्यालय के 30 छात्र और चार शिक्षक शामिल हुए।

विद्यार्थियों को फॉरवर्ड क्षेत्र तक ले जाया गया, जहां उन्होंने पहाड़ी इलाकों की प्राकृतिक सुंदरता को करीब से देखा और सीमा क्षेत्र में तैनात सेना के जवानों से मुलाकात की। इस दौरान बच्चों में खासा उत्साह नजर आया।

अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति, साहस, आत्मविश्वास और टीम भावना को बढ़ावा देना था। विद्यार्थियों ने सेना के जवानों के साथ बातचीत की और उनके दैनिक कार्यों तथा देश की सुरक्षा में निभाई जा रही भूमिका को समझा। जवानों से मिलने का अनुभव बच्चों के लिए बेहद प्रेरणादायक रहा।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए चित्रकला और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। बच्चों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से देशप्रेम और राष्ट्रभक्ति की भावना को अभिव्यक्त किया। इसके अलावा सेना की ओर से हथियारों और सैन्य उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। विद्यार्थियों ने विभिन्न उपकरणों के बारे में जानकारी हासिल की और सेना की कार्यप्रणाली को समझने का अवसर पाया। ट्रेकिंग सहित अन्य गतिविधियों ने विद्यार्थियों के स्वतंत्रता दिवस समारोह को यादगार बना दिया।

गो तस्कर तालिब हुसैन पर पीएसए लगा, पुलिस ने भेजा जेल

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गो तस्करी सहित विभिन्न आपराधिक मामलों में लगातार संलिप्त रहने वाले आरोपी तालिब हुसैन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उसे पब्लिक सेफ्टी एक्ट के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी तालिब हुसैन पुत्र मीर हुसैन निवासी माही चक, तहसील एवं जिला कठुआ का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ गो तस्करी समेत अलग-अलग मामलों में कुल 17 एफआईआर दर्ज हैं। ये मामले कठुआ, राजबाग, हीरानगर, घगवाल और लखनपुर थानों में दर्ज किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि लगातार आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहने के कारण सामान्य कानून के तहत की गई कार्रवाई का उस पर प्रभावी असर नहीं हुआ। इसके बाद प्रशासन ने पीएसए के तहत कार्रवाई की मंजूरी दी।

पीओके के लोग हमारे अपने, एक दिन विधानसभा में बैठेंगे: उमर

कहा- पीओके के लोगों के लिए विधानसभा में सीटें सुरक्षित

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को लेकर बड़ा बयान दिया। बख्शी स्टेडियम में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पीओके के लोग हमारे अपने हैं और जम्मू-कश्मीर विधानसभा में उनके प्रतिनिधियों के लिए सीटें आज भी सुरक्षित हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि एक दिन वहां के लोग इन सीटों पर आकर बैठेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के भविष्य और उसके अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से आगे बढ़ाना जरूरी है।

स्वतंत्रता दिवस पर उमर अब्दुल्ला ने उठाया राज्य के दर्जे का मुद्दा।

उमर अब्दुल्ला ने वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर से विशेष दर्जा समाप्त किए जाने का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि यदि उस समय अनुच्छेद 370 को समाप्त नहीं किया गया होता तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के लोग आज जम्मू-कश्मीर के साथ फिर से जुड़ने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे होते। उन्होंने पीओके के मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि भारत वहां रहने वाले लोगों को अपना मानता है।

राज्य के दर्जे का मुद्दा भी उठाया

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे और पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली की मांग भी दोहराई। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संघवाद देश के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। भारत राज्यों का संघ है और संघीय व्यवस्था को मजबूत करने की शुरुआत जम्मू-कश्मीर से होनी चाहिए। उनका कहना था कि जम्मू-कश्मीर से जो अधिकार छीने गए हैं उन्हें वापस किया जाना चाहिए।

शोपियां में फसल बीमा की मांग को लेकर किसानों का प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, शोपियां

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में फसल बीमा योजना लागू नहीं किए जाने और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के विरोध में रविवार को किसानों और पीडीपी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में किसान और कार्यकर्ता शोपियां शहर में एकत्र हुए और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इस वर्ष भारी बारिश और ओलावृष्टि के कारण सेब, चेरी सहित कई कृषि और बागवानी फसलों को भारी नुकसान हुआ है। किसानों ने प्रभावित फसलों के लिए उचित मुआवजे की मांग भी उठाई।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं ली गई थी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्वक वहां से हटने को कहा, लेकिन प्रदर्शन जारी रहने पर कई पीडीपी कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया। पूर्व पीडीपी विधायक एजाज अहमद मीर ने दावा किया कि उन्हें प्रदर्शन से पहले ही घर में नजरबंद कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद किसानों और फल उत्पादकों की आवाज नहीं दबाई जा सकी।

जम्मू-कश्मीर में पंचायत चुनाव को लेकर बढ़ी हलचल, सरकार के फैसले पर टिकी निगाहें

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में लंबे समय से प्रतीक्षित पंचायत और जिला विकास परिषद चुनावों को लेकर अब सरकार के सामने जल्द फैसला लेने की चुनौती है। राज्य चुनाव आयोग ने सरकार को स्पष्ट किया है कि यदि इस वर्ष अक्टूबर-नवंबर में चुनाव कराए जाने हैं तो अगस्त के अंत तक इस संबंध में निर्णय लेना जरूरी होगा। आयोग के अनुसार समय पर फैसला होने पर चुनाव की तैयारियों को निर्धारित समय के भीतर पूरा किया जा सकता है। वहीं निर्णय में देरी होने पर चुनाव अगले वर्ष मार्च-अप्रैल तक टल सकते हैं।

चुनाव आयोग ने सरकार को चुनाव से जुड़ी तैयारियों और संभावित समय-सीमा की जानकारी भी दी है। पंचायत और डीडीसी चुनाव कराने के लिए मतदाता सूचियों में आवश्यक संशोधन के साथ अन्य प्रशासनिक तैयारियां पूरी करनी होंगी। इसके अलावा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण से जुड़ी प्रक्रिया भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इन तैयारियों को पूरा करने के बाद ही चुनाव कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा सकेगा।

देरी हुई तो अगले साल तक टलेंगे

आयोग के अनुसार अगस्त के अंत तक सरकार की ओर से निर्णय मिलने पर अक्टूबर-नवंबर में मतदान कराया जा सकता है। दिसंबर से जम्मू-कश्मीर के कई क्षेत्रों में बर्फबारी और अत्यधिक ठंड शुरू हो जाती है।

बदले मौसम के बीच भी जारी रही वैष्णो देवी यात्रा

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा

बदले मौसम और बीच-बीच में बारिश के बावजूद माँ वैष्णो देवी की यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बना हुआ है। रविवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पंजीकरण करवाकर भवन की ओर रवाना हुए। दोपहर दो बजे तक करीब 17 हजार श्रद्धालु यात्रा के लिए आगे बढ़ चुके थे। इससे आधार शिविर कटड़ा से लेकर भवन तक श्रद्धालुओं की चहल-पहल बनी रही। इससे एक दिन पहले शनिवार को करीब 44 हजार श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में पहुंचकर दर्शन किए थे। लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या से यात्रा मार्ग और आधार शिविर में रौनक देखने को मिल रही है।

मौसम में लगातार बदलाव के कारण यात्रा व्यवस्था को भी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। रविवार को हेलीकॉप्टर सेवा अधिकांश समय प्रभावित रही। खराब मौसम और बदलती परिस्थितियों के कारण हेलीकॉप्टर संचालन पर असर पड़ा, जिससे हवाई सेवा से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी हुई। हालांकि, पैदल यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए अन्य सुविधाएं उपलब्ध रहीं। बैटरी कार, रोपवे, घोड़ा-पिट्ठू और पालकी जैसी सेवाएं सामान्य रूप से संचालित होती रहीं। इससे बुजुर्गों, बच्चों और शारीरिक रूप से पैदल यात्रा करने में असमर्थ श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिली।

◆ 17 हजार श्रद्धालु रवाना

मां वैष्णो देवी की यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। स्वतंत्रता दिवस के साथ आगामी त्योहारों को देखते हुए कटड़ा स्थित आधार शिविर और भवन क्षेत्र में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की संभावना है। देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मौसम की चुनौती के बावजूद उनकी आस्था और उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दे रही है। श्रद्धालु जय माता दी के जयकारे लगाते हुए यात्रा मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। यात्रा में बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन और संबंधित विभागों की ओर से व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रखी जा रही है।

पुंछ में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ छह आईईडी और गोला-बारूद बरामद

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ

जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में सुरक्षा बलों ने आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सुरनकोट सेक्टर के द्राबा इलाके में एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने ठिकाने से छह आईईडी समेत भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और गोला-बारूद बरामद किया। स्वतंत्रता दिवस से पहले हुई इस कार्रवाई को सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार विशेष खुफिया सूचना मिलने के बाद 16 राष्ट्रीय राइफल्स, एसओजी बुफलियाज और 38वीं बटालियन सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने द्राबा इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षा बलों ने संदिग्ध स्थानों और आसपास के क्षेत्रों में सावधानीपूर्वक तलाशी ली। इसी दौरान एक गमला प्रकार का आईईडी, एक गोल प्रकार का आईईडी और चार छोटे आईईडी बरामद किए गए। सुरक्षा बलों की सतर्कता से समय रहते विस्फोटक सामग्री का पता चल गया। इससे किसी संभावित आतंकी साजिश को नाकाम करने में मदद मिली। बरामद सामग्री को सुरक्षा मानकों के अनुसार कब्जे में लिया गया और इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

समारोह

80वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रभक्ति से सराबोर हुआ वैष्णो देवी भवन परिसर

मां वैष्णो देवी भवन पर श्रद्धा और देशभक्ति के बीच फहरा तिरंगा

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा

विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल माता वैष्णो देवी भवन परिसर में देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस श्रद्धा, उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, श्राइन बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान तिरंगा फहराया गया और राष्ट्रगान में सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मां वैष्णो देवी के जयकारों के साथ देशभक्ति गीतों ने पूरे भवन परिसर के वातावरण को भक्तिमय होने के साथ राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कर दिया।

समारोह में एसडीएम भवन अंशुमाली शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने ध्वजारोहण कर सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

देशभक्ति गीतों के बीच मनाया स्वतंत्रता दिवस

तिरंगा फहराने के बाद राष्ट्रगान हुआ, जिसमें उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रद्धालुओं ने पूरे सम्मान के साथ भाग लिया। इस दौरान पंडितों ने देशभक्ति पर आधारित गीत प्रस्तुत किए।

एसडीएम भी रहे शामिल

स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए एसडीएम भवन अंशुमाली शर्मा ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि भारत को आजादी लाखों वीरों के संघर्ष और बलिदान के बाद मिली है। स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इसलिए आज की पीढ़ी का दायित्व है कि वह उनके त्याग और बलिदान को हमेशा याद रखे।

तिरंगे को सम्मानपूर्वक किया नमन

समारोह में तहसीलदार भवन मुकेश थापा, डीएसपी महेश शर्मा, एसएचओ प्रमोद कुमार, माता वैष्णो देवी के आरती पुजारी लोकेश पुजारी सहित श्राइन बोर्ड के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। इसके अलावा स्थानीय दुकानदारों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। श्रद्धालुओं ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं और तिरंगे को सम्मानपूर्वक नमन किया। माता वैष्णो देवी भवन पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में धार्मिक आस्था और राष्ट्रभक्ति का सुंदर संगम देखने को मिला।

राष्ट्रीय चेतना का भाव हुआ मजबूत

एक ओर श्रद्धालु माता के दर्शन और जयकारों में लीन थे, वहीं दूसरी ओर तिरंगे की शान और देशभक्ति गीतों ने सभी में राष्ट्रीय गौरव की भावना पैदा की। समारोह में शामिल लोगों ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प भी व्यक्त किया। स्वतंत्रता दिवस के इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि राष्ट्र के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी हर नागरिक का कर्तव्य है। माता वैष्णो देवी भवन जैसे प्रमुख तीर्थस्थल पर देशभक्ति के इस आयोजन ने श्रद्धालुओं के बीच राष्ट्रीय चेतना का भाव मजबूत किया।

सोमवार का महत्व : भगवान शिव की आराधना, नई शुरुआत और आध्यात्मिक ऊर्जा का पावन दिवस

श्रीपाद नाइक
केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री

सप्ताह का प्रत्येक दिन अपने आप में विशेष महत्व रखता है, किंतु सोमवार का स्थान भारतीय संस्कृति, धर्म और परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। सोमवार को भगवान शिव का प्रिय दिन माना जाता है और इस दिन देशभर के शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना, जलाभिषेक और व्रत का आयोजन किया जाता है। 'सोमवार' शब्द संस्कृत के 'सोम' से बना है, जिसका अर्थ चंद्रमा होता है। भगवान शिव के मस्तक पर चंद्रमा सुशोभित होने के कारण भी इस दिन का उनसे विशेष संबंध माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सोमवार का व्रत रखने और भगवान शिव की श्रद्धापूर्वक पूजा करने से मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं, जीवन में सुख-शांति आती है तथा मानसिक तनाव दूर होता है।

भारतीय संस्कृति में भगवान शिव को सृष्टि के संहारक ही नहीं, बल्कि कल्याणकारी देवता के रूप में भी पूजा जाता है। वे भोलेनाथ, महादेव, नीलकंठ, शंकर और पशुपतिनाथ जैसे अनेक नामों से प्रसिद्ध हैं। सोमवार के दिन शिवलिंग पर जल, दूध, दही, शहद, घी और गंगाजल से अभिषेक करने का विशेष महत्व बताया गया है। इसके साथ ही बेलपत्र, धतूरा, आक, भांग, सफेद पुष्प और चंदन अर्पित किए जाते हैं। श्रद्धालु ' नमः शिवाय' मंत्र का जाप करते हैं तथा शिव चालीसा और शिव पुराण का पाठ करके भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

सोमवार का धार्मिक महत्व केवल पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मचिंतन और आध्यात्मिक उन्नति का भी दिन माना जाता है। शिव की उपासना मनुष्य को धैर्य, संयम, करुणा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। भगवान शिव का व्यक्तित्व सादगी, त्याग और समानता का प्रतीक है। वे राजा और साधारण व्यक्ति, देव और दानव, सभी पर समान कृपा करते हैं। यही कारण है कि सोमवार का दिन हमें भेदभाव छोड़कर मानवता, प्रेम और सेवा का संदेश भी देता है।

हिंदू धर्म में सोमवार के व्रत का विशेष महत्व बताया गया है। अनेक श्रद्धालु पूरे दिन उपवास रखते हैं और केवल फलाहार ग्रहण करते हैं। विशेष रूप से अविवाहित युवक-युवतियाँ उत्तम जीवनसाथी की कामना से सोमवार का व्रत करते हैं। विवाहित महिलाएँ अपने परिवार के सुख, समृद्धि और पति की लंबी आयु के लिए इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं। श्रावण मास के सोमवारों का महत्व और भी अधिक माना जाता है। इस पवित्र माह में देशभर के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। कांवड़ यात्रा, रुद्राभिषेक और विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है।

ज्योतिष शास्त्र में भी सोमवार का विशेष स्थान है। यह दिन चंद्र ग्रह से संबंधित माना जाता है। चंद्रमा मन, भावनाओं, स्मरण शक्ति और मानसिक संतुलन का कारक माना जाता है। जिन लोगों की कुंडली में चंद्रमा कमजोर होता है, उन्हें सोमवार के दिन भगवान शिव की पूजा, सफेद वस्तुओं का दान तथा सोम सोमाय नमः' मंत्र का जाप करने की सलाह दी जाती है। ऐसा माना जाता है कि इससे मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है।

सामाजिक दृष्टि से भी सोमवार नई शुरुआत का प्रतीक है। अधिकांश कार्यालय, विद्यालय, महाविद्यालय और सरकारी संस्थानों में सप्ताह की शुरुआत सोमवार से होती है। लोग नए लक्ष्य निर्धारित करते हैं, योजनाएँ बनाते हैं और पूरे उत्साह के साथ अपने कार्यों की शुरुआत करते हैं। इसलिए सोमवार को केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में भी प्रेरणा और अनुशासन का दिन माना जाता है। विश्व के अनेक देशों में भी सोमवार सप्ताह का पहला कार्यदिवस होता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बढ़ता विस्तार और जल संसाधनों पर गहराता पर्यावरणीय संकट

डॉ. कमल के 'प्यासा'
लोअर समखेतर, मंडी (हि.प्र.)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई आज आधुनिक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती तकनीक में से एक है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्योग, अंतरिक्ष, रक्षा और संचार से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसका उपयोग बढ़ रहा है। चैटबाट, एआई सर्च, तस्वीर और वीडियो बनाने वाली तकनीक अब हमारी डिजिटल जिंदगी का हिस्सा बन चुकी हैं, लेकिन एआई के विकास का एक पर्यावरणीय पक्ष भी है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। आम लोगों को लगता है कि एआई केवल मोबाइल या कंप्यूटर पर काम करता है, लेकिन इसके पीछे बड़े-बड़े डाटा सेंटरों में हजारों शक्तिशाली सर्वर लगातार चलते रहते हैं।

एआई माडल को प्रशिक्षित करने और उपयोगकर्ताओं के सवालों के जवाब देने के लिए बहुत अधिक कंप्यूटिंग शक्ति चाहिए। इससे सर्वर गर्म होते हैं और उन्हें ठंडा रखने के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा और कुछ मामलों में पानी की भी जरूरत पड़ती है। दुनिया पहले ही जलवायु परिवर्तन, अनियमित वर्षा, बढ़ती आबादी और तेज शहरीकरण के कारण जल संकट का सामना कर रही है। ऐसे में डाटा सेंटरों की बढ़ती जल आवश्यकता नई चिंता पैदा कर रही है। इसलिए एआई के विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण का संतुलन जरूरी है।

भविष्य में ऐसी तकनीक और डाटा सेंटर विकसित करने होंगे, जो कम पानी और ऊर्जा का उपयोग करें। यह समझना जरूरी है कि एआई स्वयं पानी का इस्तेमाल नहीं करता। पानी की खपत मुख्य रूप से उन डाटा सेंटरों में होती है, जहां एआई सेवाओं को चलाने वाले हजारों सर्वर और शक्तिशाली ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट यानी जीपीयू लगातार काम करते हैं। एआई माडल की ट्रेनिंग और संचालन के दौरान ये मशीनें बहुत गर्म हो जाती हैं। उन्हें ठंडा रखने के लिए अलग-अलग कूलिंग तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है, जिनमें कुछ प्रणालियां पानी पर आधारित होती हैं। वाष्पीकरणीय कूलिंग में पानी गर्मी को सोखकर भाप के रूप में वातावरण में चला जाता है। इस कारण इस्तेमाल किया गया पानी पूरी तरह वापस उपलब्ध नहीं हो पाता। जैसे-जैसे एआई का इस्तेमाल बढ़ेगा, वैसे-वैसे डाटा सेंटरों में कंप्यूटिंग और सर्वरों की संख्या भी बढ़ सकती है। इससे गर्मी को नियंत्रित करने के लिए अधिक ऊर्जा और कुछ परिस्थितियों में अधिक पानी की जरूरत होगी।

एआई का वाटर फुटप्रिंट केवल डाटा सेंटरों तक सीमित नहीं है। इसके पीछे ऊर्जा उत्पादन की भी बड़ी भूमिका है। एआई माडल को प्रशिक्षित करने और चलाने के लिए भारी मात्रा में बिजली की आवश्यकता होती है। दुनिया के कई हिस्सों में बिजली उत्पादन अभी भी कोयला और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों पर निर्भर है। थर्मल पावर प्लांटों में बिजली उत्पादन और कूलिंग प्रक्रियाओं के लिए पानी की जरूरत होती है। इस प्रकार एआई के लिए इस्तेमाल की गई बिजली का एक हिस्सा अप्रत्यक्ष रूप से जल संसाधनों पर भी दबाव डाल सकता है।

यही कारण है कि एआई के पर्यावरणीय प्रभाव को समझते समय केवल डाटा सेंटर के भीतर इस्तेमाल होने वाले पानी को देखना पर्याप्त नहीं है। बिजली उत्पादन, चिप निर्माण, सर्वर निर्माण सहित पूरी आपूर्ति शृंखला में प्रयोग हुए वाटर फुटप्रिंट को भी ध्यान में रखना होगा। इस दृष्टि से एआई का एनवायरमेंटल फुटप्रिंट एक बहुस्तरीय समस्या है- जल, ऊर्जा, कार्बन उत्सर्जन और इलेक्ट्रानिक कचरे के रूप में इसके कई आयाम हैं और जैसे-जैसे जेनरेटिव एआई और लार्ज लैंग्वेज माडल का विस्तार हो रहा है, यह प्राकृतिक संसाधनों और जलवायु पर भारी दबाव डाल रहा है। बड़ी टेक कंपनियां भी अब इस चुनौती को पहचानने लगी हैं। कई कंपनियां जल संरक्षण, जल पुनर्भरण की दिशा में काम करने का दावा कर रही हैं। वर्षा जल संचयन, अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण और अधिक कुशल कूलिंग तकनीकें इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संयम संस्कृति का मूल है। विलासिता निर्बलता और चाटुकारिता के वातावरण में न तो संस्कृति का उद्भव होता है और न विकास।
-काका कालेलकर

संपादकीय

आजादी, असहमति और संवाद !

स्वाधीनता किसी भी राष्ट्र के लिए केवल राजनीतिक परिवर्तन का नाम नहीं है। यह उस चेतना का प्रतीक है, जिसमें व्यक्ति अपने विचारों को स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सके, प्रश्न पूछ सके, अपनी राह चुन सके और आवश्यकता पड़ने पर सत्ता से असहमति भी व्यक्त कर सके। भारत के लिए स्वतंत्रता का महत्व इसलिए और अधिक व्यापक है, क्योंकि हमारी आजादी केवल विदेशी शासन से मुक्ति का परिणाम नहीं थी, बल्कि यह लंबे संघर्ष, त्याग, बलिदान और लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना की यात्रा भी थी। स्वतंत्रता दिवस हमें उस ऐतिहासिक संघर्ष को याद करने के साथ यह सोचने का अवसर भी देता है कि आजादी के वास्तविक अर्थ को हम अपने सामाजिक और लोकतांत्रिक जीवन में कितना उतार पाए हैं।

आजादी के 80वें वर्ष में भारत विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। देश ने अर्थव्यवस्था, विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, स्वास्थ्य, अंतरिक्ष और बुनियादी ढांचे सहित अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। लेकिन किसी भी राष्ट्र का वास्तविक विकास केवल आर्थिक आंकड़ों और भौतिक सुविधाओं से तय नहीं होता। विकास का अर्थ तब व्यापक बनता है, जब समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, अवसर, सुरक्षा और अपनी बात कहने का अधिकार प्राप्त हो। एक विकसित राष्ट्र वह है, जहां नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को भी समझते हों।

भारत की सबसे बड़ी विशेषताओं में उसकी विविधता शामिल है। यहां अलग-अलग भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं, आस्थाएं और जीवन पद्धतियां सदियों से साथ-साथ रही हैं। भारत की लोकतांत्रिक शक्ति एकरूपता में नहीं, बल्कि इस विविधता के बीच सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता में है। लोकतंत्र का अर्थ यह नहीं कि सभी नागरिक एक जैसा सोचें। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ यह है कि अलग-अलग विचार रखने वाले लोग भी एक-दूसरे के अस्तित्व और अधिकारों का सम्मान करते हुए साथ रह सकें।

इसी संदर्भ में असहमति का महत्व समझना आवश्यक है। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं बल्कि उसकी जीवनधारा है। जब कोई नागरिक व्यवस्था से प्रश्न करता है, किसी नीति पर सवाल उठाता है या सत्ता के किसी निर्णय से अपनी असहमति व्यक्त करता है, तो वह लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का काम भी कर सकता है। प्रश्न सत्ता को आईना दिखाते हैं और व्यवस्था को अपनी कमियों पर विचार करने का अवसर देते हैं। जिस लोकतंत्र में प्रश्न पूछने की जगह समाप्त हो जाती है, वहां धीरे-धीरे संवाद की संभावनाएं भी कमजोर होने लगती हैं।

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास इस बात का प्रमाण है कि अलग-अलग विचारों के बावजूद देश की स्वतंत्रता की आकांक्षा कमजोर नहीं हुई। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, सुभाषचंद्र बोस, वीर सावरकर, डॉ. भीमराव आंबेडकर और भगत सिंह जैसे अनेक महान व्यक्तित्वों के विचारों और संघर्ष के तरीकों में महत्वपूर्ण अंतर थे। इसके बावजूद उनके योगदान ने भारत की स्वतंत्रता और राष्ट्र निर्माण की वैचारिक भूमि को व्यापक बनाया। इससे यह स्पष्ट होता है कि राष्ट्र की शक्ति केवल समान विचारों में नहीं बल्कि विभिन्न विचारों को स्थान देने की क्षमता में भी निहित होती है।

हालांकि असहमति की गरिमा तभी बनी रह सकती है, जब उसके साथ संवाद और मर्यादा का संस्कार जुड़ा हो। लोकतंत्र में अपनी बात कहना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण दूसरे की बात सुनना भी है। यदि हर व्यक्ति केवल अपनी बात को सही मानकर दूसरे विचार को सुनने से इनकार कर दे, तो असहमति धीरे-धीरे संघर्ष का रूप ले सकती है। संवाद का उद्देश्य हमेशा सहमति पैदा करना नहीं होता। कई बार संवाद का उद्देश्य केवल यह सुनिश्चित करना होता है कि अलग विचार रखने वाले लोग एक-दूसरे को समझ सकें।

आज के डिजिटल युग में यह जिम्मेदारी और बढ़ गई है। सामाजिक माध्यमों ने अभिव्यक्ति के अवसरों को व्यापक बनाया है। अब आम नागरिक भी अपनी बात लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। लेकिन इसके साथ गलत सूचना, भ्रामक प्रचार, अपमानजनक भाषा और वैचारिक विभाजन की चुनौतियां भी बढ़ी हैं। विचारों का मतभेद जब व्यक्तिगत आरोपों और नफरत में बदल जाता है, तो लोकतांत्रिक संवाद कमजोर पड़ता है। इसलिए डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल करते समय नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का भी ध्यान रखना होगा।

युवा शक्ति किसी भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी ऊर्जा होती है। युवाओं का प्रश्न पूछना, नई व्यवस्था की मांग करना और अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठाना स्वाभाविक है। छात्र और युवा आंदोलन लोकतंत्र में परिवर्तन की संभावनाओं को जन्म दे सकते हैं। लेकिन किसी भी आंदोलन की वास्तविक शक्ति उसकी शांति, अनुशासन और नैतिक आधार में होती है। हिंसा, तोड़फोड़ और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से किसी मांग की वैधता मजबूत नहीं होती।

-शिवांश धाकड़

कविता

क्यों ऐसा लगा हमें ?

अमित मैहरा (एचएएस), एडीसी, जिला चंबा (हि.प्र.)

क्यों ऐसा लगा कि अब जिंदगी, फिर मुस्कुरा रही है।
क्यों नहीं नजर आती हैं मुश्किलें अब, पानी के जैसे बही जा रही है।
क्यों लगा भय, मुझको एकाकीपन से, पहले तो किसी पर इतने निर्भर न थे।
क्यों निराशाएं सभी हो गईं विलोम, क्यों लगा कि भर गया भीतर का व्योम।
यथार्थ है, कोई प्रात:कालीन स्वप्न नहीं, पर ऐसा प्रबोध क्या पहले भी था, कहीं ?
फिर करूं विश्लेषण, फिर पलटूं पन्ने अतीत के, न समय है, और न ही साहस
क्यों याद करूं वो बीता कल, अवांछित क्षण, फैला मरुस्थल अभाव का,
संग खुशियों के कुछ कण। क्यों यह व्यथा, क्यों ये अंतर्द्वंद्व,
क्यों है अस्पृश्यता, इन विचारों में स्वच्छंद। क्यों यह भिन्न ?
'क्यों' मुझको याद आ रहे हैं ? जब सामने बैठे हैं वो, और मुस्कुरा रहे हैं।

संसद में हंगामे के बजाय हो सार्थक बहस और जनहित के मुद्दों पर गंभीर चर्चा

सुभाष चंद काशव, गांव जौवा, डाकघर
गैहरा तहसील व जिला चंबा

लोकतंत्र में संसद को देश की सर्वोच्च विचार-विमर्श की संस्था माना जाता है। जनता अपने प्रतिनिधियों को इस विश्वास और उम्मीद के साथ संसद भेजती है कि वे देश और समाज से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीर चर्चा करेंगे, सरकार से सवाल पूछेंगे और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाएंगे। संसद केवल कानून बनाने की जगह नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक संवाद, जवाबदेही और जनप्रतिनिधित्व का सबसे महत्वपूर्ण मंच है। ऐसे में जब संसद की कार्यवाही बार-बार हंगामे, नारेबाजी और व्यवधान की भेंट चढ़ती है, तो यह केवल संसदीय कामकाज में बाधा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए भी गंभीर चिंता का विषय बन जाता है।

संसद में विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। विपक्ष का दायित्व सरकार की नीतियों की आलोचना करना, उनकी कमियों को उजागर करना और जनता से जुड़े सवालों को सदन में उठाना है। सरकार का भी कर्तव्य है कि वह विपक्ष की बात सुने और उसके सवालों का उचित उत्तर दे। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं। अलग-अलग राजनीतिक दलों की विचारधारा और नीतियों में अंतर होना लोकतंत्र की विशेषता है। लेकिन इन मतभेदों का समाधान संवाद, तर्क और बहस के माध्यम से होना चाहिए। लगातार हंगामा करना किसी भी लोकतांत्रिक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता।

संसद में जब किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा के बजाय नारेबाजी और शोर-शराबा शुरू हो जाता है, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान जनता को होता है। सांसद जनता के प्रतिनिधि हैं और उन्हें मिलने वाला वेतन तथा अन्य सुविधाएं सार्वजनिक संसाधनों से जुड़ी होती हैं। इसलिए उनके संसदीय समय का उपयोग जनहित के मुद्दों पर चर्चा, कानून निर्माण और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने में होना चाहिए। यदि सदन की कार्यवाही लगातार बाधित होती रहे, तो महत्वपूर्ण विधेयकों और नीतिगत विषयों पर पर्याप्त चर्चा नहीं हो पाती। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

यह समझना जरूरी है कि संसद में विरोध करना विपक्ष का अधिकार है। सरकार की नीतियों का विरोध लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है। लेकिन विरोध का तरीका ऐसा होना चाहिए जिससे संसद की गरिमा बनी रहे और जनता के मुद्दे भी प्रभावी ढंग से सामने आएं। लोकतंत्र में आवाज बुलंद करने और सदन को पूरी तरह ठप करने के बीच स्पष्ट अंतर है। तर्कपूर्ण विरोध सरकार पर दबाव बना सकता है, जबकि लगातार व्यवधान कई बार जनता के महत्वपूर्ण मुद्दों को ही पीछे धकेल देता है।

इस समस्या के लिए केवल विपक्ष को जिम्मेदार ठहराना भी उचित नहीं होगा। सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। सरकार को विपक्ष की चिंताओं को गंभीरता से सुनना चाहिए और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए पर्याप्त अवसर देना चाहिए। लोकतंत्र केवल बहुमत के आधार पर निर्णय लेने का नाम नहीं है। बहुमत सरकार बनाने के लिए आवश्यक है, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए संवाद और सहमति की भी आवश्यकता होती है। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि विपक्ष की आवाज को सुनना लोकतांत्रिक कमजोरी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

भारत विभाजन की त्रासदी : विस्थापन, हिंसा और मानवता की रक्षा के संघर्ष की कहानी

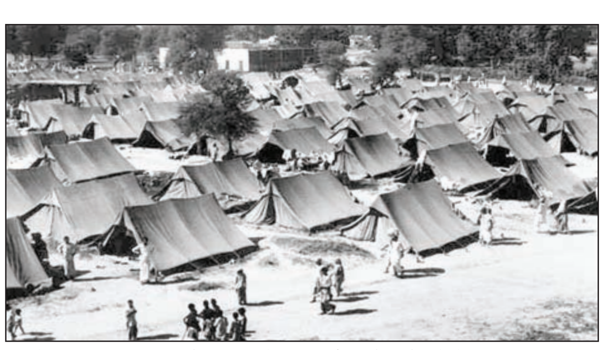

संदीप डोगरा , सीनियर प्राइवेट सेक्रेटरी
प्रधानाचार्य कार्यालय, मेडिकल कॉलेज टांडा

वर्ष 1947 में भारत का विभाजन केवल मानचित्र पर खींची गई एक रेखा नहीं था, बल्कि यह मानव इतिहास की सबसे दुखद और हिंसक घटनाओं में से एक था। विभाजन के बाद भड़के दंगों में सांप्रदायिक हिंसा, बड़े पैमाने पर पलायन और जन-धन की भारी क्षति हुई। लाखों लोगों को अपना घर-बार छोड़कर अनजान स्थानों की ओर जाना पड़ा और बड़ी संख्या में लोग हिंसा का शिकार हुए। कानून-व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई थी और अनेक क्षेत्रों में अराजकता का माहौल बन गया था। संकट की इस भीषण घड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने राहत, सेवा और बचाव कार्यों में योगदान देने का दावा किया है। स्वतंत्रता की घोषणा के साथ ही विभाजन की त्रासदी सामने थी और स्वयंसेवकों ने विभिन्न क्षेत्रों में विस्थापित लोगों की सहायता के लिए कार्य किया।

उस समय संघ का विस्तार और संगठनात्मक सामर्थ्य आज की तुलना में काफी सीमित था, लेकिन उसके स्वयंसेवकों ने अपने-अपने क्षेत्रों में सेवा कार्यों में भाग लिया। विस्थापित परिवारों के लिए भोजन, आश्रय और सुरक्षा की व्यवस्था में सहयोग किया गया। अनेक स्थानों पर स्वयंसेवकों ने राहत शिविरों में काम किया और संकट में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में सहायता की। विभाजन के दौरान जब प्रशासनिक व्यवस्था कई स्थानों पर कमजोर पड़ गई थी, तब स्थानीय स्तर पर नागरिक समूहों और स्वयंसेवी संगठनों ने भी राहत कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पंजाब विभाजन से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में था। यहां बड़े पैमाने पर हिंसा और पलायन हुआ। गुरदासपुर जिले की स्थिति भी उस समय अत्यंत संवेदनशील थी। संघ से जुड़े विवरणों में यह दावा मिलता है कि स्वयंसेवकों ने उस समय जनसंख्या से संबंधित जानकारी जुटाने का प्रयास किया और उसे सीमा निर्धारण से जुड़े लोगों तक पहुंचाया। उस दौर में राशन कार्ड जैसे दस्तावेजों में परिवार की जानकारी के साथ समुदाय से संबंधित विवरण भी दर्ज किए जाते थे। स्वयंसेवकों द्वारा ऐसी सूचनाएं एकत्रित किए जाने और सीमा निर्धारण की प्रक्रिया में उनके प्रभाव की बातें संघ के साहित्य में मिलती हैं। हालांकि इन दावों को इतिहास के व्यापक स्रोतों और आधिकारिक अभिलेखों के संदर्भ में देखना आवश्यक है।

विभाजन की हिंसा में अनेक स्वयंसेवकों और आम नागरिकों ने लोगों की रक्षा करते हुए अपने प्राण गंवाए। झंग जैसे क्षेत्रों में भीषण तनाव और हिंसा की घटनाएं हुईं। संघ के विवरणों में किशन चंद नारंग और बालकृष्ण नारंग नामक दो भाइयों का उल्लेख मिलता है, जिन्होंने हमलावर भीड़ का सामना किया। उनके साहस और बलिदान को विभाजन के दौरान लोगों की रक्षा के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। उस समय पंजाब और सीमावर्ती इलाकों में अनेक परिवारों ने अपने आसपास के लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए असाधारण साहस दिखाया।

विभाजन के दौरान सबसे बड़ी चुनौती केवल भोजन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता नहीं थी, बल्कि लोगों के जीवन की रक्षा भी थी। हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में कई बस्तियों के निवासियों को अपने घरों से निकलकर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

रंग नहीं बल्कि व्यवहार से पहचानें पशुओं को, काली बिल्लियों के सम्मान का दिन

डॉ. जयंतीलाल भंडारी
स्वतंत्र लेखक

हर वर्ष 17 अगस्त को अमेरिका में नेशनल ब्लैक कैट अप्रिसिएशन डे मनाया जाता है। यह दिन काली बिल्लियों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने और उनसे जुड़े पुराने अंधविश्वासों को दूर करने का संदेश देता है। काली बिल्लियां भी अन्य बिल्लियों की तरह संवेदनशील और समझदार जीव होती हैं। उनके रंग के आधार पर उनके प्रति डर या नकारात्मक धारणा बनाना उचित नहीं है। यह दिन लोगों को पशुओं के प्रति प्रेम, दया और जिम्मेदारी का व्यवहार करने के लिए प्रेरित करता है।

काली बिल्लियों को लेकर दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सदियों से विभिन्न मान्यताएं प्रचलित रही हैं। कुछ संस्कृतियों में उन्हें दुर्भाग्य का प्रतीक माना गया तो कुछ स्थानों पर इन्हें सौभाग्य और समृद्धि से जोड़ा गया। इन मान्यताओं का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। किसी भी बिल्ली का रंग उसके स्वभाव, व्यवहार या उसके द्वारा किसी व्यक्ति के जीवन में होने वाली घटनाओं का निर्धारण नहीं करता। इसके बावजूद काली बिल्लियों को लेकर कई तरह की भ्रांतियां आज भी समाज में दिखाई देती हैं।

इस विशेष दिवस का उद्देश्य इसी सोच को बदलना है। पशु विशेषज्ञों और पशु प्रेमियों का मानना है कि किसी जानवर के प्रति व्यवहार उसके रंग, आकार या नस्ल के आधार पर नहीं बल्कि उसकी जरूरतों और संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर होना चाहिए। काली बिल्लियां भी खेलती हैं, लोगों से जुड़ाव महसूस करती हैं, स्नेह चाहती हैं और सुरक्षित वातावरण में खुशहाल जीवन जी सकती हैं।

काली बिल्लियों के प्रति नकारात्मक धारणाओं का असर उनके संरक्षण और गोद लिए जाने की संभावनाओं पर भी पड़ सकता है। कई बार लोग किसी खास रंग के जानवर को अपनाने से बचते हैं और इसके पीछे केवल सामाजिक धारणाएं होती हैं। इससे पशु आश्रय गृहों में रहने वाली काली बिल्लियों को लंबे समय तक नए घर का इंतजार करना पड़ सकता है। ऐसे में जागरूकता अभियान लोगों को यह समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कि किसी पशु को अपनाने का फैसला उसके रंग के बजाय उसके स्वास्थ्य, स्वभाव और परिवार के साथ अनुकूलता को देखकर किया जाना चाहिए।

काली बिल्लियों का रंग मुख्य रूप से उनके आनुवंशिक गुणों से निर्धारित होता है। उनके शरीर पर मौजूद बालों में रंगद्रव्य की मात्रा अधिक होने के कारण उनका फर गहरा दिखाई देता है। यह प्राकृतिक जैविक विशेषता है और इसका दुर्भाग्य या सौभाग्य से कोई संबंध नहीं है। कई काली बिल्लियों की आंखें सुनहरी, हरी या पीली दिखाई देती हैं, जिससे उनका रूप बेहद आकर्षक लगता है।

पशु कल्याण के दृष्टिकोण से भी यह दिन महत्वपूर्ण है। पालतू जानवर रखना केवल मनोरंजन या भावनात्मक लगाव का विषय नहीं है बल्कि एक जिम्मेदारी भी है। बिल्ली को पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पानी, सुरक्षित स्थान, नियमित स्वास्थ्य देखभाल और प्यार की आवश्यकता होती है। यदि कोई व्यक्ति किसी बिल्ली को घर में लाता है तो उसे उसके पूरे जीवन की देखभाल की जिम्मेदारी समझनी चाहिए।

नेशनल ब्लैक कैट अप्रिसिएशन डे लोगों को पशु गोद लेने के प्रति भी प्रोत्साहित कर सकता है। पशु आश्रय गृहों में रहने वाले जानवरों को स्थायी और सुरक्षित घर की जरूरत होती है। यदि कोई परिवार बिल्ली को अपनाने की स्थिति में है तो वह स्थानीय पशु आश्रय गृह से संपर्क कर सकता है। वहां उपलब्ध जानवरों के स्वभाव और जरूरतों को समझकर उचित निर्णय लिया जा सकता है। इस तरह एक पशु को नया जीवन और परिवार को एक स्नेही साथी मिल सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी पहचान

निधि अग्रवाल
जन्म : 17 अगस्त 1994

निधि अग्रवाल का जन्म **17 अगस्त 1994** को हैदराबाद में हुआ था। उन्होंने बचपन से ही नृत्य और कला के प्रति रुचि दिखाई। उन्होंने भरतनाट्यम और कथक जैसे शास्त्रीय नृत्य का प्रशिक्षण लिया, जिसने उनकी कलात्मक प्रतिभा को और निखारा। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने मॉडलिंग और नृत्य में भी रुचि बनाए रखी। उनकी मेहनत और आत्मविश्वास ने उन्हें मनोरंजन की दुनिया में आगे बढ़ने का अवसर दिया।

निधि ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत हिंदी फिल्म मुन्ना माइकल से की। इस फिल्म में उन्होंने अपने अभिनय और नृत्य से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों में भी काम किया और तेलुगु तथा तमिल सिनेमा में अपनी पहचान मजबूत की। उनकी फिल्मों में रोमांस, मनोरंजन और नृत्य का आकर्षण देखने को मिला है। पर्दे पर उनकी सहज अदाकारी और नृत्य कौशल को दर्शकों ने पसंद किया।

निधि अग्रवाल की खासियत केवल उनकी सुंदरता नहीं बल्कि उनकी मेहनत और सीखने की इच्छा भी है। उन्होंने अलग-अलग भाषाओं और फिल्म उद्योगों में काम करके अपनी प्रतिभा का विस्तार किया। अभिनय के साथ नृत्य में उनकी मजबूत पकड़ उन्हें अन्य कलाकारों से अलग बनाती है। वह अपने प्रशंसकों के बीच भी काफी लोकप्रिय हैं और सामाजिक माध्यमों पर उनकी तस्वीरों तथा गतिविधियों को लेकर अक्सर चर्चा रहती है।

जन्मदिन के अवसर पर निधि के प्रशंसक उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। उनके करियर की यात्रा यह बताती है कि लगातार मेहनत, अनुशासन और अपनी प्रतिभा पर विश्वास रखने से मनोरंजन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई जा सकती है। आने वाले समय में दर्शकों को उनसे बेहतर अभिनय और शानदार नृत्य प्रस्तुतियों की उम्मीद है। निधि अग्रवाल के जन्मदिन पर उनके प्रशंसकों की यही शुभकामना है कि वह निरंतर सफलता की नई ऊंचाइयां हासिल करें और अपने अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन करती रहें।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

सौरभ हत्याकांड में चार गवाहों पर आज होगी सुनवाई

एजेंसी, मेरठ। मेरठ के बहुचर्चित सौरभ राजपूत हत्याकांड में जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत में अभियोजन की ओर से बहस पूरी हो चुकी है। अब धारा 311 के तहत चार गवाहों को अदालत में बुलाने के लिए दिए गए प्रार्थना पत्र पर सोमवार को सुनवाई होगी। अभियोजन की ओर से डीजीसी क्रिमिनल केके चौबे ने अपना पक्ष रखा। इसके बाद शुक्रवार को डिफेंस काउंसिल की ओर से प्रार्थना पत्र पर आपत्ति दाखिल की गई। न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद मामले की सुनवाई के लिए सोमवार की तारीख निर्धारित की है। मामला ब्रह्मपुरी निवासी मुस्कान रस्तोगी उर्फ सोभी और इंदिरानगर निवासी सौरभ से जुड़ा है। बताया गया कि दोनों ने वर्ष 2016 में प्रेम विवाह किया था। वर्ष 2019 में उनकी बेटी पीहू का जन्म हुआ। इसी दौरान मुस्कान की मुलाकात अपने सहपाठी साहिल से हुई। धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और सौरभ तथा मुस्कान के वैवाहिक संबंधों में तनाव पैदा हो गया। मामला तलाक तक पहुंच गया। सौरभ मर्चेंट नेवी की नौकरी छोड़कर लंदन चला गया था। दूसरी ओर साहिल और मुस्कान एक-दूसरे के करीब आते गए। इस हत्याकांड ने काफी चर्चा बटोरी है और अदालत में मामले की सुनवाई लगातार आगे बढ़ रही है।

न्यूज ब्रीफ

कुशीनगर में छात्र की मौत पर तनाव, एक करोड़ मुआवजे और नौकरी की मांग पर अड़ा परिवार

एजेंसी, कुशीनगर। दोस्त को बचाने गए कक्षा 10वीं के छात्र करन साहनी की मौत के बाद शनिवार को माहौल तनावपूर्ण हो गया। पोस्टमार्टम के बाद 17 वर्षीय करन का शव घर पहुंचा तो स्वजन ने अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। पिता ने प्रबंधक पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने, परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग रखी। एसडीएम और सीओ ने कई दौर की बातचीत कर परिवार को समझाने का प्रयास किया। करीब छह घंटे बाद प्रशासन की ओर से मांगों को शासन तक पहुंचाने और निष्पक्ष जांच के साथ दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

जन्मदिन पर व्यापारी ने दिया 16 रुपये में कपड़ों का ऑफर, कानपुर में बिगड़ी स्थिति

एजेंसी, कानपुर। अनवरगंज क्षेत्र के आलम मार्केट में व्यापारी के जन्मदिन पर 16 मिनट में 16 रुपये में कपड़े खरीदने के ऑफर ने देर रात भारी भीड़ जुटा दी। स्वतंत्रता दिवस की रात 11:59 बजे के बाद दिए गए इस ऑफर की जानकारी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद सैकड़ों लोग दुकान के बाहर पहुंच गए। भीड़ बढ़ने से इलाके में जाम की स्थिति बन गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को हटाने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ पीछे हटने को तैयार नहीं हुई। इसके बाद पुलिस ने लाठियां पटककर लोगों को खदेड़ा।

गोरखपुर में 11000 के हाईटेंशन तार से डीजे छूने पर कांवड़िया की मौत, एक झुलसा

एजेंसी, गोरखपुर। गोरखपुर के पिपराइच रोड पर तुर्रा नाला के पास कांवड़ यात्रा के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। कांवड़ियों की ट्रॉली पर रखा डीजे हाईटेंशन तार से छू गया। तार के संपर्क में आते ही डीजे में करंट उतर गया और मौके पर अफरातफरी मच गई। हादसे में करन चौहान नामक कांवड़िये की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मोहन भारती गंभीर रूप से झुलस गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि कांवड़िये डीजे पर नृत्य करते हुए पिपराइच की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रॉली पर डीजे काफी ऊंचाई पर रखा था और उसकी चौड़ाई भी अधिक थी। इसी दौरान डीजे हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गया और हादसा हो गया।

उन्नाव के पास एक्सप्रेसवे पर कई किलोमीटर दौड़ता रहा घोड़ा, वाहन सवार रहे परेशान

एजेंसी, लखनऊ। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर रविवार को उस समय वाहन सवारों में अफरा-तफरी मच गई, जब उन्नाव के आसपास अचानक एक घोड़ा एक्सप्रेसवे पर आ गया। घोड़ा कई किलोमीटर तक तेज रफ्तार वाहनों के बीच दौड़ता रहा। अचानक सामने आए घोड़े से बचने के लिए कई वाहन चालकों को अपनी गति नियंत्रित करनी पड़ी। इस दौरान किसी बड़े हादसे की सूचना नहीं है। घोड़े को एक्सप्रेसवे पर दौड़ते देखकर पेट्रोलिंग कर्मी भी हैरान रह गए और उसे सुरक्षित तरीके से हटाने के प्रयास में जुट गए।

डीएलएड की 2.39 लाख सीटों पर सिर्फ 1.52 लाख आवेदन, हजारों सीटें रहेंगी खाली

एजेंसी, प्रयागराज। डीएलएड प्रशिक्षण सत्र 2026-27 में प्रदेश की 87 हजार से अधिक सीटें खाली रहने की आशंका है। प्रदेश के सभी प्रशिक्षण संस्थानों में कुल 2,39,500 सीटों के सापेक्ष 1,52,202 अभ्यर्थियों ने ही ऑनलाइन आवेदन किया है। इस तरह सीटों की तुलना में 87,298 आवेदन कम मिले हैं। प्रवेश के लिए राज्य रैंक जारी कर परिषद की ओर से अभ्यर्थियों को विकल्प के आधार पर डीएलएड संस्थान आवंटित किए जा रहे हैं। हालांकि सभी आवेदक प्रवेश ले लें, तब भी हजारों सीटें खाली रहना तय माना जा रहा है। इसके अलावा मनपसंद कॉलेज नहीं मिलने के कारण भी कई अभ्यर्थी प्रवेश नहीं लेते हैं। ऐसे में अंतिम रूप से रिक्त सीटों की संख्या और बढ़ सकती है।

औरैया में 73 करोड़ की लागत से बनेगा बाईपास ओवरब्रिज

एजेंसी, औरैया। औरैया के अछल्दा में रेलवे क्रॉसिंग 13-बी पर प्रस्तावित बाईपास ओवरब्रिज के निर्माण की कवायद तेज हो गई है। करीब 73.42 करोड़ रुपये की लागत से 1800 मीटर लंबे पुल का निर्माण किया जाएगा। परियोजना के लिए प्रभावित किसानों की भूमि का रकबा निर्धारित कर लिया गया है। स्वीकृति प्रक्रिया पूरी होने के बाद करीब एक साल में बैनामा शुरू होने की उम्मीद है। इससे रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी।

लखनऊ की सौमित्र विहार योजना में 5000 से ज्यादा आवासीय प्लॉट

सौमित्र विहार में मिलेंगे 5000 से अधिक प्लॉट

एजेंसी, लखनऊ

राजधानी लखनऊ में अपना घर बनाने का सपना देख रहे लोगों के लिए सौमित्र विहार योजना महत्वपूर्ण अवसर बनकर सामने आ रही है। उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद की ओर से विकसित की जा रही इस आवासीय योजना में पांच हजार से अधिक आवासीय भूखंड उपलब्ध कराने की तैयारी है। योजना के तहत अलग-अलग आकार के प्लॉट किफायती दरों पर उपलब्ध कराने की योजना है, जिससे आम लोगों को राजधानी में अपना आशियाना बनाने का अवसर मिल सकेगा। योजना को न्यू जेल रोड, गोसाईंगंज क्षेत्र में करीब 560 एकड़ भूमि पर विकसित किया जा रहा है।

सौमित्र विहार को एक एकीकृत स्मार्ट टाउनशिप के रूप में विकसित करने की योजना है। इसमें आवासीय क्षेत्रों के साथ सड़क, हरित पट्टी, कृत्रिम झील, व्यावसायिक केंद्र और अन्य जरूरी सुविधाओं को विकसित किया जाएगा। योजना के तहत 80 से 300 वर्ग मीटर तक के भूखंड उपलब्ध कराने की तैयारी है। पहले चरण में 2092 भूखंडों की बिक्री शुरू करने की योजना बताई गई है। आवासीय भूखंडों के साथ व्यावसायिक भूखंड भी विकसित किए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में यहां रहने वाले लोगों को जरूरी सुविधाएं आसपास ही उपलब्ध हो सकें।

योजना के तहत 300 वर्ग मीटर के 161, 200 वर्ग मीटर के 579, 122.23 वर्ग मीटर के 445, 75 वर्ग मीटर के 598, 60.29 वर्ग मीटर के 229 और 40.74 वर्ग मीटर के 80 आवासीय भूखंड प्रस्तावित हैं। इसके अलावा व्यावसायिक उपयोग के लिए भी अलग-अलग आकार के भूखंड रखे गए हैं। भूमि की कीमत करीब 25 से 26 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर रहने का अनुमान बताया गया है। अंतिम दर और अन्य शर्तों की जानकारी पंजीकरण प्रक्रिया शुरू होने के बाद स्पष्ट होगी।

सौमित्र विहार योजना की शुरुआत की प्रक्रिया पिछले कुछ समय से चल रही है। मार्च 2025 में मोहनलालगंज नई जेल रोड टाउनशिप का नाम बदलकर सौमित्र विहार रखने को मंजूरी दी गई थी। इसके बाद योजना को विकसित करने और जमीन से संबंधित प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाया गया। किसानों से भूमि लेने की प्रक्रिया भी पूरी की गई है। योजना के लिए 192 किसानों को लॉटरी के माध्यम से विकसित भूखंड आवंटित किए जाने की जानकारी सामने आई है।

आम लोगों के लिए योजना का पंजीकरण शुरू होने से पहले उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद को आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। 11 अगस्त को योजना के पंजीकरण के लिए उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण के पोर्टल पर आवेदन किए जाने की जानकारी दी गई है।

बारिश से प्रभावित परिवारों को 24 घंटे में मिलेगा मुआवजा : योगी

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई क्षेत्रों में जनहानि, पशुहानि और आर्थिक नुकसान की स्थिति सामने आई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बारिश से हुए नुकसान का संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने और पीड़ित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि अतिवृष्टि और आकाशीय बिजली के कारण हुई जनहानि, पशुहानि तथा संपत्ति के नुकसान का तत्काल आकलन कराया जाए। उन्होंने प्रभावित लोगों को नियमानुसार अनुमन्य मुआवजा 24 घंटे के भीतर उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राहत और बचाव कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित परिवारों से लगातार संवाद बनाए रखने और उनकी आवश्यकताओं के अनुसार राहत सामग्री तथा अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध कराने को कहा। जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए गए हैं। ऐसे स्थानों पर लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जरूरत पड़ने पर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था करने को कहा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश के दौरान प्रशासन को पूरी तरह सक्रिय रहना होगा। प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव दलों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा जरूरतमंद लोगों तक समय पर मदद पहुंचाई जाए। अधिकारियों को स्थानीय स्तर पर स्थिति की लगातार निगरानी करने और मौसम की परिस्थितियों के अनुसार आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

भारी बारिश के कारण जिन परिवारों को नुकसान हुआ है, उनके लिए प्रशासन द्वारा राहत प्रक्रिया शुरू की जा रही है। जनहानि और पशुहानि के मामलों में निर्धारित नियमों के अनुसार सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

इंस्टाग्राम पर पाकिस्तानी झंडे का स्टेटस डालने वाले युवक की तलाश में पुलिस

एजेंसी, संभल

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इंटरनेट मीडिया पर पाकिस्तानी झंडे से जुड़ा स्टेटस पोस्ट करने का मामला सामने आया है। कुढ़ फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के गांव फतेहपुर डाल निवासी एक युवक पर आरोप है कि उसने 15 अगस्त को अपने इंस्टाग्राम खाते पर पाकिस्तानी झंडे और देशभक्ति गीत के साथ स्टेटस लगाया। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और युवक की तलाश की जा रही है।

इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित जानकारी के अनुसार युवक की पहचान तालिब खान के रूप में बताई जा रही है। पुलिस को दोपहर करीब दो बजे मामले की जानकारी मिली। इसके बाद कुढ़ फतेहगढ़ थाना पुलिस की टीम जांच के लिए युवक के घर पहुंची, लेकिन वह वहां मौजूद नहीं मिला। पुलिस ने उसके पिता से पूछताछ की। पिता ने बताया कि उनका बेटा दिल्ली में रहकर मूंगफली बेचने के साथ मौसम के अनुसार मजदूरी का काम करता है। उन्होंने कहा कि उन्हें बेटे द्वारा इंटरनेट मीडिया पर ऐसा कोई स्टेटस लगाए जाने की जानकारी नहीं थी।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है। आगे की कार्रवाई अधिकारियों के निर्देश और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर की जाएगी।

गोरखपुर एम्स और बीआरडी में गूंजा नशे से आजादी का संकल्प

एजेंसी, गोरखपुर

गोरखपुर एम्स और बीआरडी में गूंजा नशे से देश की आजादी के पर्व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गोरखपुर के एम्स और बीआरडी मेडिकल कॉलेज में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। दैनिक जागरण के तत्वावधान में चल रहे नशे के विरुद्ध अभियान के अंतर्गत दोनों चिकित्सा संस्थानों में ध्वजारोहण के बाद चिकित्सकों, शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने नशे से पूरी तरह दूर रहने का संकल्प लिया। इस दौरान समाज को नशे की गिरफ्त से मुक्त कराने और लोगों को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया।

एम्स गोरखपुर में कार्यकारी निदेशक डॉ. विभा दत्ता के नेतृत्व में स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। ध्वजारोहण के बाद संस्थान के चिकित्सकों, शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने नशामुक्ति की शपथ ली। सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करेंगे और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी नशे से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति विशेष रूप से युवा पीढ़ी के लिए गंभीर चुनौती बन रही है। नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने के साथ उसके परिवार और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करता है। इससे आर्थिक परेशानियां बढ़ती हैं और कई बार व्यक्ति अपराध तथा अन्य सामाजिक बुराइयों की ओर भी बढ़ जाता है। ऐसे में नशे के खिलाफ केवल सरकारी स्तर पर प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

◆ कार्यक्रम में इस बात पर भी जोर दिया गया कि नशे के दुष्परिणामों के बारे में युवाओं को सही जानकारी दी जाए। उन्हें खेल, शिक्षा, रचनात्मक गतिविधियों और सकारात्मक सोच से जोड़ने के प्रयास किए जाएं। वक्ताओं ने कहा कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होगा, जब देश का युवा नशे जैसी सामाजिक बुराई से मुक्त होकर स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिक बने।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया गया। यहां चिकित्सकों, शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने नशे से दूरी बनाए रखने की शपथ ली। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए युवाओं को नशे से बचाना जरूरी है। इसके लिए परिवार, शिक्षण संस्थानों और समाज के सभी वर्गों को मिलकर जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है।

एटा हाईवे पर कार पलटने से तीन की मौत, ढाई साल के बच्चे समेत चार घायल

एजेंसी, हाथरस। एटा हाईवे पर गांव उमरावपुर के पास रविवार तड़के तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ढाई वर्ष के बच्चे समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया।

पुलिस के अनुसार हादसे में बालामऊ, हरदोई निवासी रामजी, आलापुर कोर्ट, गंज मुरादाबाद निवासी अवधेश और जगतपाल की मृत्यु हुई है। तीनों के शवों को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल हाथरस की मोर्चरी भेज दिया। हादसे में घायल चार लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों में ढाई साल का बच्चा भी शामिल है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार तेज गति से जा रही थी। उमरावपुर के पास चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद कार सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकाला गया।

राम मंदिर चंदे पर गरमाई सियासत अखिलेश ने भाजपा को घेरा

एजेंसी, लखनऊ। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राम मंदिर चंदा प्रकरण को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने रविवार को एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। अखिलेश यादव ने पोस्ट में कहा कि राम जी से गद्दारी का पैसा, धर्म और दान-पुण्य के कोष का पैसा तथा भाजपा के पापों का पैसा नहीं चाहिए। वीडियो में कुछ लोग चंदा देते हुए दिखाई दे रहे हैं और इसके बाद एक व्यक्ति उस चंदे को लेकर भागता हुआ नजर आता है। अखिलेश यादव इससे पहले भी भाजपा सरकार पर विभिन्न मुद्दों को लेकर हमलावर रहे हैं। उन्होंने भाजपा पर विभाजन विभीषिका दिवस मनाने का भी आरोप लगाया। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में एक बार फिर राम मंदिर चंदे का मुद्दा चर्चा में आ गया है। भाजपा की ओर से इस आरोप पर प्रतिक्रिया सामने आने का इंतजार है।

बलिदानों से मिली आजादी को संभालना ही नहीं आगे बढ़ाना भी है : मेजर जनरल सुमित राणा

◆ डॉक्टर की आत्महत्या से सनसनी सुसाइड नोट में आरोपित का नाम

एजेंसी, मेरठ

मेरठ में देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दैनिक जागरण की ओर से भव्य प्रभात फेरी और ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभात फेरी में शहर के 13 स्कूलों के करीब 800 विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट्स और शिक्षक शामिल हुए। सदर हनुमान चौक से शुरू हुई प्रभात फेरी करियप्पा रोड होते हुए माल रोड स्थित गांधी बाग पहुंची। तिरंगे के साथ देशभक्ति के नारों ने पूरे मार्ग को राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग दिया। गांधी बाग में पश्चिमी उत्तर प्रदेश सब एरिया के जनरल आफिसर कमांडिंग मेजर जनरल सुमित राणा ने तिरंगा फहराया। ध्वजारोहण के बाद सभी ने राष्ट्रगान और सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गायन किया। भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम में सैन्य अधिकारियों के साथ विद्यार्थी, शिक्षक और शहरवासी भी मौजूद रहे।

मेजर जनरल सुमित राणा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता हमें असंख्य वीरों के बलिदान से मिली है। इसलिए आजादी को केवल संभालना ही नहीं बल्कि उसे निरंतर आगे बढ़ाना भी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है और उन्हें अपनी ऊर्जा सकारात्मक कार्यों में लगानी चाहिए। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को भी राष्ट्र सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। मेजर जनरल ने मी, माय होम, माय प्लेनेट को जीवन का पंचसूत्र बताते हुए व्यक्तिगत जिम्मेदारी से पर्यावरण बचाने का संदेश दिया।

हादसा 50 यात्रियों और 12 मोटरसाइकिलों से भरा स्टीमर आठ किलोमीटर बहा

चंबल की लहरों में फंसी 50 यात्रियों की जान

एजेंसी, आगरा

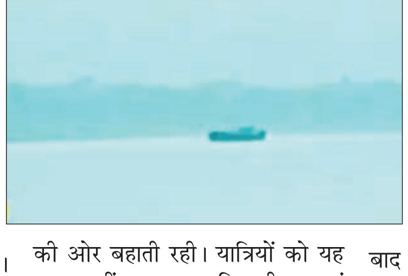

चंबल नदी में रविवार सुबह उस समय बड़ा हादसा टल गया जब मध्यप्रदेश के भिंड स्थित नगरा घाट से उत्तर प्रदेश के बाह स्थित कैंजरा घाट की ओर आ रहे स्टीमर का अचानक डीजल खत्म हो गया। स्टीमर में करीब 50 यात्री और 10 से 12 मोटरसाइकिलें सवार थीं। डीजल खत्म होने के बाद स्टीमर नदी की तेज धारा के साथ बहने लगा। अचानक आई इस स्थिति से यात्रियों में चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। लोग एक-दूसरे को संभालते नजर आए और सभी की नजरें सुरक्षित किनारे की तलाश में लगी रहीं।

बताया गया है कि चंबल नदी में इन दिनों पानी का बहाव काफी तेज है। ऐसे में स्टीमर का इंजन बंद होने के बाद उसे नियंत्रित करना मुश्किल हो गया। नदी की तेज धारा स्टीमर को लगातार आगे की ओर बहाती रही। यात्रियों को यह समझ नहीं आ रहा था कि स्टीमर कहां जाकर रुकेगा। करीब आठ किलोमीटर तक स्टीमर नदी की धारा में बहता रहा। इस दौरान यात्रियों में दहशत का माहौल बना रहा। कई यात्री घबराए हुए थे और किसी अनहोनी की आशंका से परेशान दिखाई दिए।

स्टीमर में यात्रियों के साथ बड़ी संख्या में मोटरसाइकिलें भी लदी हुई थीं। ऐसे में स्टीमर के अनियंत्रित होकर बहने से खतरा और बढ़ गया था। यदि स्टीमर नदी के किसी गहरे हिस्से या किसी बड़े अवरोध से टकराता तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। काफी दूरी तक बहने के बाद गुढ़ा गांव के पास मध्यप्रदेश की सीमा में एक टीले से स्टीमर टकरा गया। इसके बाद स्टीमर रुक गया और यात्रियों ने राहत की सांस ली।

घटना की जानकारी मिलने के बाद बासौनी पुलिस भी सतर्क हो गई। बासौनी थाना प्रभारी मनोज कुमार पाल ने बताया कि स्टीमर मध्यप्रदेश की ओर से आ रहा था और घटना मध्यप्रदेश क्षेत्र में हुई है। पुलिस की ओर से घटना से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है। स्टीमर के टीले से टकराकर रुकने के बाद यात्रियों को सुरक्षित निकालने की कार्रवाई के संबंध में भी जानकारी ली जा रही है। घटना ने स्टीमर संचालन की सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

तेज बहाव में 8 किलोमीटर तक बहे यात्री

चंबल नदी में तेज बहाव के बीच करीब आठ किलोमीटर तक स्टीमर का बहना यात्रियों के लिए बेहद भयावह अनुभव रहा। गनीमत रही कि स्टीमर किसी बड़े हादसे का शिकार नहीं हुआ और टीले से टकराकर रुक गया। घटना में किसी बड़े नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि इस घटना ने नदी परिवहन से जुड़े सुरक्षा इंतजामों को लेकर गंभीर चिंता जरूर पैदा कर दी है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन और संबंधित विभागों को स्टीमर संचालन की व्यवस्था की समीक्षा करनी चाहिए। स्टीमर में क्षमता के अनुसार ही यात्रियों और वाहनों को बैठाया जाए तथा प्रत्येक यात्रा से पहले ईंधन और इंजन की पूरी जांच होनी चाहिए।

वाराणसी एयरपोर्ट पर यात्री की लाइसेंसी पिस्टल से चली गोली, दो कर्मचारी घायल

एजेंसी, वाराणसी

लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रविवार सुबह सुरक्षा जांच के दौरान लाइसेंसी पिस्टल से अचानक गोली चलने से दो एयरपोर्ट कर्मचारी घायल हो गए। घटना टर्मिनल भवन में उस समय हुई जब एक यात्री अपनी लाइसेंसी पिस्टल की मैगजीन अलग कर रहा था। इसी दौरान अचानक ट्रिगर दब गया और गोली चल गई। गोली लगने से महिला कर्मचारी के पैर में चोट आई, जबकि एक पुरुष कर्मचारी के हाथ को गोली छूती हुई निकल गई। दोनों घायलों को उपचार के लिए कबीरचौरा मंडलीय अस्पताल भेजा गया।

जानकारी के अनुसार आजमगढ़ निवासी 55 वर्षीय कमलेश राय एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान से मुंबई जाने के लिए सुबह करीब पौने दस बजे एयरपोर्ट पहुंचे थे। उनके पास लाइसेंसी पिस्टल थी। निर्धारित प्रक्रिया के तहत विमान में ले जाने वाले लाइसेंसी हथियार को सुरक्षा जांच के बाद सील कर पायलट केबिन में रखा जाता है। इसी प्रक्रिया के दौरान यात्री पिस्टल की मैगजीन निकाल रहे थे।

◆ पिस्टल की मैगजीन निकालते समय चली गोली

बताया गया कि मैगजीन निकालते समय अचानक ट्रिगर दब गया और गोली चल गई। गोली चलने से वहां मौजूद कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल स्थिति को नियंत्रित किया और घायल कर्मचारियों को अस्पताल पहुंचाया। दोनों घायल कर्मचारी बिहार के रहने वाले बताए गए हैं। महिला कर्मचारी सुमन कुमारी गया जिले की रहने वाली हैं, जबकि पुरुष कर्मचारी रोहित नालंदा जिले के निवासी हैं।

हिसार में पांच दिन से बिजली कटौती का संकट, 5 लाख लोग गर्मी और उमस से बेहाल

हिसार सर्कल में पांच दिनों के दौरान 478 क्षेत्रों में 37 बार गुल हुई बिजली

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार

गर्मी और उमस के बीच हिसार में अघोषित बिजली कटौती ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। कई इलाकों में लगातार दो-दो घंटे तक बिजली गुल रहने से लोग बेहाल हैं। पिछले पांच दिनों में हिसार सर्कल के 478 क्षेत्रों में 37 बार बिजली कट लग चुके हैं। इससे करीब पांच लाख लोगों को गर्मी के बीच परेशानी का सामना करना पड़ा।

बिजली कटौती का असर शहर के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखने को मिल रहा है। दिन के समय बिजली बंद होने से घरों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में काम प्रभावित हो रहा है। उमस के कारण बिना बिजली के लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो रहा है। वहीं, रात के समय बिजली गुल होने पर लोगों को गर्मी और मच्छरों के बीच समय बिताना पड़ रहा है।

बिजली निगम में कर्मचारियों की कमी भी व्यवस्था पर असर डाल रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, हिसार सर्कल में बड़ी संख्या में ट्रांसफार्मरों की देखरेख का जिम्मा सीमित कर्मचारियों पर है। करीब 110 ट्रांसफार्मरों की देखभाल के लिए केवल दो कर्मचारियों की तैनाती होने से समय पर रखरखाव करना चुनौती बना हुआ है। बिजली व्यवस्था में तकनीकी खराबी आने पर उसे दूर करने में भी समय लग रहा है।

इससे कई बार निर्धारित समय से अधिक देर तक बिजली आपूर्ति बाधित रहती है। उपभोक्ताओं का कहना है कि लगातार कटौती के बावजूद उन्हें बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं दिख रहा। हिसार सर्कल में पांच दिनों के दौरान 478 क्षेत्रों में 37 बार बिजली कटौती दर्ज की गई। कई स्थानों पर कटौती की अवधि दो घंटे तक रही। इससे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हुई। बिजली पर निर्भर छोटे कारोबारियों को भी कामकाज में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

गर्मी के इस मौसम में पंखे, कूलर और अन्य उपकरणों के बंद रहने से परेशानी और बढ़ गई। लोगों ने बिजली निगम से नियमित और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी के मौसम में बिजली की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में निगम को पहले से तैयारी करनी चाहिए थी। खराब ट्रांसफार्मरों और लाइनों की समय पर जांच तथा मरम्मत जरूरी है, ताकि अचानक बिजली आपूर्ति बाधित न हो।

कैथल सिविल अस्पताल में जल्द शुरू होगी मुफ्त एमआरआई जांच, मरीजों को बड़ी राहत

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल

कैथल जिले के मरीजों के लिए राहत की खबर है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से कैथल के जिला नागरिक अस्पताल में जल्द ही एमआरआई सुविधा शुरू करने की तैयारी की जा रही है। सुविधा शुरू होने के बाद गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को महंगे एमआरआई टेस्ट के लिए निजी जांच केंद्रों का रुख नहीं करना पड़ेगा। सरकारी अस्पताल में पात्र मरीजों को यह सुविधा मुफ्त उपलब्ध कराई जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल में एमआरआई मशीन स्थापित करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसके लिए मुख्यालय की टीम जल्द ही कैथल नागरिक अस्पताल का दौरा करेगी। टीम अस्पताल में मशीन लगाने के लिए उपलब्ध स्थान, जरूरी व्यवस्थाओं और अन्य तकनीकी सुविधाओं का निरीक्षण करेगी। निरीक्षण के बाद मशीन स्थापित करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। एमआरआई जांच का उपयोग शरीर के अंदरूनी अंगों और विभिन्न गंभीर बीमारियों की पहचान के लिए किया जाता है। अभी जिले के सरकारी अस्पताल में यह सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को निजी केंद्रों में जाकर जांच करवानी पड़ती है। निजी केंद्रों पर एमआरआई जांच का खर्च अधिक होने के कारण आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

नई सुविधा शुरू होने से ऐसे मरीजों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। खासकर गंभीर बीमारी, सिर और रीढ़ की जांच सहित चिकित्सकों की सलाह पर एमआरआई की आवश्यकता वाले मरीजों को इसका लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मशीन जल्द स्थापित करने की तैयारी है। अधिकारियों के अनुसार, मुख्यालय की टीम के दौरे के बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सुविधा शुरू करने की दिशा में काम किया जाएगा। इससे कैथल के साथ आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

हरिद्वार जा रहे चार दोस्तों पर टूटा कहर पानीपत में सड़क हादसे में एक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। हरियाणा के पानीपत जिले में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हो गए। हादसा इसराना थाना क्षेत्र के गांव शाहपुर के पास तड़के करीब दो बजे हुआ। तेज रफ्तार ब्रेजा कार और लोडिंग पिकअप के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन काफी दूर तक घिसटने के बाद सड़क किनारे पलट गए। ब्रेजा में भिवानी के चार दोस्त हरिद्वार जा रहे थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा सभी घायलों को नजदीकी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। 10 गंभीर घायलों को बेहतर उपचार के लिए खानपुर कलां रेफर किया गया है।

हिसार में 89 वर्षीय बुजुर्ग की बेरहमी से हत्या बाइक सवार तीन युवकों ने चाकुओं से किए वार

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। हिसार के गांव तलवंडी रूक्का में 89 वर्षीय बुजुर्ग महाबीर की चाकुओं से हमला कर हत्या कर दी गई। बुजुर्ग रात के समय छोटे बेटे के मकान के बाहर चबूतरे पर चारपाई पर सो रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन युवक वहां पहुंचे और उन पर ताबड़तोड़ चाकुओं से वार कर फरार हो गए। हमले में बुजुर्ग के सिर, छाती और गले पर गंभीर चोटें आईं। चीख-पुकार सुनकर परिजन बाहर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी मौके से भाग चुके थे। वारदात का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें तीन युवक बुजुर्ग पर हमला करते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस पौते की लव मैरिज से जुड़ी रंजिश के एंगल से भी जांच कर रही है।

होर्मुज संकट से बासमती निर्यात पर संकट हरियाणा के कारोबारियों की बढ़ी चिंता

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी संकट का असर हरियाणा के बासमती चावल निर्यात पर पड़ने लगा है। युद्ध के चलते समुद्री मार्ग बार-बार बाधित होने से भारत से खाड़ी देशों को भेजे जाने वाला चावल प्रभावित हो रहा है। निर्यातकों के अनुसार करीब एक से डेढ़ लाख मीट्रिक टन भारतीय चावल रास्ते में फंसा हुआ है। इससे करनाल समेत हरियाणा के प्रमुख चावल कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है। खाड़ी देशों में भारतीय बासमती की बड़ी मांग रहती है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में माल की आवाजाही प्रभावित होने से समय और लागत दोनों बढ़ रहे हैं। निर्यातकों का कहना है कि यदि स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो कारोबार पर गंभीर असर पड़ सकता है। उन्होंने सरकार से चावल निर्यात के लिए वैकल्पिक समुद्री मार्ग तलाशने की मांग की है।

दिल्ली कूच को तैयार किसान, जींद में बॉर्डर सील; कंटीली तारों से सुरक्षा घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, जींद। हरियाणा के जींद से किसान रविवार को दिल्ली कूच की तैयारी में हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसान बचाओ पदयात्रा खनोरी-दाता सिंहवाला बॉर्डर से शुरू होकर दिल्ली के जंतर-मंतर तक जाएगी। किसानों के प्रस्तावित मार्च को देखते हुए प्रशासन ने बॉर्डर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। सिंहवाला बॉर्डर पर कंटीली तारें, कंक्रीट ब्लॉक, पत्थर और कंटेनर लगाकर रास्ते को बंद किया गया है। इसके साथ ही कई मार्गों पर यातायात को डायवर्ट किया गया है। किसानों के दिल्ली पहुंचने की योजना के चलते पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सीमा क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। किसान अपनी मांगों को लेकर पदयात्रा निकाल रहे हैं। प्रशासन की ओर से कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं।

हाईटेंशन तार ने मचाई तबाही, श्रद्धालुओं से भरे कैंटर में लगी आग; 15 लोग झुलसे

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

करनाल के घरौंडा में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। वार्ड नंबर-15 में गंदे नाले के पास राजस्थान के बागड़ धाम जा रहे श्रद्धालुओं से भरा कैंटर हाईटेंशन बिजली की तार की चपेट में आ गया। तार के संपर्क में आते ही कैंटर में करंट दौड़ गया और देखते ही देखते उसमें आग लग गई। हादसे में बच्चे समेत करीब 15 श्रद्धालु झुलस गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के समय कैंटर में महिला, पुरुष और बच्चे सवार थे। हाईटेंशन तार के संपर्क में आने के बाद अचानक कैंटर में आग भड़क उठी। इससे वाहन में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल भी मौके पर पहुंच गया। हादसे में झुलसे सभी लोगों को

कैंटर में दौड़ा हाईटेंशन करंट, आग लगने से मची अफरा-तफरी

उपचार के लिए करनाल के ट्रामा सेंटर रेफर किया गया।

बताया जा रहा है कि कई श्रद्धालुओं को गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के बाद मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। गनीमत रही कि कैंटर में रखा गैस सिलेंडर नहीं फटा। यदि सिलेंडर आग की चपेट में आकर फट जाता तो हादसा और भयावह हो सकता था और बड़ी संख्या में लोग इसकी चपेट में आ सकते थे।

फर्रुखनगर में दर्दनाक हादसा, ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। गुरुग्राम के फर्रुखनगर क्षेत्र में सुल्तानपुर गांव के पास रविवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। केएमपी से उतरकर दोस्त के साथ पैदल घर जा रहे एक युवक को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक केएमपी से उतरने के बाद पैदल अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद दोनों सड़क पर गिर गए। हादसे में एक युवक को गंभीर चोटें आईं और उसकी हालत बिगड़ गई। घटना के तुरंत बाद राहगीरों ने ट्रक चालक को मौके पर पकड़ लिया। सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और चालक को हिरासत में ले लिया।

नूंह में रिश्वत लेते महिला हेड कांस्टेबल गिरफ्तार

लापता महिला के केस से नाम हटाने के बदले मांगी रिश्वत, हेड कांस्टेबल 15 हजार रुपए लेते गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, नूंह

फरीदाबाद एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने तावडू सदर थाना परिसर में कार्रवाई करते हुए महिला हेड कांस्टेबल प्रियंका को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने एक लापता युवती के मामले में आरोपित महिला का नाम केस से हटाने के बदले रिश्वत की मांग की थी। कार्रवाई के बाद थाना परिसर में हड़कंप मच गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, करीब चार महीने पहले तावडू उपमंडल के एक गांव से एक युवती लापता हुई थी। जांच के दौरान युवती को फरीदाबाद के धौज गांव स्थित एक महिला के मकान से बरामद किया गया था। इसके बाद पुलिस ने गुमशुदगी के मामले में उस महिला को भी आरोपित बनाया था। मामले की जांच हेड कांस्टेबल

प्रियंका कर रही थीं। आरोप है कि प्रियंका ने आरोपित महिला का नाम मामले से हटाने के एवज में 15 हजार रुपये की रिश्वत मांगी।

रिश्वत की मांग से परेशान महिला ने फरीदाबाद एसीबी में शिकायत दी। शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने पहले उसका सत्यापन कराया। आरोप सही पाए जाने पर एसीबी ने तय योजना के तहत कार्रवाई की तैयारी की। बृहस्पतिवार को एसीबी की टीम तावडू सदर थाना पहुंची। थाना परिसर स्थित महिला कक्ष में जैसे ही हेड कांस्टेबल प्रियंका ने रिश्वत की रकम ली, टीम ने उन्हें पकड़ लिया। मौके से 15 हजार रुपये की नकदी बरामद की गई। एसीबी की टीम करीब पांच घंटे तक थाना परिसर में जांच और आवश्यक कार्रवाई में जुटी रही।

बताया जा रहा है कि शुरुआती शिकायत में दो पुलिसकर्मियों के नाम सामने आए थे, लेकिन फिलहाल हेड कांस्टेबल प्रियंका को ही गिरफ्तार किया गया है। एसीबी अधिकारी विजेंद्र सिंह के अनुसार मामले की जांच जारी है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कर आगामी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, प्रियंका के खिलाफ पहले भी भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतें सामने आ चुकी हैं। अब एसीबी की कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में भी मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर करते थे ठगी, फरीदाबाद में सात साइबर ठग गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

फरीदाबाद पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने मामले में कॉल सेंटर के सरगना समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी दिल्ली के राजौरी गार्डन स्थित एक होटल से फर्जी कॉल सेंटर संचालित कर रहे थे। यहां से वे लोगों को क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने और बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने का झांसा देकर ठगी करते थे।

फरीदाबाद में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने के नाम पर 500 लोगों से ठगी।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी फोन पर लोगों से संपर्क करते थे और खुद को क्रेडिट कार्ड या बैंक सेवा से जुड़ा कर्मचारी बताते थे। इसके बाद कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर पीड़ितों से जरूरी जानकारी और ओटीपी हासिल कर उनके खातों से रकम निकाल लेते थे। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने करीब 400 से 500 लोगों को अपना शिकार बनाने की बात स्वीकार की है। मामला उस समय सामने आया जब सीकरी निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दी। पीड़ित के अनुसार, 27 जुलाई को उसके मोबाइल पर एक फोन आया था।

कॉल करने वाले ने क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा दिया और प्रक्रिया पूरी करने के नाम पर उससे ओटीपी हासिल कर लिया। कुछ ही समय बाद उसके खाते से 65,040 रुपये निकाल लिए गए। शिकायत मिलने के बाद साइबर थाना एनआईटी की टीम ने जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर 14 मोबाइल फोन और 14 सिम कार्ड बरामद किए हैं। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि गिरोह ने कितने लोगों से कितनी रकम की ठगी की है।

साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और उनके बैंक खातों की भी जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान के लिए भी जांच की जा रही है। बरामद मोबाइल और सिम कार्ड की मदद से आरोपियों के संपर्कों और लेनदेन की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बैंकिंग संबंधी जानकारी, ओटीपी या अन्य गोपनीय विवरण किसी अनजान व्यक्ति से साझा न करें।

बीरू हत्याकांड में एक और गिरफ्तारी मुंबई एयरपोर्ट से पकड़ा गया योगेश कपूर

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

बीरू वाल्मीकि हत्याकांड की जांच में करनाल पुलिस को एक और सफलता मिली है। पुलिस ने नीलोखेड़ी निवासी योगेश कपूर को मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि इस हत्याकांड से पहले योगेश नीलोखेड़ी गोलीकांड में भी आरोपित रहा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने लुकआउट सर्कुलर जारी किया था।

पुलिस के अनुसार, मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंचते ही योगेश को हिरासत में लिया गया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अब पुलिस उससे बीरू हत्याकांड से जुड़े विभिन्न पहलुओं को लेकर पूछताछ करेगी। आरोपित को शनिवार को अदालत में पेश किए जाने की बात कही गई है, जहां पुलिस उसे सात दिन के रिमांड पर लेने की मांग करेगी। इस बीच इंटरनेट मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में योगेश ने बीरू हत्याकांड में अपनी भूमिका से इनकार किया है। वीडियो में उसने हर्ष, बीरबल और वंश उर्फ शूटर समाना के नाम लिए

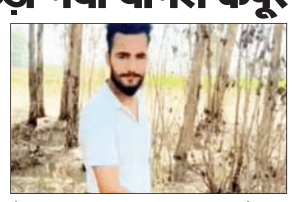

हैं। योगेश ने आरोप लगाया है कि बीरू की हत्या करवाने और हथियार उपलब्ध कराने में शूटर समाना की भूमिका थी। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी।

पुलिस इस मामले में पहले भी कई आरोपितों से पूछताछ कर चुकी है। योगेश की गिरफ्तारी के बाद अब जांच को आगे बढ़ाने के साथ यह पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि हत्याकांड में उसकी वास्तविक भूमिका क्या थी और वारदात के पीछे कौन-कौन लोग शामिल थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रिमांड के दौरान आरोपित से पूछताछ कर हत्या की साजिश, हथियारों की व्यवस्था और अन्य आरोपितों से उसके संबंधों की जानकारी जुटाई जाएगी। मामले में आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

हरियाणा में सफाई-सीवर और फायर कर्मचारियों की हड़ताल बढ़ी, मांगें पूरी होने तक काम बंद

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा में सफाई, सीवर, पालिका और फायर विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल को 18 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। सरकार और कर्मचारी संगठनों के बीच शनिवार को हुई वार्ता विफल रहने के बाद कर्मचारियों ने आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया। कर्मचारियों का कहना है कि 13 मई को सरकार के साथ 17 मांगों पर सहमति बनी थी, लेकिन अब तक समझौते के अनुसार आवश्यक आदेश जारी नहीं किए गए हैं।

नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा और हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के अनुसार प्रदेशभर की नगर पालिका परिषदों, नगर निगमों और फायर विभागों में कामकाज प्रभावित रहेगा। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि जब तक समझौते में शामिल मांगों के क्रियान्वयन संबंधी पत्र जारी नहीं होते, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भी हड़ताली कर्मचारियों ने पालिका परिषदों और नगर निगम कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद

ठेका प्रथा खत्म करने और कर्मचारियों को नियमित करने की मांग को लेकर जारी आंदोलन।

कर्मचारियों की समस्याओं और मांगों को लेकर विचार गोष्ठियां आयोजित की गईं।

इनमें विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, किसान, मजदूर, दलित और कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लेकर कर्मचारियों के आंदोलन को समर्थन दिया। कर्मचारी नेताओं ने सरकार पर बातचीत के नाम पर केवल औपचारिकता निभाने का आरोप लगाया। उनकी प्रमुख मांगों में पालिका रोल पर कार्यरत अनुबंध और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित करना, ठेका प्रथा समाप्त करना, रिक्त पदों पर नियमित भर्ती करना तथा सफाई और सीवर कर्मचारियों की स्थायी भर्ती शामिल है।

फायर विभाग के अनुबंध कर्मचारियों को नियमित करने के साथ शहीद कर्मचारी भविष्य चंद्र और रणवीर के आश्रितों को 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग भी की गई है। इसके अलावा कर्मचारियों ने वर्दी भत्ता और जोखिम भत्ता देने की मांग उठाई है। संघ ने 17 अगस्त से सांसदों और विधायकों को मांग पत्र और ज्ञापन सौंपने का फैसला किया है। कर्मचारी नेताओं ने जनप्रतिनिधियों से 27 अगस्त से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में उनकी मांगों को प्रमुखता से उठाने की अपील की है।

वाजपेयी की पुण्यतिथि पर खिलाड़ियों संग पहुंचे खेल मंत्री, सुविधाएं बढ़ाने पर दिया जोर

खेल मंत्री बोले- संसाधनों के अभाव में कोई प्रतिभावान खिलाड़ी पीछे न रहे, सरकार इसी दिशा में काम कर रही है

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने नई दिल्ली स्थित 'सदैव अटल' स्मृति स्थल पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके साथ ग्लासगो कामनवेल्थ गेम्स में देश और प्रदेश का नाम रोशन करने वाले हरियाणा के खिलाड़ी भी मौजूद रहे। खेल मंत्री ने अटल बिहारी वाजपेयी के राष्ट्रसेवा, राष्ट्र प्रथम और देशहित की भावना को याद करते हुए उन्हें नमन किया।

गौरव गौतम ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन देश के प्रति समर्पण और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि वाजपेयी ने अपने कार्यों और विचारों से देश की राजनीति और सार्वजनिक जीवन में एक अलग पहचान बनाई। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देना प्रत्येक देशवासी के लिए गौरव का अवसर है। कार्यक्रम के दौरान खेल मंत्री ने हरियाणा के खिलाड़ियों से भी बातचीत की और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनके प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर देश-दुनिया में हरियाणा की पहचान मजबूत की है। कुश्ती, मुक्केबाजी, एथलेटिक्स,

निशानेबाजी, हाकी, बैडमिंटन और पैरा-स्पोर्ट्स सहित विभिन्न खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया है।

खेल मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सुविधाओं के विस्तार पर गंभीरता से काम कर रही है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाएं और आवश्यक आधारभूत ढांचा उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए बेहतर वातावरण मिले और उन्हें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की तैयारी में किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में मौजूद खेल प्रतिभाओं को आगे लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। गौरव गौतम ने कहा कि गांवों और छोटे शहरों में बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली युवा मौजूद हैं, लेकिन कई बार पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षण उपलब्ध नहीं होने के कारण उनकी प्रतिभा सामने नहीं आ पाती।

सरकार ऐसे खिलाड़ियों को अवसर देने और उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार काम कर रही है। खेल मंत्री ने खिलाड़ियों से कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतना केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह पूरे देश के लिए गौरव का विषय होता है। जब कोई खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा फहराता है तो उसकी सफलता से प्रदेश और देश के करोड़ों लोगों का सम्मान बढ़ता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों की उपलब्धियां प्रदेश के लाखों युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने और देश के लिए पदक जीतने की प्रेरणा देती हैं।

गौरव गौतम ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि हरियाणा की खेल प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार नए कीर्तिमान स्थापित करें। इसके लिए प्रशिक्षण व्यवस्था को मजबूत करने के साथ खेल परिसरों और अन्य आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों को मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मौजूद कामनवेल्थ गेम्स के पदक विजेता खिलाड़ियों ने भी अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की। खिलाड़ियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना और तिरंगा फहराना उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा कि देश के लिए पदक जीतने का सपना उन्हें लगातार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम में अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि देने के साथ हरियाणा की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और प्रदेश में खेल सुविधाओं को और मजबूत करने का संकल्प भी दोहराया गया।

नूंह में स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल, प्रसव के लिए आई महिला ने पीएचसी के बाहर दिया बच्चे को जन्म

भारतेन्दु संवाददाता, नूंह

गांधी ग्राम घासेड़ा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के लिए पहुंची एक महिला को कथित तौर पर कम हीमोग्लोबिन बताकर भर्ती नहीं किया गया। इसके बाद महिला ने स्वास्थ्य केंद्र के बाहर ही बच्चे को जन्म दे दिया। घटना के बाद स्वजन ने ड्यूटी पर तैनात नर्स पर लापरवाही और अनदेखी का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच के लिए टीम गठित कर दी है। जानकारी के अनुसार, खोड़ बसई गांव की करीब 40 वर्षीय महिला बुधवार देर रात लगभग नौ बजे प्रसव के लिए घासेड़ा पीएचसी पहुंची थी। स्वजन का आरोप है कि वहां तैनात नर्स ने महिला के खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम होने की बात कहते हुए उसे प्रसव केंद्र में भर्ती करने से मना कर दिया। महिला को कथित तौर पर दूसरे अस्पताल में रेफर करने की बात कहकर केंद्र से बाहर कर दिया गया।

स्वजन के मुताबिक, महिला उस समय प्रसव पीड़ा से काफी परेशान थी। केंद्र से बाहर निकलने के कुछ ही मिनट बाद उसने स्वस्थ बेटे को जन्म दे दिया। इसके बाद परिजनों ने पीएचसी परिसर में हंगामा शुरू कर दिया और नर्स पर महिला की स्थिति को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाया। स्वजन का यह भी आरोप है कि बच्चे के जन्म के बाद महिला को पीएचसी के अंदर ले जाया गया, लेकिन कुछ देर बाद स्टाफ ने लाइट बंद कर दी। हंगामे के बीच स्टाफ नर्स की तबीयत बिगड़ने जैसी स्थिति भी बनी। बाद में

महिला को स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया और आवश्यक प्रक्रिया पूरी की गई।

अगले दिन महिला और नवजात को स्वास्थ्य केंद्र से छुट्टी दे दी गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने जांच के लिए टीम गठित की है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना ने ग्रामीण क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं और प्रसव के दौरान मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की मांग उठाई है। लोगों का कहना है कि प्रसव के दौरान महिलाओं को समय पर चिकित्सकीय सहायता और सुरक्षित वातावरण मिलना जरूरी है। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही लापरवाही की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

दिल्ली में सस्ते घरों की मांग तेज, डीडीए के आधे से ज्यादा फ्लैट पहले दिन बुक

डीडीए की कर्मजीवी आवास योजना को पहले दिन शानदार रिस्पॉन्स, आधे से ज्यादा मकान बुक

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण की कर्मजीवी आवास योजना 2026 को पहले ही दिन शानदार प्रतिक्रिया मिली है। योजना के तहत रियायती दरों पर उपलब्ध कराए गए तैयार मकानों को खरीदने के लिए लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। पहले दिन ही पचास प्रतिशत से अधिक मकानों की बुकिंग हो गई। योजना के तहत कुल एक हजार दो सौ अठारह तैयार मकान उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें अलग-अलग श्रेणियों के मकान शामिल हैं। बुकिंग शुरू होते ही बड़ी संख्या में लोगों ने आवेदन किया और कई मकान तेजी से बुक हो गए।

इस योजना का उद्देश्य लोगों को राजधानी में अपेक्षाकृत किफायती दरों पर तैयार आवास उपलब्ध कराना है। योजना में शामिल मकान दिल्ली के विभिन्न इलाकों में स्थित हैं। इनमें रहने के लिए जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, योजना को मिल रही प्रतिक्रिया से पता चलता है कि राजधानी में किफायती और तैयार आवास की मांग काफी अधिक है। आवेदन और बुकिंग की प्रक्रिया ऑनलाइन रखी गई है, जिससे लोगों को सुविधा मिल रही है। अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत उपलब्ध मकानों में बड़ी संख्या पहले ही दिन बिक गई। शेष मकानों के लिए भी आने वाले दिनों में बड़ी संख्या में आवेदन आने की उम्मीद है। लोगों में इस योजना को लेकर काफी उत्साह बना हुआ है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण की कर्मजीवी आवास योजना के तहत लोगों को तैयार मकान खरीदने का अवसर मिल रहा है। योजना की खास बात यह है कि इसमें मकान रियायती कीमतों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आवेदन प्रक्रिया शुरू होते ही बड़ी संख्या में लोगों ने रुचि दिखाई और पहले ही दिन आधे से अधिक मकानों की बुकिंग हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, योजना में शामिल मकानों की कीमत और स्थान लोगों के लिए आकर्षण का प्रमुख कारण हैं। तैयार मकान होने के कारण खरीदारों को निर्माण पूरा होने का इंतजार भी नहीं करना पड़ेगा। योजना के तहत उपलब्ध मकानों में अलग-अलग आकार और श्रेणी के विकल्प दिए गए हैं। ऑनलाइन आवेदन और बुकिंग की सुविधा होने से लोगों को घर बैठे प्रक्रिया पूरी करने में आसानी हो रही है।

सोते हुए पिता पर बेटे ने कुल्हाड़ी से किए 5-6 वार, फिर मेट्रो के आगे कूदकर दी जान

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा के थाना फेज-3 क्षेत्र स्थित गढ़ी चौखंडी गांव में हुई एक सनसनीखेज वारदात में 16 वर्षीय किशोर अमृत ने सोते समय अपने पिता राजू शर्मा (40) की कुल्हाड़ी से वार कर निर्मम हत्या कर दी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी बेटे ने देर रात 12 बजे से सुबह 6 बजे के बीच अपने पिता पर हमला किया था। उसने सोते हुए पिता के सिर पर एक ही जगह कुल्हाड़ी से 5 से 6 वार किए, जिससे अत्यधिक रक्तस्राव (हेमरेजिक शॉक) के कारण राजू की मौके पर ही मौत हो गई।

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी बेटे ने खून से सने कपड़े बदले, कमरे में बाहर से ताला लगाया और पिता का मोबाइल फोन लेकर फरार हो गया। इसके बाद उसने सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन पहुंचकर ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस और परिजनों की तलाश के बाद कमरे से आ रही दुर्गंध के आधार पर ताला खोला गया, जहां राजू का शव लहूलुहान हालत में मिला। पास में ही खून से लथपथ कुल्हाड़ी बरामद की गई। हत्या के पीछे का मुख्य कारण पिता का अत्यधिक सख्त और सनकी रवैया बताया जा रहा है। राजू बच्चों को ट्यूशन पढ़ाते थे और पत्नी से अलगाव के बाद उन्होंने अपने बेटे पर कई सख्त पाबंदियां लगा रखी थीं। वह बाहर जाते समय बेटे को कमरे में बंद कर देते थे और उसे स्कूल भी नहीं भेजते थे। इसी मानसिक तनाव और पाबंदियों से परेशान होकर किशोर ने अपने पिता की हत्या कर दी।

न्यूज ब्रीफ

रेवाड़ी में दर्दनाक हादसा, खड़े ट्रक से टकराई बाइक, पति की मौत

एजेंसी ,नई दिल्ली रेवाड़ी में दिल्ली-जयपुर हाईवे पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा उस समय हुआ जब दंपती अपनी बहन को तीज का त्योहार देकर वापस लौट रहे थे। रास्ते में बाइक सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जांच के दौरान डॉक्टरों ने व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनकी पत्नी का इलाज जारी है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस सड़क किनारे खड़े ट्रक को लेकर भी जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि मृतक अपनी बहन को तीज का त्योहार देकर पत्नी के साथ घर लौट रहे थे। त्योहार की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब सड़क हादसे में भाई की जान चली गई। घटना की सूचना मिलने के बाद परिवार में शोक का माहौल है। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पलवल पुलिस की बड़ी सफलता,इनामी अंतरराज्यीय बदमाश गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली पलवल में एसटीएफ गुरुग्राम और हथीन थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने खरिया मोहल्ला में परिवार को बंधक बनाकर डकैती डालने के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक लाख पांच हजार रुपये के इनामी अंतरराज्यीय बदमाश और कथित मास्टरमाइंड धारा सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के रायपुर बांगर का रहने वाला बताया गया है। पुलिस के अनुसार, खरिया मोहल्ला में बदमाशों ने एक परिवार को बंधक बनाकर डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस को धारा सिंह की संलिप्तता के बारे में जानकारी मिली। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। आरोपी पर एक लाख पांच हजार रुपये का इनाम घोषित था। एसटीएफ गुरुग्राम और हथीन पुलिस ने सूचना के आधार पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ शुरू की है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान डकैती की वारदात में शामिल अन्य आरोपियों और उनके ठिकानों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है। गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने अदालत में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान पुलिस डकैती में इस्तेमाल साधनों, लूटे गए सामान और गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाएगी। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

मेवात में गर्मी का कहर, स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में छात्राएं बेहोश

एजेंसी, नई दिल्ली नूंह पुलिस लाइन में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान गर्मी और उमस के कारण एक दर्जन से अधिक स्कूली छात्राएं अचानक बेहोश हो गईं। छात्राओं के बेहोश होने से कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों और अधिकारियों ने तुरंत स्थिति संभाली और एंबुलेंस बुलाकर छात्राओं को अस्पताल पहुंचाया।जानकारी के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में छात्राएं काफी देर तक तेज गर्मी और उमस के बीच खड़ी थीं। इसी दौरान कुछ छात्राओं को चक्कर आने लगे और वे जमीन पर गिरकर बेहोश हो गईं। देखते ही देखते कई अन्य छात्राओं की तबीयत भी बिगड़ गई। घटना के बाद बेहोश छात्राओं को नूंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और नल्हड़ मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। वहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार किया गया। प्राथमिक उपचार और जांच के बाद सभी छात्राओं की हालत में सुधार बताया गया। उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। छात्राओं के अचानक बेहोश होने से कार्यक्रम में मौजूद अभिभावकों और शिक्षकों में भी चिंता फैल गई। स्वास्थ्यकर्मियों ने छात्राओं की स्थिति पर नजर रखी और जरूरी उपचार किया। अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि तेज गर्मी और उमस के कारण छात्राओं की तबीयत बिगड़ी। राहत की बात यह रही कि किसी छात्रा की हालत गंभीर नहीं हुई। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद छात्राओं को उनके परिजनों के साथ घर भेज दिया गया।

मेवात में खेती का नया अध्याय, अब ड्रैगन फ्रूट उगाएंगे किसान

एजेंसी, नई दिल्ली गुरुग्राम के न्यू कॉलोनी थाना क्षेत्र के मदनपुरी में एक राजमिस्त्री के अपहरण का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, राजमिस्त्री एक मकान पर टाइल लगाने का काम करने आया था। इसी दौरान 8-10 बाइक सवार युवकों ने उसे घेर लिया और उसके साथ मारपीट करने लगे। आरोपियों ने जबरन उसे मोटरसाइकिल पर बैठाया और वहां से लेकर फरार हो गए। मिस्त्री को बचाने के लिए मकान मालिक ने आरोपियों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने उसे भी जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने आसपास के इलाकों में तलाश शुरू कर दी।करीब चार घंटे की तलाश के बाद पुलिस ने अपहृत राजमिस्त्री को सेक्टर-37 के पास से बरामद किया। वह उस समय बेहोशी की हालत में मिला। पुलिस ने उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों की निगरानी में उसका उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। वारदात के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और संदिग्धों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

फरीदाबाद में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, सरगना समेत 7 गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद पुलिस ने साइबर ठगी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने मामले में सरगना समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी दिल्ली के राजौरी गार्डन स्थित एक होटल में फर्जी कॉल सेंटर चला रहे थे और लोगों को क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने तथा अन्य बैंकिंग सुविधाएं दिलाने का झांसा देकर ठगी करते थे। आरोपियों का तरीका बेहद शातिर था। वे लोगों को फोन कर खुद को बैंक कर्मचारी बताते थे और क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का लालच देते थे।

इसके बाद पीड़ितों से ओटीपी और अन्य बैंकिंग जानकारी हासिल कर उनके खातों या कार्ड से रकम निकाल लेते थे। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह अब तक करीब 400 से 500 लोगों को अपना शिकार बना चुका है। मामले का खुलासा पुलिस को मिली सूचना और तकनीकी जांच के बाद हुआ। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी और आरोपियों की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी कॉल सेंटर पर दबिश दी और सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी में इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल फोन, सिम कार्ड, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। इन उपकरणों की जांच कर पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और ठगी के नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। पूछताछ में आरोपियों से ठगी के तरीके, बैंकिंग जानकारी जुटाने और पीड़ितों को निशाना बनाने से संबंधित अहम जानकारी मिलने की उम्मीद है। पुलिस यह भी पता कर रही है कि गिरोह ने कितनी रकम की ठगी की और उसके तार किन-किन राज्यों से जुड़े हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंकिंग पासवर्ड, कार्ड की जानकारी या अन्य गोपनीय विवरण साझा न करें।

दिल्ली में 16 वर्षीय किशोर की हत्या मुख्य आरोपी समेत दो हरिद्वार से गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

आदर्श नगर में किशोर हत्याकांड, दो आरोपी गिरफ्तार

बाहरी दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में 16 वर्षीय किशोर नीरज उर्फ नीजा की गोली और चाकू मारकर हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी अमन उर्फ मुल्ला और उसके साथी मोनी को हरिद्वार से गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी वारदात के बाद दिल्ली से फरार होकर हरिद्वार पहुंच गए थे। पुलिस ने गुप्त सूचना और जांच के आधार पर दोनों को दबोचा। पुलिस के अनुसार, हत्या की यह वारदात आदर्श नगर के लाल बाग झुग्गी इलाके में हुई थी। नीरज पर आरोपियों ने कथित तौर पर गोली चलाई और चाकू से भी हमला किया।

गंभीर रूप से घायल किशोर को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया और पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अलग-अलग टीमों का गठन किया। टीमों ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों के हरिद्वार में छिपे होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने वहां पहुंचकर अमन उर्फ मुल्ला और मोनी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर हत्या के पीछे की वजह और वारदात में इस्तेमाल हथियारों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हत्या की साजिश में कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं। जांच अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सावन के तीसरे सोमवार पर आगरा में ट्रैफिक डायवर्जन, भारी वाहनों की एंट्री बंद

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा में सावन के तीसरे सोमवार को होने वाले धार्मिक आयोजनों को देखते हुए यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया जाएगा। प्रमुख शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के साथ कैलाश मंदिर में लगने वाले मेले को देखते हुए यातायात पुलिस ने विशेष डायवर्जन प्लान तैयार किया है। यह व्यवस्था 16 अगस्त की शाम चार बजे से लागू होकर 17 अगस्त को कार्यक्रम समाप्त होने तक जारी रहेगी।

यातायात पुलिस के अनुसार, इस दौरान शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक रहेगी। इसके अलावा भीड़ और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई मार्गों पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित या नियंत्रित की जाएगी। जिन रास्तों पर यातायात का दबाव अधिक रहेगा, वहां वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से गुजारा जाएगा। सावन के तीसरे सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शिव मंदिरों में पहुंचने की संभावना है। कैलाश मंदिर मेले के कारण भी आसपास के क्षेत्रों में लोगों की भीड़ बढ़ेगी।

ऐसे में यातायात पुलिस का उद्देश्य श्रद्धालुओं की आवाजाही सुगम बनाए रखना और जाम की स्थिति से बचना है। प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे डायवर्जन व्यवस्था का पालन करें और अनावश्यक रूप से प्रतिबंधित मार्गों पर जाने से बचें। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे घर से निकलने से पहले अपने मार्ग की जानकारी कर लें और जरूरत पड़ने पर निर्धारित वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करें। यातायात व्यवस्था में बदलाव कार्यक्रम समाप्त होने तक प्रभावी रहेगा। पुलिसकर्मी प्रमुख मार्गों और भीड़ वाले क्षेत्रों में तैनात रहेंगे, ताकि यातायात सुचारु बना रहे और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

मेरठ में गूंजे देशभक्ति के नारे, 800 विद्यार्थियों ने निकाली प्रभात फेरी

एजेंसी, नई दिल्ली

मेरठ में देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दैनिक जागरण की ओर से भव्य प्रभात फेरी और अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें शहर के 13 स्कूलों के करीब 800 विद्यार्थी, एनसीसी कैडेट्स और शिक्षक शामिल हुए। सदर हनुमान चौक से शुरू हुई प्रभात फेरी करियप्पा रोड होते हुए माल रोड स्थित गांधी बाग पहुंची। तिरंगे और देशभक्ति के नारों के साथ निकली प्रभात फेरी से पूरा मार्ग राष्ट्रप्रेम के रंग में रंग गया। कार्यक्रम में मेजर जनरल सुमित राणा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी हमें असंख्य वीरों के बलिदान से मिली है। इसे केवल संभालना ही नहीं, बल्कि देश को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाना भी जरूरी है। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए जिम्मेदारी और कर्तव्य के प्रति जागरूक किया।

गुरुग्राम में बेकाबू डंपर ने युवक को कुचला, 29 वर्षीय राजेश की दर्दनाक मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम में केएमपी के पास सुल्तानपुर गांव में रविवार को तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से 29 वर्षीय युवक राजेश कुमार की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में उसके साथ मौजूद साथी बाल-बाल बच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डंपर तेज गति से आ रहा था और उसने सड़क पर जा रहे युवकों को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही राजेश सड़क पर गिर गया और डंपर का पहिया उसके पैरों के ऊपर से गुजर गया। गंभीर रूप से घायल राजेश की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। मृतक की पहचान राजेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच की जा रही है। चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद हादसे की परिस्थितियां स्पष्ट होंगी। हादसे के बाद पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ की है। परिजनों को सूचना देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कूड़े के पहाड़ों पर बड़ा एक्शन, दिल्ली में तेज होगा सफाई अभियान

दिल्ली में खत्म होंगे कचरे के पहाड़, तीन लैंडफिल पर फोकस

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने के लिए एमसीडी ने कचरा प्रबंधन की व्यवस्था को और मजबूत करने की तैयारी की है। राजधानी में भलस्वा, गाजीपुर और ओखला तीन प्रमुख लैंडफिल साइट हैं, जहां वर्षों से जमा कचरे के कारण विशाल पहाड़ बन गए हैं। अब निगम का लक्ष्य इन पुराने कचरे को तेजी से हटाने के साथ-साथ भविष्य में नए कूड़े के पहाड़ बनने से रोकना है। एमसीडी की योजना के अनुसार घरों और अन्य स्थानों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में बांटकर संग्रहित और प्रसंस्कृत किया जाएगा। इसमें मुख्य रूप से गीला कचरा, सूखा कचरा तथा विशेष प्रकार का कचरा शामिल होगा।

सूखे कचरे में प्लास्टिक, कागज, धातु और अन्य पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को अलग किया जा सकेगा, जबकि गीले कचरे से खाद या अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। सैनिटरी और ई-कचरे जैसे विशेष कचरे के लिए भी अलग व्यवस्था विकसित करने की योजना है। निगम का मानना है कि कचरे को शुरुआत से ही अलग-अलग करने और उसी स्तर पर उसका वैज्ञानिक प्रसंस्करण करने से लैंडफिल साइटों पर पहुंचने वाले कचरे की मात्रा काफी कम होगी। इससे पुराने कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने का काम भी आसान होगा और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा नहीं बनेगी। एमसीडी पहले से ही लैंडफिल साइटों पर बायो-माइनिंग के जरिए पुराने कचरे को हटाने का काम कर रही है।

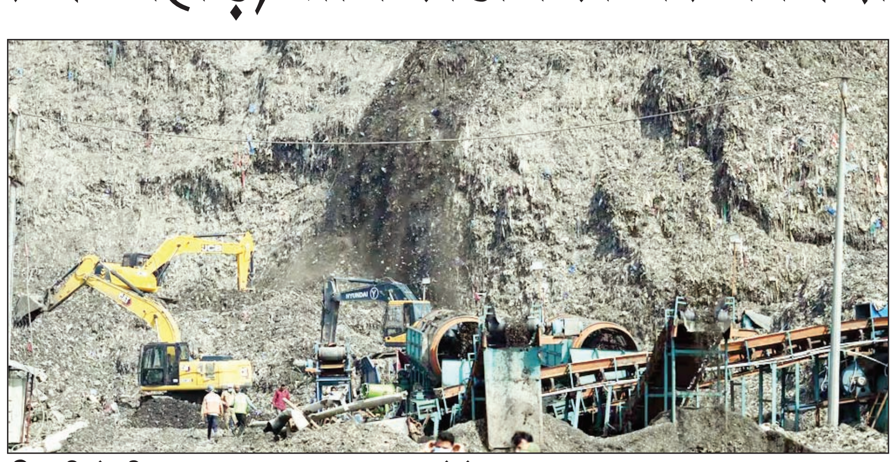

दिल्ली में तीन कचरा पहाड़ जल्द खत्म होंगे

सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, तीनों लैंडफिल साइटों पर वर्ष 2022 में करीब 203 लाख मीट्रिक टन कचरा मौजूद था। लगातार निस्तारण के बाद इसमें लगभग 40 प्रतिशत की कमी आई है और कुल मात्रा करीब 123.69 लाख मीट्रिक टन रह गई है। ओखला में बचे कचरे को 2026 में समाप्त करने का लक्ष्य है, जबकि भलस्वा को भी इसी अवधि में साफ करने की योजना है। गाजीपुर में कचरे की मात्रा सबसे अधिक है, इसलिए इसे पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य दिसंबर 2027 तक रखा गया है। एमसीडी ने कचरा प्रसंस्करण क्षमता बढ़ाने के लिए नई परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है।

पांच नई वेस्ट-प्रोसेसिंग परियोजनाओं पर करीब 596 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं। इनसे प्रतिदिन लगभग 5900 मीट्रिक टन कचरे के निस्तारण की क्षमता बढ़ेगी। इसके अलावा वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांटों के जरिए कचरे से बिजली बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। इस पूरी योजना का उद्देश्य दिल्ली को लैंडफिल के बोझ से मुक्त करना और कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन की स्थायी व्यवस्था बनाना है। यदि स्रोत पर कचरे का पृथक्करण और नियमित प्रसंस्करण प्रभावी ढंग से लागू होता है, तो राजधानी में भविष्य में नए कूड़े के पहाड़ बनने की संभावना काफी कम हो सकती है। एमसीडी लैंडफिल साइटों से पुराने कचरे को हटाने के साथ नई कचरा प्रसंस्करण परियोजनाएं शुरू करेगी। कचरे के पृथक्करण और वैज्ञानिक निस्तारण पर जोर दिया जाएगा। इससे भलस्वा, गाजीपुर और ओखला में कचरे का बोझ घटेगा और भविष्य में नए कूड़े के पहाड़ बनने से रोकने में मदद मिलेगी।

गाजियाबाद को बड़ी सौगात, 11 करोड़ से सुधरेगा सौर ऊर्जा मार्ग

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद के साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) करीब 11 करोड़ रुपये की लागत से सौर ऊर्जा मार्ग का निर्माण कराएगा। इस परियोजना से सड़क पर गड्ढों और जलभराव की लंबे समय से चली आ रही समस्या दूर होने की उम्मीद है। इससे क्षेत्र के उद्यमियों, कर्मचारियों और यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। सौर ऊर्जा मार्ग से कौशांबी बस डिपो की ओर जाने वाले रास्ते पर कई स्थानों पर सड़क जर्जर है। बारिश के दौरान यहां जलभराव होने से वाहन चालकों को परेशानी होती है और हादसों का खतरा भी बढ़ जाता है। स्थानीय उद्यमियों के अनुसार, खराब सड़क और पानी भरने के कारण औद्योगिक गतिविधियां भी प्रभावित होती हैं।

कई बार व्यावसायिक वाहन पानी में फंस जाते हैं, जिससे सामान की आवाजाही बाधित होती है। उद्यमी रमेश शर्मा ने बताया कि सड़क की खराब स्थिति से आसपास के उद्योगों को नुकसान उठाना पड़ता है। यूपीसीडा के डीजीएम सलिल यादव के अनुसार, सड़क निर्माण का प्रस्ताव तैयार हो चुका है। सौर ऊर्जा मार्ग के साथ नाले के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है।

प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। परियोजना पूरी होने के बाद सड़क की स्थिति बेहतर होने के साथ जलभराव की समस्या में भी कमी आने की उम्मीद है। साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में प्रस्तावित सौर ऊर्जा मार्ग के निर्माण से यातायात व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है। करीब 11 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क के साथ नाले का निर्माण भी कराया जाएगा। इससे बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या कम होगी और सड़क पर गड्ढों से भी राहत मिलेगी। खराब सड़क के कारण अक्सर वाहनों की रफ्तार प्रभावित होती है और औद्योगिक क्षेत्रों में सामान पहुंचाने में देरी होती है।

नई सड़क बनने से व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही सुगम होगी और आसपास के उद्योगों को भी फायदा मिलेगा। यूपीसीडा के अधिकारियों के अनुसार, निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है और जल्द काम शुरू होने की संभावना है। साहिबाबाद में 11 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला सौर ऊर्जा मार्ग क्षेत्र की सड़क व्यवस्था सुधारने में महत्वपूर्ण कदम होगा। सड़क और नाले के निर्माण से गड्ढों, जलभराव और यातायात संबंधी परेशानियां कम होंगी।

न्यूज ब्रीफ

उपमुख्यमंत्री मुकेश ने सुदेश कटोच की अंतिम यात्रा में शामिल होकर दी श्रद्धांजलि

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव मनमोहन कटोच की पूज्य माता सुदेश कटोच की अंतिम यात्रा में शामिल होने उनके पैतृक गांव इंदौरा पहुंचे। उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि मां का जाना जीवन में ऐसी रिक्तता छोड़ जाता है, जिसे कभी भरा नहीं जा सकता। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल सूरजपुर के प्रांगण में चेयरमैन रणवीर सिंह, सैक्टरी कमलजीत सिंह और प्रधानाचार्या अनुमीत कौर की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूम-धाम से मनाया गया। सर्वप्रथम छात्रों को बैठाने का अच्छी तरह से प्रबंध किया गया। छात्र तिरंगे के रंगों जैसी पोशाक पहने हुए बहुत सुंदर लग रहे थे। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने इस अवसर पर देश भक्ति की कविताएं, नृत्य, भाषण प्रस्तुत कर विद्यालय को देश भक्ति के रंग में रंग दिया। इस मौके पर विद्यालय को भी सुंदर ढंग से सजाया गया।अंत में प्रधानाचार्या ने सभी छात्रों के द्वारा प्रस्तुत किए गए कौशलों की प्रशंसा की व छात्रों को स्वतंत्रता दिवस के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रीय गान के साथ और भारत माता की जय के नारों के साथ इस कार्यक्रम का समापन किया गया।

चौपाल में खाई में गिरी कार, चालक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला जिले के चौपाल उपमंडल में रविवार को सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। यह दुर्घटना कलूण-सलाणा-झीना सड़क पर पलाईश नामक स्थान के पास हुई, जहां एक कार अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कार चला रहे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार दिन के समय करीब 11:45 बजे टाटा नेक्सन कार (एचपी 08सी-0779) पलाईश के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद आसपास के क्षेत्रों के लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए और राहत कार्य में जुट गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार वाहन में केवल एक ही व्यक्ति सवार था। मृतक की पहचान सुमित किमटा पुत्र नरेंद्र किमटा निवासी गांव कलूण, डाकघर चम्बी, तहसील चौपाल जिला शिमला के रूप में हुई है। हादसा इतना गंभीर था कि सुमित किमटा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की खबर मिलते ही परिजनों और स्थानीय लोगों में शोक की लहर फैल गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही थाना चौपाल से पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हुई और घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और दुर्घटना का कारण क्या रहा, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एनआईएफटीईएम काउंसिल के सदस्य बने सिकंदर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा सांसद प्रोफेसर (डॉ.) सिकंदर कुमार को राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (एनआईएफटीईएम) की काउंसिल का सदस्य निर्वाचित किया गया है। राज्यसभा सचिवालय के अनुसार उनका निर्वाचन निर्धारित प्रक्रिया के तहत 13 अगस्त को हुआ, जबकि इस संबंध में आधिकारिक कार्यालय ज्ञापन 14 अगस्त को जारी किया गया। एनआईएफटीईएम खाद्य प्रसंस्करण, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन, खाद्य सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े विषयों पर कार्य करने वाला प्रमुख राष्ट्रीय संस्थान है। काउंसिल में सिकंदर कुमार की नियुक्ति से खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़े नीतिगत निर्णयों में उनकी भागीदारी बढ़ेगी। हिमाचल की अर्थव्यवस्था में कृषि और बागवानी की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इस नियुक्ति को प्रदेश के लिए अहम माना जा रहा है। सेब, कीवी, मशरूम, अदरक और सब्जियों जैसे उत्पादों के प्रसंस्करण, संरक्षण और विपणन को बढ़ावा देने में इससे नए अवसर मिलने की उम्मीद है। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य प्रसंस्करण आधारित स्वरोजगार और उद्यमिता को भी बढ़ावा मिल सकता है। प्रोफेसर सिकंदर कुमार हमीरपुर जिले के कांगू क्षेत्र के गांव ढगोह से संबंध रखते हैं। वह शिक्षाविद और विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति भी रह चुके हैं।

एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा में देशभक्ति के रंग में रंगा स्वतंत्रता दिवस समारोह

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। एमसीएम डीएवी कॉलेज कांगड़ा में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति, उत्साह और गौरव के साथ मनाया गया। समारोह में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बलजीत सिंह पटियाल, शिक्षकगण, गैर-शिक्षक कर्मचारी, एनसीसी कैडेट्स और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। समारोह के दौरान कॉलेज परिसर देशभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। एनसीसी कैडेट्स ने अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना का परिचय देते हुए कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए देश के वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। प्राचार्य डॉ. बलजीत सिंह पटियाल ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के महत्व से अवगत करवाते हुए कहा कि देश की आजादी महान स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, संस्कार, अनुशासन और राष्ट्रसेवा को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सच्ची देशभक्ति केवल नारों तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने में है। समारोह ने विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, एकता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया। तिरंगे की शान और देशभक्ति के माहौल ने पूरे परिसर को गौरव से भर दिया।

मां को चढ़ाया एक किलो 100 ग्राम चांदी का मुकुट

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। हिमाचल प्रदेश के सुप्रसिद्ध शक्तिपीठ माता श्री चिंतपूर्णी जी के दरबार में श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का एक और सुंदर उदाहरण सामने आया है। पंजाब के संगरूर से आए एक श्रद्धालु परिवार ने माता रानी के चरणों में 1 किलो 100 ग्राम वजन का चांदी का छत्र अर्पित किया है। मौजूदा बाजार दरों के अनुसार, इस चांदी के छत्र की अनुमानित कीमत लगभग 2,60,000 से 2,75,000 के बीच आंकी जा रही है। मंदिर के मुख्य पुजारी संदीप कालिया ने इस श्रद्धालु परिवार की विधिवत पूजा-अर्चना और मंत्रोच्चारण के साथ हाजिरी लगवाई। पुजारी संदीप कालिया ने बताया कि इस परिवार की माता रानी के प्रति गहरी और अटूट आस्था है। परिवार की कोई विशेष मनोकामना थी, जो माता की अपार कृपा से हाल ही में पूर्ण हुई है। इसी कृतज्ञता और श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर इस परिवार ने मां के चरणों में यह भव्य छत्र समर्पित किया है।

अपनी भड़ास निकालने के लिए राष्ट्रीय महत्व के मंच का सीएम ने किया इस्तेमाल : जयराम ठाकुर

कहा–सुक्खू सरकार की विश्वसनीयता समाप्त, सेस और कर्मचारियों की अनदेखी पर भी घेरा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने स्वतंत्रता दिवस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय 'दीपकमल' में ध्वजारोहण भी किया और इस दिन के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री राष्ट्रीय महती के मंचों का इस्तेमाल अपनी राजनीतिक भड़ास निकालने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने सुक्खू सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए राष्ट्रीय महत्व के दिन स्वतंत्रता दिवस पर शिक्षण संस्थानों के राजनीतिकरण करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। शिमला में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 15 अगस्त के मंच का उपयोग राजनीतिक मकसद और व्यक्तिगत प्रचार के लिए कर रहे हैं। हर बड़े – छोटे मंच से सिर्फ राजनीतिक

बयानबाजी और झूठ बोलना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्कूलों में अपनी छवि बनाने के लिए आपदा में मुख्यमंत्री द्वारा किए काम को दिखाकर मुख्यमंत्री आखिर क्या साबित करना चाहते थे। सब जानते हैं कि ये राष्ट्रीय महत्व का दिवस होता है और इस दिन देश को आज़ाद करवाने में योगदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया जाता है और बच्चों को भी यही संदेश दिया जाता है ताकि उन्हें इस बात का स्मरण रहे कि ये आज़ादी उन्हें किन परिस्थितियों और कठिन संघर्षों के बाद हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश कांग्रेस सरकार ने बच्चों को ये संदेश देने के बजाय मुख्यमंत्री की अपनी भड़ास निकाल रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जनता का तो इस सरकार से मोहभंग हो ही चुका है लेकिन अब छोटे छोटे बच्चों का सहारा लेकर मुख्यमंत्री अपनी छवि सुधारना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता के दिलों में जगह बनाने के लिए काम करने होते हैं लेकिन ये सरकार काम करने के बजाए तालाबंदी पर विश्वास करती है। 15 अगस्त के दिन कर्मचारियों और पेंशनरों की मांगों को अनसुना करने पर तंज कसते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री झूठे आश्वासन देने के आदि हो चुके हैं। अब राज्य की खराब आर्थिक स्थिति के बहाने अनाथों व विधवाओं के नाम पर पेट्रोल-डीजल पर सेस वसूल कर सरकार चलाई जा रही है। इसके अतिरिक्त, रविवार सुबह रिज मैदान पर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए जयराम ठाकुर ने उन्हें नमन किया और कहा कि अटल टनल के स्वप्नद्रष्टा अटल जी का कार्यकाल हिमाचल के लिए वरदान था, जिनकी पीएमजीएसवाई योजना से आज प्रदेश की 55 फीसदी सड़कों का निर्माण संभव हो सका है। हिमाचल को वो अपना घर मानते थे और सत्ता में रहते हुए और विपक्ष में भी वो मनाली अपने घर प्रीणी आते रहे। यहां से उनका बेहद खास लगाव रहा।

वंदे मातरम के सम्मान पर भी कांग्रेस की राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण : अनुराग

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के गायन के दौरान कांग्रेस नेताओं के कथित व्यवहार पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस ने एक बार फिर साबित कर दिया कि उसके नेताओं को वंदे मातरम से कितनी दिक्कत है।

यह किसी पार्टी के प्रोटोकॉल का सवाल नहीं, बल्कि पूरे देश के सम्मान का प्रश्न है। अनुराग ने कहा कि कांग्रेस ने अपनी ओछी और तुष्टीकरण की राजनीति के चक्कर में आज पूरे देश का अपमान किया है। कांग्रेस के नेताओं को देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रगीत गाया जाता है तो प्रत्येक भारतीय से अपेक्षा रहती है कि वह पूरे सम्मान और अनुशासन के साथ खड़ा रहे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुख्यालय में आज जब वंदे मातरम के मूल स्वरूप का गायन किया जा रहा था, तब राहुल गांधी, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे असहमति जताते हुए दिखाई दिए और ऐसा प्रतीत हुआ कि वे वंदे मातरम् के गायन को रुकवाने का प्रयास कर रहे थे। यह स्थिति अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस के नाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सुपर अध्यक्ष राहुल गांधी, सुपर से भी ऊपर अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम का अपमान, दलित राष्ट्रीय अध्यक्ष का अपमान, 140 करोड़ भारतीयों का अपमान करने का काम किया है। कल सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने सिर्फ वंदे मातरम का ही अपमान नहीं किया, बल्कि अपनी ही पार्टी के एक दलित राष्ट्रीय अध्यक्ष को भी जमकर अपमानित किया, जब खड़गे वहां मौजूद थे, तो हर तरह के निर्देश देने के अधिकारी वो ही थे, मगर वंदे मातरम गायन के बीच में सोनिया जी ने राष्ट्रीय गीत को रोकने का निर्देश देकर खुद को फिर एक बार राष्ट्रीय अध्यक्ष से ऊपर साबित किया और बताया कि कांग्रेस में कुर्सी पर चाहे कोई भी पीएम हो या प्रेसिडेंट हो, आदेश और निर्देश देने का हक तो सिर्फ़ गांधी परिवार को ही है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में सीएम की घोषणा का इंतजार करते रहे कर्मचारी और पेंशनर्स

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। प्रदेश भर के पेंशनर्स और कर्मचारी स्वतंत्रता दिवस समारोह के मौके का इंतजार कर रहे थे कि सरकार के मुखिया से डीए, बकायों या फिर कुछ और पेंडिंग चल रहे वित्तीय लाभों की घोषणा की जाएगी, लेकिन उनकी यह उम्मीदें 'धरी की धरी' ही रह गई हैं।

डीए का मसला पूर्व भाजपा सरकार के समय से विशाल रूप धारण किए हुए हैं, लेकिन मौजूदा सरकार के समय इसमें और इजाफा हुआ है और कर्मचारियों को डीए न मिलने से हर हजारों रुपए का नुक्सान हो रहा है। हालांकि राज्य सरकार वित्तीय मामले को लेकर हर मोर्चे पर यही कह रही है कि इसमें सुधार हो चुका है। आने वाले समय में सब चीजें अनुकूल हो जाएंगी। लेकिन अब लगता नहीं कि कर्मचारी वर्ग को इस मिलने वाली 'तसल्ली' पर ज्यादा भरोसा रहा है। यही वजह है कि हिमाचल के कर्मचारी इस वक्त वित्तीय लाभों को लेकर लगातार हो रहे विलंब के मसले पर चुप रहेंगे । यह लाभ कब मिलेंगे ? मिलेंगे भी या नहीं ? या कोई और पॉलिसी राज्य सरकार इन लंबित चल रहे वित्तीय मामलों में लाकर कुछ नया करने जा रही है। सरकार के गले की हड्डी बन चुके कर्मचारियों से जुड़े हुए इन वित्तीय मामलों में अब आने वाले दिनों में कुछ खास होने वाला है, ऐसी संभावनाओं को क्या कोई नया पड़ाव मिल पाएगा, ऐसा लगता नहीं है। बड़सर में जो राज्य स्तरीय कार्यक्रम हुआ। उसकी स्थिति का ही आंकलन कर लीजिए। स्थान की स्वीकृति को लेकर मामला हाई कोर्ट में था। 5 लाख स्कूल छात्र फंड में जमा करवाने के लिए कोर्ट के आदेश हुए, तब यह कार्यक्रम हो पाया। अब एक बात और है, जब इतने लोग वहां राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए आए हुए हों,या फिर बुलाए गए हों, तो और तो पब्लिक कुछ मांगती नहीं है, कम से कम पीने के पानी की व्यवस्था अच्छे से प्रशासन करवा देता, तो फिर उसे और जरूरत नहीं थी। धूप में ही बैठे लोगों को पीने का पानी आखिर किसने उपलब्ध करवाना था, इसका जवाब आयोजकों को निश्चित रूप में देना चाहिए।

जीव विज्ञान शिक्षक भर्ती का फाइनल परिणाम घोषित 77 उम्मीदवारों का चयन

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने शिक्षा विभाग में जीव विज्ञान के शिक्षकों के 78 पदों को फिक्स मानदेय के आधार पर भरने के लिए पोस्ट कोड–26017 के तहत आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा में सफल हुए उम्मीदवारों के दस्तावेजों की जांच के बाद अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि इन पदों के लिए कुल 3538 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से 2878 उम्मीदवारों ने कंप्यूटर आधारित परीक्षा दी थी और इस परीक्षा में 192 उम्मीदवारों का चयन दस्तावेजों की जांच के लिए किया गया था। 7 और 10 अगस्त को दस्तावेजों की जांच के बाद 77 उम्मीदवारों का चयन किया गया है। पात्र उम्मीदवार न मिलने के कारण एससी (स्वतंत्रता सेनानी परिजन) वर्ग का एक पद खाली रह गया है। सचिव ने बताया कि यह अंतिम परिणाम सभी उम्मीदवारों के नाम, रोल नंबर और अंकों सहित आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दिया गया है।

समीरपुर में प्रेम कुमार धूमल ने फहराया तिरंगा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को समीरपुर में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। इस अवसर पर पूरा वातावरण देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत रहा।

तिरंगा फहराने के बाद प्रो. धूमल ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं और स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों, अमर शहीदों तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महान सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रो. धूमल ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि उन महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को स्मरण करने का दिन है, जिनके संघर्ष के कारण देश को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि तिरंगा भारत की स्वतंत्रता, संप्रभुता, एकता और गौरव का प्रतीक है और प्रत्येक भारतीय के लिए इसका सम्मान सर्वोच्च है। उन्होंने कहा कि

आज भारत विश्व पटल पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश ने पिछले वर्षों में हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और आत्मनिर्भर तथा विकसित भारत के संकल्प के साथ नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने देशवासियों से राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने का आह्वान किया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि युवा शक्ति भारत के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं को देश की प्रगति, नवाचार, शिक्षा, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी के क्षेत्र में आगे बढ़कर योगदान देना चाहिए। प्रो. धूमल ने देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे भारतीय सेना के वीर जवानों को भी नमन किया और कहा कि उनके साहस, त्याग और समर्पण के कारण देशवासी सुरक्षित वातावरण में स्वतंत्रता का उत्सव मना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता हमें अनेक बलिदानों के बाद मिली है और अब हमारा दायित्व है कि हम देश की एकता, अखंडता और सम्मान को और मजबूत करें। प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए विकसित, समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देना चाहिए। समीरपुर में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों में देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला। सभी ने तिरंगे को नमन करते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव को बनाए रखने का संकल्प लिया।

बीएलई इंटरनेशनल स्कूल टिक्कर में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। बीएलई इंटरनेशनल स्कूल टिक्कर, जिला शिमला में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया।

समारोह में मुख्यातिथि के रूप में राजेश घई तथा यूको बैंक टिक्कर के प्रबंधक मुकुल शर्मा ने शिरकत की। उन्होंने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को देश की एकता और अखंडता के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को यादगार बनाया। स्कूल परिसर में राष्ट्रप्रेम और उत्साह का माहौल देखने को मिला। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने स्वतंत्रता सेनानियों एवं

शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर राज्य स्तरीय थ्रो बॉल प्रतियोगिता में भाग लेकर विद्यालय का नाम रोशन करने वाले छात्रों को स्कूल प्रबंधन की ओर से सम्मानित किया गया। स्कूल चेयरमैन सुनील भापता ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चों ने अपनी मेहनत, अनुशासन और खेल भावना से विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। समारोह में स्कूल प्रधानाचार्य चंद्रकांता भापता और एसएमसी प्रधान आदर्श शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने भी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

प्रदेश कांग्रेस करेगी जिला अध्यक्षों प्रभारियों के कामकाज की समीक्षा 20 अगस्त को बुलाई बैठक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संगठनात्मक गतिविधियों और जिला स्तर पर किए गए कार्यों की समीक्षा के लिए 20 अगस्त को एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार की अध्यक्षता में यह बैठक शिमला स्थित राजीव भवन में आयोजित होगी। बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, संबंधित जिला प्रभारी और सभी जिला कांग्रेस अध्यक्ष भाग लेंगे। प्रदेश कांग्रेस संगठन महामंत्री विनोद जिंटा ने बताया कि बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्षों के कामकाज की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों और जिला प्रभारियों से भी उनके कार्यों की रिपोर्ट ली जाएगी। जिलों और ब्लॉकों में संगठन की ओर से आयोजित कार्यक्रमों, जनसंपर्क अभियानों और संगठनात्मक गतिविधियों की भी समीक्षा होगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिला अध्यक्ष से अब तक किए गए कार्यों का पूरा ब्यौरा मांगा गया है।

न्यूज ब्रीफ

फोरलेन पर पिकअप से 180 पेटी बीयर बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। पुलिस थाना सदर की टीम ने मंडी भराड़ी फोरलेन पर नाकाबंदी के दौरान एक पिकअप वाहन से बिना वैध दस्तावेजों के 180 पेटी बीयर बरामद की है। पुलिस ने पिकअप वाहन को चैकिंग के लिए रोका था। तलाशी के दौरान वाहन में बड़ी मात्रा में बीयर पाई गई। पुलिस के अनुसार बरामद बीयर में 125 पेटी ज्जUBORG और 55 पेटी KINGFISHER शामिल हैं। बीयर के संबंध में चालक और वाहन में सवार अन्य लोगों के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए गए। इस मामले में पुलिस ने पिकअप चालक रोहित कौंडल, निवासी मंडी माणवा, कोठीपुरा, बिलासपुर तथा उसके साथ मौजूद गुरप्रीत सिंह और सुमित कुमार, दोनों निवासी मंडी माणवा, कोठीपुरा, बिलासपुर के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की आगामी जांच कर रही है और बरामद बीयर को लेकर दस्तावेजों एवं अन्य तथ्यों की पड़ताल की जा रही है।

घर से कुछ दूरी पर खेत में मिला महेंद्र पाल का शव

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। स्वारघाट उपमंडल की ग्राम पंचायत तंबोल में 12 अगस्त से लापता चल रहे महेंद्र पाल का शव शनिवार को उसके घर से कुछ दूरी पर स्थित खेत में मिला। मृतक की पहचान गांव बनेर, डाकघर तंबोल निवासी महेंद्र पाल के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, महेंद्र पाल के लापता होने के बाद परिजनों ने अपने स्तर पर उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। शिकायत मिलने पर पुलिस की विशेष टीमों ने विभिन्न संभावित स्थानों पर लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया। तलाश के दौरान महेंद्र पाल का शव घर के नजदीक खेत में बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में हलचल मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मृतक के चाचा सहित अन्य परिजनों ने मौके पर शव की पहचान की। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

शाहपुर में 24 से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। बीपी शर्मा के निवास स्थान पर दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से आध्यात्मिक सत्संग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वामी अश्विनी ने भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी, जबकि साध्वी राजविंदर भारती ने प्रवचन के माध्यम से प्रभु भक्ति का संदेश दिया। साध्वी राजविंदर भारती ने कहा कि मनुष्य को जीवन की प्रत्येक श्वास प्रभु की स्मृति में लगानी चाहिए। परमात्मा ही जीवन का वास्तविक आधार और रक्षा कवच हैं। उन्होंने आध्यात्मिक प्रसंगों के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रभु भक्ति का महत्व समझाया। कार्यक्रम के बाद भक्तजनों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साध्वी संदीप भारती ने बताया कि श्री आशुतोष महाराज की कृपा से शाहपुर स्थित अभिनंदन मैरिज पैलेस में 24 से 30 अगस्त तक सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा आयोजित होगी। कथा का वाचन साध्वी सुश्री भाग्यश्री भारती करेंगी। कथा प्रतिदिन शाम 6 से रात 9 बजे तक होगी और भंडारे की भी व्यवस्था रहेगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से परिवार सहित कथा में पहुंचने का आग्रह किया।

खोली पंचायत में मनाया स्वतंत्रता दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। विकास खंड कांगड़ा की ग्राम पंचायत खोली में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत प्रधान कुलवंत चौधरी ने की, जबकि उपप्रधान साहिल विशेष रूप से मौजूद रहे। पंचायत के सभी वार्ड पंचों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर पंचायत के शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया गया। कैप्टन मिलाप सिंह, रोशन लाल, विधि चंद, सुकदेव सिंह, सुदेश कुमार, हंस राज, अमर सिंह, चरण दास, सुमित चंद, कुलदीप चंद सहित संजय कुमार और देवेंद्र सिंह को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। समारोह में पंचायत सचिव अशोक कुमार, स्कूल की मुख्याध्यापिका सुनीता देवी, शिक्षिका ज्योति प्रकाश, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। प्रधान कुलवंत चौधरी ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों का बलिदान देशवासियों के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि पंचायत शहीद परिवारों के साथ हमेशा मजबूती से खड़ी है। उन्होंने लोगों से देश की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

हिमाचल के सरकारी कॉलेजों में आज अवकाश

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने 17 अगस्त (सोमवार) को राज्य के सभी सरकारी कॉलेजों और सरकारी संस्कृत कॉलेजों में अवकाश घोषित किया है। यह निर्णय स्वतंत्रता दिवस समारोहों में विद्यार्थियों और शिक्षकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी को देखते हुए लिया गया है। उच्च शिक्षा निदेशालय ने रविवार को इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। उच्च शिक्षा निदेशक सुनीता सिंह की ओर से जारी आदेश के अनुसार प्रदेश के सभी सरकारी कॉलेजों और सरकारी संस्कृत कॉलेजों में 17 अगस्त को छुट्टी रहेगी। आदेश में कहा गया है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कॉलेज स्तर, उपमंडल स्तर, जिला स्तर और राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इसी के मद्देनजर सरकार की मंजूरी के बाद यह अवकाश घोषित किया गया है। उच्च शिक्षा निदेशालय ने सभी सरकारी कॉलेजों और सरकारी संस्कृत कॉलेजों के प्राचार्यों को आदेशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रदेश के निजी कॉलेजों के प्राचार्यों को भी आदेश की प्रति भेजी गई है। निजी कॉलेजों से कहा गया है कि वे इस संबंध में अपने विवेक से उचित निर्णय लें। प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया था। सरकार ने इसी सहभागिता को सम्मान देने के उद्देश्य से सोमवार को विशेष अवकाश देने का फैसला किया है। इससे राज्य के सरकारी कॉलेजों में अध्ययनरत हजारों विद्यार्थियों और शिक्षकों को लाभ मिलेगा। स्कूल शिक्षा निदेशालय ने 15 अगस्त को ही प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में 17 अगस्त को अवकाश घोषित करने के आदेश जारी कर दिए थे। स्कूल शिक्षा विभाग ने भी स्वतंत्रता दिवस समारोहों में विद्यार्थियों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी को इसका आधार बताया था। ऐसे में सोमवार को हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों के साथ-साथ सभी सरकारी कॉलेज और सरकारी संस्कृत कॉलेज भी बंद रहेंगे।

'अपना परिवार सुखी परिवार' और 'इंदिरा गांधी मातृ शिशु संकल्प योजना' 2 अक्तूबर से होगी शुरू

मुख्यमंत्री सुक्खू ने राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बड़सर में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस का राज्य स्तरीय समारोह शनिवार को हमीरपुर जिले के बड़सर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, परेड का निरीक्षण किया और मार्चपास्ट की सलामी ली। परेड में पुलिस, आईआरबी, होमगार्ड, यातायात पुलिस सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों की टुकड़ियों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने समारोह में कर्मचारियों, पेंशनरों, स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को इसी माह वेतन बकाया के रूप में अतिरिक्त 20 हजार रुपए दिए जाएंगे। वर्ष 2016 से 2021 के बीच सेवानिवृत्त तृतीय श्रेणी पेंशनरों और पारिवारिक पेंशनरों को बकाया राशि का 35 प्रतिशत तथा प्रथम और द्वितीय श्रेणी के पेंशनरों को 15 प्रतिशत भुगतान इसी माह किया जाएगा। इन भुगतानों पर सरकार 281 करोड़ रुपए खर्च करेगी। उन्होंने अगले शैक्षणिक सत्र से प्रदेश में 100 नए सीबीएसई स्कूल खोलने तथा जल शक्ति विभाग में चार हजार पद भरने की घोषणा की। एनएचएम के तहत कार्यरत करीब 9 हजार आशा कार्यकर्ताओं का मासिक प्रोत्साहन 5,800 से बढ़ाकर 6,800 रुपये करने के साथ सात वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को एक अप्रैल 2026 से संशोधित वेतन देने की बात कही। आउटसोर्स स्टाफ नर्सों, फार्मासिस्टों, ऑपरेशन थियेटर सहायकों और प्रयोगशाला तकनीशियनों को 25 हजार तथा डेटा एंट्री ऑपरेटरों को 18 हजार रुपए मासिक पारिश्रमिक मिलेगा। मुख्यमंत्री ने 'इंदिरा गांधी मातृ शिशु संकल्प योजना' का पायलट चरण 2 अक्तूबर से 21 आईसीडीएस ब्लॉकों में शुरू करने की घोषणा की। योजना के तहत महिलाओं और बच्चों को अधिक पौष्टिक खाद्य सामग्री, दूध या अंडे उपलब्ध करवाए जाएंगे। उन्होंने 'अपना परिवार सुखी परिवार' योजना भी 2 अक्तूबर से शुरू करने की बात कही। इसके तहत चिन्हित 1.80 लाख जरूरतमंद परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए विशेष सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि बीपीएल परिवारों को मिल रहे लाभों में कोई कटौती नहीं होगी। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर देते हुए उन्होंने कांगड़ा के ढगवार में 250 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे अत्याधुनिक दुग्ध संयंत्र का कार्य इसी वर्ष पूरा होने की बात कही। अगले दो वर्षों में सात जिलों में दुग्ध प्रसंस्करण ढांचे पर 150 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने 'चिट्टा-मुक्त हिमाचल अभियान' के दूसरे चरण की शुरुआत 7 सितंबर से ऊना में करने की घोषणा की। उन्होंने स्वच्छ पेयजल के लिए दो हजार करोड़ रुपये की योजना, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रोपवे परियोजनाओं और स्वास्थ्य क्षेत्र में रोबोटिक सर्जरी जैसी उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्थानों में रोबोटिक सर्जरी 30 हजार से 80 हजार रुपए तक की लागत में उपलब्ध करवाई जा रही है।

सीएम ने 4,967 लाभार्थियों को 20 .61 करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय सहायता वितरित की

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हमीरपुर जिला के बड़सर में आयोजित 80वें राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत 4,967 पात्र लाभार्थियों को 20.61 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता वितरित की।

विवाह सहायता योजना के तहत 1,758 लाभार्थियों को 8.98 करोड़ रुपए, जबकि शिक्षा सहायता योजना के तहत 2,788 लाभार्थियों को 7.89 करोड़ रुपए प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, 17 लाभार्थियों को चिकित्सा सहायता के तौर पर 3.54 लाख रुपए दिए गए। इसी प्रकार, मृत्यु एवं अंतिम संस्कार सहायता योजना के तहत 60 लाभार्थियों को 1.49 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई, जबकि 109 लाभार्थियों को मातृत्व एवं पितृत्व सहायता योजना के तहत 38.02 लाख रुपए दिए गए। 68 लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए 89.77 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त दिव्यांग सहायता योजना के तहत 63 लाभार्थियों को 12 लाख रुपए दिए गए। वहीं 61 एकल, परित्यक्त एवं दिव्यांग महिलाओं को 61 लाख रुपए की सहायता प्रदान की गई। शिशु जन्म उपहार योजना के तहत 39 लाभार्थियों को 19.89 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी गई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज के प्रति उत्कृष्ट योगदान के लिए 77 वर्षीय सेवानिवृत्त वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेन्द्र कंवर को भी सम्मानित किया। डॉ. कंवर ने अपनी 80 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की पूरी चल एवं अचल संपत्ति डॉ. राधाकृष्णन राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, हमीरपुर को दान कर दी है। मुख्यमंत्री ने डॉ. कंवर के इस सराहनीय एवं अनुकरणीय कदम की प्रशंसा करते हुए इसे सामाजिक प्रतिबद्धता और मानव सेवा की प्रेरणादायक मिसाल बताया।

हमीरपुर के सभी उपमंडलों में मनाया स्वतंत्रता दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह जिले के सभी उपमंडलों में भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। हमीरपुर उपमंडल स्तर का समारोह यहां टाउन हॉल के परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें नगर निगम के आयुक्त राकेश शर्मा ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण से पहले सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गायन किया। इसके बाद टाउन हॉल में शहर के विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर सभी लोगों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए राकेश शर्मा ने कहा कि असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों के बाद ही हमारे देश को स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी। इसकी रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का प्रथम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि अगर हर नागरिक अपने-अपने स्तर पर देश एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों एवं उत्तरदायित्वों का निर्वहन करे तो हमारा देश एवं समाज तेजी से आगे बढ़ेगा।

जिला हमीरपुर के सभी न्यायिक परिसरों में भी मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर शनिवार को जिला हमीरपुर के सभी न्यायिक परिसरों में भी ध्वजारोहण किया गया।

जिला न्यायिक परिसर हमीरपुर में आयोजित कार्यक्रम में जिला एवं सत्र न्यायधीश पंकज शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने सभी लोगों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी तथा इस दिन के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश सचिन रघु, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सूर्य प्रकाश, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव कुलदीप शर्मा, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी रवि कुमार, सिविल जज टीना मल्होत्रा, सिविल जज विशाल ठाकुर, सिविल जज बिंद्रा देवी, एएसपी राजेश कुमार, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील कुमार, वरिष्ठ अधिवक्ता जेसी शर्मा, एसएचओ कुलवंत सिंह, जिला न्यायिक परिसर के कर्मचारी, ब्ल्यू स्टार स्कूल के विद्यार्थी और अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे। उधर, न्यायिक परिसर बड़सर में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विशाल कौंडल और न्यायिक परिसर नादौन में सिविल जज अनुज बहल ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी तथा स्थानीय बार एसोसिएशनों के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

पीडब्ल्यूएस अर्ली ईयर्स में देशभक्ति के रंग में रंगा स्वतंत्रता दिवस समारोह

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पीडब्ल्यूएस अर्ली ईयर्स में 15 अगस्त को 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े उत्साह, उमंग और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। समारोह का उद्देश्य नन्हे बच्चों को स्वतंत्रता, एकता और राष्ट्रप्रेम के महत्व से परिचित करवाना रहा।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण यूकेजी कक्षा के बच्चों की 'विविधता में एकता' विषय पर प्रस्तुति रही। बच्चों ने देश की विभिन्न संस्कृतियों और समुदायों को प्रस्तुत करते हुए आपसी एकता और भाईचारे का सुंदर संदेश दिया। नर्सरी और एलकेजी कक्षा के बच्चों ने स्वतंत्रता सेनानियों एवं महान राष्ट्रीय नेताओं की वेशभूषा धारण कर उनके जीवन और योगदान को प्रदर्शित किया। कक्षा एक के बच्चों ने देश के राष्ट्रीय प्रतीकों की आकर्षक प्रस्तुति दी। सभी बच्चों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया और समारोह को यादगार बना दिया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य बच्चों में बचपन से ही देशप्रेम, एकता, सम्मान, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। विद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयासरत रहेगा।

मंडी कॉलेज में हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास, गरिमा और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार ने तिरंगा फहराया। इस अवसर पर एनसीसी वायु सेना और आर्मी विंग के कैडेटों ने अनुशासन और सैन्य कौशल का प्रदर्शन करते हुए भव्य मार्चपास्ट प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन एनसीसी वायु सेना विंग के फ्लाइट कमांडर एवं एनसीसी अधिकारी फ्लाइंग ऑफिसर डॉ. चमन, आर्मी विंग के कंपनी कमांडर लेफ्टिनेंट डॉ. बलबीर सिंह और केयरटेकर ऑफिसर डॉ. कविता के मार्गदर्शन में हुआ। ओवरऑल परेड कमांडर की भूमिका सीनियर अंडर ऑफिसर मृदुल ने निभाई। हिमाचल प्रदेश एनसीसी एयर स्क्वाड्रन की हथियारबंद और गैर-हथियारबंद फ्लाइटों ने शानदार मार्चपास्ट किया।

बाबा बालकनाथ धाम में नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई, 25 चालान किए

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। विश्व प्रसिद्ध सिद्धपीठ बाबा बालकनाथ धाम दियोटसिद्ध में पुलिस ने नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 25 चालान किए हैं। पुलिस ने यातायात नियमों के उल्लंघन, सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान और प्रतिबंधित पॉलीथिन के इस्तेमाल के मामले में कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार मोटर वाहन अधिनियम के तहत 20 चालान किए गए, जिन्हें आगामी कार्रवाई के लिए न्यायालय भेजा गया है। सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान करने वालों के चार चालान कर मौके पर 400 रुपये जुर्माना वसूला गया। वहीं प्रतिबंधित पॉलीथिन के इस्तेमाल पर एक चालान करते हुए 500 रुपए जुर्माना लगाया गया। इस तरह धूम्रपान और पॉलीथिन के मामलों में कुल 900 रुपए जुर्माना वसूला गया। दियोटसिद्ध में देशभर से श्रद्धालु पहुंचते हैं। पुलिस ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान से बचने और प्रतिबंधित पॉलीथिन का इस्तेमाल न करने की अपील की है।

अमृतसर के दो नशा तस्करों से 20 .74 ग्राम चिट्टा बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। कांगड़ा पुलिस की सीआईए टीम ने एचआरटीसी बस में सवार अमृतसर के दो नशा तस्करों से 20.74 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। आरोपियों के खिलाफ शाहपुर थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई की है।

जानकारी के मुताबिक को पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर शाहपुर थाना क्षेत्र में आने वाले चंबी के पुराने पुल के समीप नाकाबंदी की हुई थी। इसी दौरान कटरा से संधोल जा रही हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बस को जांच के लिए रोका गया तो बस में सवार दोनों संदिग्धों की तलाशी लेने पर उनके पास से 20.74 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद हुआ है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित पदार्थ और बस टिकटों को कब्जे में लेकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना शाहपुर में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में साहिल (उम्र 19 वर्ष), निवासी गांव व डाकघर चविंडा देवी, तहसील मजीठा, पुलिस थाना कथूनंगल, जिला अमृतसर (पंजाब) तथा आलोक कुमार (उम्र 25 वर्ष), निवासी गांव व डाकघर चविंडा देवी, तहसील मजीठा, पुलिस थाना कथूनंगल, जिला अमृतसर (पंजाब) के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा आगे की जांच जारी है। अब पुलिस इस बात का पता लगा रही है कि यह नशीला पदार्थ कहां से लाया जा रहा था और इसकी आपूर्ति कहां की जानी थी।

बस में यात्री से चिट्टा बरामद, गिरफ्तार

शिमला पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक यात्री को 10 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शिमला पुलिस की विशेष सेल ने बालूगंज थाना क्षेत्र में की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 15 अगस्त को विशेष सेल की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि ननखड़ी क्षेत्र का रहने वाला 28 वर्षीय अमन ठाकुर सोलन से शिमला आने वाली बस में हेरोइन लेकर आ रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई की और राष्ट्रीय राजमार्ग-5 पर पुलिस चौकी शोघी के पास संबंधित बस को रुकवाया। पुलिस ने नियमानुसार बस की तलाशी ली। इस दौरान सीट पर बैठे अमन ठाकुर के काले रंग के पीठू बैग की जांच की गई। तलाशी के दौरान बैग में रखी एक सिगरेट की डिब्बी से 10 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने नशे की खेप को सिगरेट की डिब्बी में छिपाकर रखा हुआ था।

कर्मचारियों को आश्वासन नहीं, ठोस आर्थिक राहत और समयसीमा चाहिए: नरेश ठाकुर

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरकार द्वारा प्रदेश के कर्मचारियों व पेंशनरों के लंबित महंगाई भत्ते तथा पे एरियर के भुगतान को लेकर कोई ठोस घोषणा न किए जाने पर कर्मचारियों में निराशा और रोष है।

हिमाचल प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष नरेश ठाकुर ने कहा कि प्रदेश के कर्मचारियों को पूरी उम्मीद थी कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरकार द्वारा लंबे समय से लंबित भुगतान की घोषणा की जाएगी। स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर भी इस संबंध में कोई घोषणा न होना कर्मचारियों के लिए निराशाजनक है। नरेश ठाकुर ने कहा कि यह भुगतान कर्मचारियों का जायज अधिकार है, जिसे अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि कर्मचारी सरकार के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि सरकार से अपने जायज वित्तीय अधिकारों की मांग कर रहे हैं। प्रदेश के कर्मचारियों ने कोरोना महामारी सहित हर कठिन परिस्थिति में सरकार और जनता के साथ खड़े होकर अपनी जिम्मेदारियां निभाई हैं। इसलिए सरकार का भी दायित्व है कि वह कर्मचारियों की आर्थिक समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान करे।

नरेश ठाकुर ने कहा कि अब कर्मचारियों को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस आर्थिक राहत और निश्चित समय सीमा चाहिए। यदि सरकार शीघ्र कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है, तो हिमाचल प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ प्रदेश के कर्मचारियों के हित में लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन की आगामी रणनीति तय करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार को कर्मचारियों की नाराजगी को हल्के में नहीं लेना चाहिए और प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कर्मचारियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

समारोह | बिलासपुर में स्वतंत्रता दिवस पर शहीदों को किया नमन, गिनाईं हिमाचल की विकास उपलब्धियां

स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद रखना हमारा दायित्व: कुलदीप

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बिलासपुर में जिला स्तरीय समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने की। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और पुलिस, होमगार्ड तथा एनसीसी की टुकड़ियों द्वारा प्रस्तुत भव्य मार्चपास्ट की सलामी ली। विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समारोह में देशभक्ति का रंग भर दिया। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों तथा वीर सैनिकों के परिजनों को सम्मानित भी किया गया।

कुलदीप सिंह पठानिया ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों को याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1947 के भारत और आज के भारत में जमीन-आसमान का अंतर है। आजादी के समय देश शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं की गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा था, लेकिन स्वतंत्रता के बाद भारत ने निरंतर विकास की दिशा में कदम बढ़ाए और आज तेजी से उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी वीर शहीदों व और स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, त्याग और बलिदान का परिणाम है। स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने वाले सभी वीर सपूतों को सदैव याद रखना और उनके आदर्शों को आगे बढ़ाना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने बिलासपुर जिले के वीर सैनिकों के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां के जवानों ने स्वतंत्रता आंदोलन के साथ-साथ आजादी के बाद देश की सीमाओं की रक्षा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने शहीद सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। स्वतंत्रता सेनानी परिवार से संबंधित प्रेम देवी की उपस्थिति का भी उन्होंने उल्लेख किया। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि स्वतंत्रता के 79 वर्ष पूरे हो चुके हैं और देश 80वें स्वतंत्रता दिवस में प्रवेश कर रहा है। भारत के साथ हिमाचल प्रदेश ने भी विकास की लंबी यात्रा तय की है। उन्होंने कहा कि आजादी के शुरुआती दौर में प्रदेश में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं सीमित थीं, लेकिन आज हिमाचल देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने डॉ. वाई.एस. परमार, ठाकुर रामलाल, शांता कुमार, वीरभद्र सिंह, प्रो. प्रेम कुमार धूमल, जयराम ठाकुर और वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू सहित प्रदेश का नेतृत्व करने वाले सभी मुख्यमंत्रियों और सरकारों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि हिमाचल के गांव देश के औसत गांवों की तुलना में अधिक विकसित हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और बिजली के क्षेत्र में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। शत-प्रतिशत साक्षरता की दिशा में उपलब्धियां तथा लगभग शत-प्रतिशत विद्युतीकरण प्रदेश की बड़ी सफलताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार का विशेष ध्यान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर है। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की आर्थिक स्थिति सुधारने और गांवों को सशक्त बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में सरकार की पहल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हिमाचल देश का पहला राज्य है जिसने अनाथ और बेसहारा बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था की है। 6,500 से अधिक बच्चे इस व्यवस्था का लाभ उठा रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर 105 वर्षीय डॉ. प्रसाद सम्मानित

80वें स्वतंत्रता दिवस पर हर वर्ष की तरह इस बार भी ग्राम पंचायत बैरकोट में 105 वर्षीय डॉ. राजेंद्र प्रसाद को एपीएमसी के जिला अध्यक्ष संजीव गुलेरिया द्वारा एसडीएम की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष ने कहा कि उनके लिए यह अत्यंत गर्व और भावुकता का क्षण कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अपने जीवन के 105 वर्ष पूरे किए हैं और उनका जीवन हम सभी के लिए अनुभव, संघर्ष, सेवा, समर्पण और प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव और जीवन से मिली सीख आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन का काम करती है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी का जीवन भी हमें यह संदेश देता है कि उम्र चाहे कितनी भी हो, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और समाज के प्रति जुड़ाव हमेशा जीवन को सार्थक बनाते हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर मंत्री अनिरुद्ध ने उत्कृष्ट कार्यों के लिए विभूतियों व संस्थाओं को किया सम्मानित

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराजमंत्री अनिरुद्ध सिंह ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों और संस्थाओं को सम्मानित किया।

इस दौरान परेड में शामिल टुकड़ियों और सांस्कृतिक दलों को भी सम्मानित किया गया। एनडीपीएस एक्ट के मामलों की जांच में उत्कृष्ट कार्य के लिए डीएसपी सुंदरनगर भारत भूषण, निरीक्षक संजय कुमार, उप निरीक्षक दौलत राम और आरक्षी हंसराज को सम्मान मिला। मोटर वाहन अधिनियम के प्रभावी प्रवर्तन के लिए मुख्य आरक्षी मुनीश कुमार तथा लापता व्यक्तियों की तलाश में उल्लेखनीय कार्य के लिए मुख्य आरक्षी चंद्रकांत को सम्मानित किया गया। युवाओं और ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए संस्कृति महिला मंडल सदयाणा और नशा निवारण समिति कुम्मी को सम्मानित किया गया। प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रभावी कार्य के लिए जिला विकास अधिकारी गोपीचंद पाठक और एचएचसी मनोहर लाल को सम्मान मिला। खनन माफिया से हुई मुठभेड़ में साहस का परिचय देने पर एसडीएम सदर के चालक सूरज गुप्ता को भी सम्मानित किया गया। ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज रेसलिंग चैंपियनशिप के 72 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाली उपायुक्त कार्यालय की लिपिक अमृत कौर को भी सम्मान मिला। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए संगीत सदन मंडी, जवाहर नवोदय विद्यालय पंडोह, राजकीय नर्सिंग प्रशिक्षण संस्थान मंडी, डाइट मंडी और राजकीय वल्लभ डिग्री कॉलेज मंडी के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। परेड में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कमांडरों, प्लाटून कमांडरों, एनसीसी, स्काउट एंड गाइड, एनएसएस, स्कूल विद्यार्थियों तथा गृह रक्षक वाहिनी के जवानों और बैंड मास्टर को भी सम्मान प्रदान किया गया।

कैथरीन डियाज़एल का खूबसूरत अंदाज

साल्वाडोर। कैथरीन डियाज़एल साल्वाडोर की प्रसिद्ध सर्फर हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने देश का प्रतिनिधित्व किया और सर्फिंग में पहचान बनाई। कैथरीन डियाज अपनी प्रतिभा, जुनून और मेहनत के लिए जानी जाती थीं। वह युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनीं।

ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराकर बांग्लादेश ने रचा इतिहास

दुनिया की नंबर एक टीम को पहले टेस्ट मैच में नौ विकेट से दी करारी शिकस्त

एजेंसी, डार्विन

बांग्लादेश ने रविवार को यहां दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन ही नौ विकेट से करारी शिकस्त देकर इतिहास रच दिया। यह उसकी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर पहली और कुल मिलाकर दूसरी जीत है। बांग्लादेश की पहली पारी में महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाने वाले मेहदी हसन मिराज ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाया और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर उसे 284 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया केवल 56 रन की बढ़त ही हासिल कर पाया।

कैमरन ग्रीन ने अपना तीसरा टेस्ट शतक और ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला शतक बनाया। उन्होंने 201 गेंदों में 104 रन बनाए लेकिन इससे ऑस्ट्रेलियाई पारी की हार ही टाल पाया। बांग्लादेश के सामने केवल 57 रन का लक्ष्य था लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जोश हेज़लवुड ने पहली पारी में शतक लगाने वाले तंजीद हसन को शून्य पर आउट कर दिया, लेकिन शादमान

इस्लाम (नाबाद 25) और मोमिनुल हक (नाबाद 30) ने संयम बनाए रखते हुए अपनी टीम को 14.2 ओवरों में लक्ष्य तक पहुंचा दिया। बांग्लादेश की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने मैच में शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा।

ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में केवल 198 रन ही बना सका, जिसमें स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 71 रन बनाए। इसके बाद बांग्लादेश ने पिच के सपाट होने का फायदा उठाते हुए 426 रन बनाए और 228 रन की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। ग्रीन के शानदार शतक के बावजूद ऑस्ट्रेलिया पहली पारी के खराब प्रदर्शन से नहीं उभर पाया। इस तरह से बांग्लादेश ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। इससे पहले उसने 2017 में ढाका में ऑस्ट्रेलिया को हराया था।

ऑस्ट्रेलिया के लिए यह हार उसके 149 साल के टेस्ट इतिहास में घर पर हुई सबसे अपमानजनक पराजय में से एक है। इससे अब चयनकर्ताओं पर 22 अगस्त से क्वींसलैंड राज्य के मैकाय में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले टीम में बदलाव करने का काफी दबाव होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन की शुरुआत चार विकेट पर 161 रन से की लेकिन मेहदी ने 66 रन देकर पांच विकेट लिए और मेजबान टीम को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। तीसरे दिन के आखिर में स्मिथ का विकेट लेकर उन्होंने मैच को निर्णायक रूप से बांग्लादेश की ओर मोड़ दिया। इस ऑफ स्पिनर ने चौथे दिन पहले एलेक्स कैरी (30) को विकेट के पीछे लिटन दास हाथों कैच कराया और फिर ब्यू वेबस्टर (05) को बोल्ड किया। पैट कमिंस (08) की पारी संक्षिप्त रही। उन्होंने शॉर्ट लेग पर हसन मिराज को कैच दिया जो मेहदी का सुबह का तीसरा विकेट था। उन्होंने नाथन लियोन को एलबीडब्ल्यू आउट करके ऑस्ट्रेलिया की पारी का अंत किया। इस बीच हसन महमूद ने ग्रीन का महत्वपूर्ण विकेट लिया, जिन्होंने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे दिन मजबूत स्थिति में टीम इंडिया

एजेंसी, गॉल

भारत ने पहली पारी में 9 विकेट खोकर बनाए 460 रन

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन भारत मजबूत स्थिति में पहुंच गया है। गॉल में भारत ने पहली पारी में 9 विकेट पर 460 रन बना लिए हैं। दूसरे दिन बारिश के कारण करीब साढ़े चार घंटे की देरी से खेल शुरू हुआ। इसके बाद भारत ने 43 ओवर में 172 रन जोड़े। दिन का खेल खत्म होने पर कुलदीप यादव 12 और प्रसिद्ध कृष्णा 1 रन बनाकर नाबाद रहे। देवदत्त पडिक्कल ने 167 रन की पारी खेली। यह उनके टेस्ट करियर का पहला शतक है। पडिक्कल ने 230 गेंदों का सामना किया, जिसमें 15 चौके और एक छक्का लगाया। भारत ने 116 ओवर में 9 विकेट पर 460 रन बनाए हैं। कुलदीप यादव 12 और प्रसिद्ध कृष्णा 1 रन बनाकर नाबाद हैं। कुलदीप ने 115.3 ओवर में प्रभात जयसूर्या की गेंद पर चौका निकालकर मिड-ऑफ के ऊपर से चौका लगाया। जयसूर्या ने 39 ओवर में 109 रन देकर 4 विकेट लिए।

मैच के पहले सत्र का खेल बारिश में धुला

बारिश के कारण भारत और श्रीलंका के बीच यहां खेले जा रहे पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन रविवार को पहले सत्र का खेल नहीं हो पाया। बारिश ने लगातार दूसरे दिन खेल में खलल डाला। पहले दिन के दूसरे और तीसरे सत्र में भी बारिश के कारण खेल बाधित रहा था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर पोस्ट किया, ''मौसम ने इजाजत दी तो दूसरे दिन के दूसरे सत्र का खेल 12 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा।''

स्पोर्ट्स विंडो

यूरोपीय चैंपियनशिप में जूलियन वेबर ने 90.40 मी. भाला फेंककर बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी, बर्मिंघम। जर्मनी के भाला फेंक खिलाड़ी जूलियन वेबर ने यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 90.40 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीत लिया। वेबर ने यह थ्रो अपने अंतिम प्रयास में किया और इसके साथ ही चैंपियनशिप रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। 31 वर्षीय वेबर ने ब्रिटेन के स्टीव बैकली का 89.72 मीटर का पिछला चैंपियनशिप रिकॉर्ड तोड़ा। वेबर अंतिम प्रयास से पहले दूसरे स्थान पर थे और उनके हमवतन निक थुम उनसे आगे चल रहे थे। लेकिन आखिरी थ्रो में वेबर ने 90.40 मीटर की दूरी तय कर स्वर्ण पदक पर कब्जा कर लिया। इस प्रदर्शन के साथ वेबर इस सत्र में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे भाला फेंक खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले श्रीलंका के राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन रुमेश पथिरागे ने रोम डायमंड लीग में 92.67 मीटर का थ्रो किया था।

यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एमी हंट ने जीता तीसरा स्वर्ण पदक

एजेंसी, बर्मिंघम। ब्रिटेन की एमी हंट ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी करते हुए महिला रिले दौड़ में अपनी टीम को पहला स्थान दिलाकर यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तीसरा स्वर्ण पदक जीता। ब्रिटेन ने पुरुषों और महिलाओं दोनों की चार गुणा 100 मीटर रिले जीतकर फर्राटा दौड़ में अपना दबदबा बरकरार रखा। हंट ने इससे पहले 100 और 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीते थे। ब्रिटेन की महिला टीम ने उनकी अगुवाई में चार गुणा 100 मीटर की दौड़ 42.05 सेकंड में पूरी की। ब्रिटेन ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ 38.45 सेकंड में पूरी करके स्वर्ण पदक जीता। इस बीच यूक्रेन की ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक यारोस्लावा माहुचिख ने 1.97 मीटर की छलांग लगाकर यूरोपीय चैंपियनशिप में लगातार तीसरी बार ऊंची कूद का खिताब जीता। यूक्रेन के लिए यह मौजूदा चैंपियनशिप का पहला स्वर्ण पदक है। आयरलैंड की केट ओकोनोर ने महिला हेप्टाथलॉन में स्वर्ण पदक जीता। स्पेन की मारिया पेरेज ने हाफ मैराथन में एक घंटे 30 मिनट छह सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके लगभग दो घंटे बाद इटली की 21 वर्षीय सोफिया फियोरिनी ने तीन घंटे 15 मिनट 11 सेकंड में मैराथन का खिताब अपने नाम किया।

नोवाक जोकोविच सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में ही बाहर

एजेंसी, मेसन। विंबलडन के सेमीफाइनल में हारने के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट में खेल रहे नोवाक जोकोविच सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। अर्जेंटीना के 25 वर्ष की खिलाड़ी थियागो अगस्टिन तिराते ने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच को 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। यह मैच गर्म और उमस भरे मौसम में दो घंटे 44 मिनट तक चला। तिराते विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर हैं। तीन बार सिनसिनाटी चैंपियन रह चुके और रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज 39 वर्षीय जोकोविच विंबलडन के सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हार गए थे। जोकोविच को अब अमेरिकी ओपन में खेलना है, जो 30 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होगा। महिला वर्ग में फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला ने एलेना-गैब्रिएला रूसे को हरा कर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। रूसे ने पहला सेट गंवाया लेकिन टखने की चोट के कारण वह आगे खेल जारी नहीं रख पाई।

अफगानिस्तान ने आयरलैंड को हराकर 4-0 से जीती सीरीज

एजेंसी,बेलफास्ट

अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 299 रन का लक्ष्य 48.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम ने 5वें और आखिरी वनडे में आयरलैंड को 6 विकेट से हराया और सीरीज 4-0 से अपने नाम की। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए मुकाबले में रहमत शाह ने नाबाद 143 रन की पारी खेली। उन्होंने सिद्दीकुल्लाह अटल (98) के साथ तीसरे विकेट के लिए 201 रन जोड़े। यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में तीसरे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है।

अफगानिस्तान ने 299 रन का लक्ष्य हासिल कर वनडे में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज किया। इससे पहले टीम का सबसे बड़ा सफल रन चेज 295 रन था। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने 5 मैचों की सीरीज 4-0 से जीत ली। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था।

मैकार्थी ने दोनों ओपनर्स को आउट किया। 299 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने 6 ओवर के अंदर 22 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। आयरलैंड के तेज गेंदबाज लियम मैकार्थी ने रहमानुल्लाह गुरबाज और

रहमत और अटल ने तीसरे विकेट के लिए जोड़े 201 रन

रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की वनडे में तीसरे विकेट की नई रिकॉर्ड साझेदारी है। इससे पहले यह रिकॉर्ड रहमत शाह और हशमतुल्लाह शाहिदी के नाम था। दोनों ने 2021 में अबू धाबी में आयरलैंड के खिलाफ 184 रन जोड़े थे।

इब्राहिम जादरान को आउट किया। इसके बाद रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने पारी को संभाला। दोनों ने शुरुआती दबाव से निकलते हुए धीरे-धीरे रन गति बढ़ाई और आयरलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू किया।

पाकिस्तान हॉकी वर्ल्ड कप में पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूला

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूल गया। टीम की सेफ्टी किट ड्रेसिंग रूम में ही रह गई। इसके कारण कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखाया गया और उन्हें 2 मिनट के लिए मैदान से बाहर बैठना पड़ा। टीम को मैच में हार का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड ने 4-1 से हराया। इंग्लैंड के 1-0 से आगे होने के कुछ देर बाद करीब 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। पाकिस्तान के खिलाड़ी गोल के पीछे जरूरी प्रोटेक्टिव गियर तलाशने लगे, लेकिन किट वहां मौजूद नहीं थी। बाद में पता चला कि सामान ड्रेसिंग रूम में ही छूट गया था। एक खिलाड़ी को दौड़कर किट लानी पड़ी। किट आने में हुई देरी के बाद रेफरी ने पाकिस्तान के कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखा दिया। उन्हें दो मिनट के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान अकबर ने इस घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने इसे पाकिस्तान हॉकी का एक और 'अनवॉन्टेड रिकॉर्ड' बताया। उनका कहना था कि वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर के लिए जरूरी सुरक्षा उपकरण भूलना नहीं चाहिए।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में सिंधु की नजर रिकॉर्ड छठा पदक जीतने पर

एजेंसी, नई दिल्ली

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु सोमवार से यहां शुरू हो रही बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में घरेलू दर्शकों के सामने अपने नए आत्मविश्वास के साथ इतिहास रचने की कोशिश करेंगी। भारत 17 साल बाद इस चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है सिंधु सहित भारतीय खिलाड़ी इसका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। सिंधु अब तक विश्व चैंपियनशिप में पांच बार पदक जीत चुकी हैं और वह रिकॉर्ड छठा पदक जीतने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेंगी। उन्होंने इससे पहले विश्व चैंपियनशिप में एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं।

सिंधु के अलावा चीन के लिन डैन (पांच पुरुष एकल स्वर्ण पदक) और उनकी हमवतन झाओ युनलेई (तीन मिश्रित युगल और दो महिला युगल खिताब) ने ही विश्व चैंपियनशिप में पांच पदक जीते हैं। सेमीफाइनल में पहुंचने से सिंधु का कम से कम कांस्य पदक सुनिश्चित हो जाएगा, जिससे वह चैंपियनशिप के इतिहास में छह पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन जाएंगी।

नौवीं वरीयता प्राप्त सिंधु को अच्छा ड्रॉ मिला है। वह आयरलैंड की 141वीं रैंकिंग वाली सोफिया नोबेल के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। सिंधु का सामना प्री-क्वार्टरफाइनल में चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी और क्वार्टरफाइनल में इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वरदानी से हो सकता है, जबकि शीर्ष वरीयता प्राप्त और ओलंपिक चैंपियन आन से यंग उनके और फाइनल के बीच संभावित बाधा बन सकती हैं।

पिछले महीने जापान ओपन सुपर 750 जीतने वाली पहली भारतीय बनी सिंधु ने कहा, ''मैं विश्व चैंपियनशिप के लिए उत्सुक हूं। यह भारत में हो रही है, इसलिए मैं बेहद उत्साहित हूं। उम्मीद है कि जापान ओपन जीतने से मिला आत्मविश्वास बरकरार रहेगा और मैं यहां अच्छा प्रदर्शन करूंगी। मुझे भारतीय दर्शकों से भरपूर समर्थन की उम्मीद है और आशा है कि मैं यहां पदक जीतूंगी।' भारत के महिला एकल अभियान में उन्नति हुडा भी शामिल हैं जो पहली बार विश्व चैंपियनशिप में खेलेंगी। उनका पहला मैच म्यांमार की थेत हतार थुजार से होगा।

रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी से भी उम्मीदें

पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी का लक्ष्य फिर से पोडियम पर पहुंचना होगा। यह जोड़ी पहले ही दो बार विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकी है। उन्होंने 2022 और 2025 में तीसरा स्थान हासिल किया था। उन्हें पहले दौर में बाई मिली है और वे दूसरे दौर से अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

विदेशी मुद्रा भंडार फिर 700 अरब डॉलर के पार, चार महीने बाद बढ़ा

एजेंसी, संगारेड्डी

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए शुक्रवार को अच्छी खबर सामने आई। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार सात अगस्त 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14.136 अरब डॉलर बढ़कर 707.002 अरब डॉलर पर पहुंच गया। मध्य पूर्व में तनाव के कारण आई गिरावट के बाद करीब चार महीने में पहली बार विदेशी मुद्रा भंडार ने 700 अरब डॉलर का आंकड़ा पार किया है। इससे पहले 17 अप्रैल 2026 को यह 703.308 अरब डॉलर दर्ज किया गया था।

विदेशी मुद्रा भंडार में हुई इस बढ़ोतरी में फॉरेन करेंसी एसेट्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आंकड़ों के मुताबिक एफसीए 9.946 अरब डॉलर बढ़कर 574.625 अरब डॉलर हो गया। एफसीए में अमेरिकी डॉलर के अलावा यूरो, पाउंड और येन जैसी प्रमुख विदेशी मुद्राएं शामिल होती हैं। इससे देश की बाहरी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलने का संकेत मिलता है।

अरब डॉलर का जोरदार इजाफा

विदेशी मुद्रा भंडार किसी भी देश की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण संकेतक माना जाता है। पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार होने से देश को अंतरराष्ट्रीय भुगतान करने और आयात संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलती है। इसके अलावा रुपये पर दबाव बढ़ने की स्थिति में भारतीय रिजर्व बैंक बाजार में डॉलर की आपूर्ति कर रुपये की विनिमय दर को स्थिर रखने का प्रयास कर सकता है।

रिलायंस जामनगर समेत 21 कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने की छूट

एजेंसी, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के जरिए आयातित रसोई गैस की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंकाओं के बीच केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पहली बार अलग-अलग रिफाइनरी इकाइयों और तेल-गैस कंपनियों के लिए एलपीजी उत्पादन के लक्ष्य तय किए हैं।

सरकार ने तय किए घरेलू एलपीजी उत्पादन के लक्ष्य

वैश्विक कारकों और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

एजेंसी, मुंबई

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में बाजार की दिशा मुख्य रूप से वैश्विक घटनाक्रम पर निर्भर रहने की संभावना है। निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया में जारी संकट, कच्चे तेल की कीमतों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिलने वाले संकेतों पर रहेगी। इसके साथ ही घरेलू स्तर पर भी प्रमुख उद्योगों के जुलाई माह के आंकड़े भी बाजार की चाल को प्रभावित कर सकते हैं।

पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सोमवार और गुरुवार को बढ़त में बंद हुआ, जबकि बाकी तीन कारोबारी सत्रों में इसमें गिरावट रही। सप्ताह के दौरान सेंसेक्स कुल 489.92 अंक यानी 0.62 प्रतिशत गिरकर शुक्रवार को 78,009.25 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी सोमवार को छोड़कर बाकी चार सत्रों में लाल निशान में रहा। सप्ताह के दौरान निफ्टी 204.65 अंक यानी 0.83 प्रतिशत टूटकर 24,366 अंक पर पहुंच गया।

वृहत बाजार में हालांकि मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 0.48 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई, जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.65 प्रतिशत नीचे रहा। इससे संकेत मिलता है कि निवेशकों के बीच चयनात्मक खरीदारी बनी हुई है और बाजार में पूरी तरह से निराशा का माहौल नहीं है।

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से 19 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट रही। इनमें टीसीएस का शेयर 3.86 प्रतिशत टूटा। आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील और पावरग्रिड समेत कई प्रमुख कंपनियों के शेयर भी दबाव में रहे।

यूक्रेन ने रूस पर ड्रोन से किया हमला

मॉस्को के कई गोदामों में लगी आग, छह लोगों की मौत

एजेंसी, मॉस्को

यूक्रेन ने रूस पर अब तक का सबसे बड़ा और घातक हवाई हमला किया है। रविवार रात हुए इस हमले से पूरा रूस सिहर उठा। यूक्रेनी ड्रोन ने रूसी राजधानी मॉस्को से लेकर रोस्तोव तक भारी तबाही मचाई है। रूसी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, उसने रातभर में यूक्रेन के 822 ड्रोनों को मार गिराया। इस भयंकर हमले में रूस के भीतर कम से कम छह लोगों की जान गई है।

मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने बताया कि करीब 600 ड्रोन सीधे राजधानी मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। इनमें से एक-तिहाई ड्रोनों को मॉस्को क्षेत्र के ऊपर ही हवा में नष्ट कर दिया गया। मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव के अनुसार,

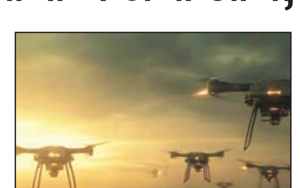

एक ड्रोन सीधे एक रिहायशी मकान से टकरा गया। इस हादसे में 83 साल के एक बुजुर्ग की मौत हो गई। हमले के कारण पोडोल्स्क शहर में ई-कॉमर्स कंपनी वाइल्डबेरीज के बड़े-बड़े गोदामों में भीषण आग लग गई और आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। दूसरी तरफ रोस्तोव क्षेत्र भी दहल उठा। गवर्नर यूरी स्ल्यूसर ने बताया कि रोस्तोव के तीन शहरों पर 150 से ज्यादा ड्रोनों ने धावा बोला। यहां हमले में पांच लोगों की मौत हो गई।

क्या रूस ने यूक्रेन पर पलटवार किया?

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने भी मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। क्रिवी रिह शहर में रूसी मिसाइल गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। सूमी शहर में एक व्यक्ति की जान चली गई। राजधानी कीव में कई जगह आग लग गई, जिसमें छह लोग झुलस गए। जेलेंस्की ने कहा कि रूस बैलिस्टिक मिसाइलों से नागरिक ठिकानों को जानबूझकर निशाना बना रहा है।

पहल

विनिर्माण से नवाचार तक, विकसित भारत के लिए मोदी का सातधारा रोडमैप

मोदी के संबोधन में विकसित भारत के लिए साहसी रोडमैप: गोयनका

एजेंसी, मुंबई

फिक्की अध्यक्ष अनंत गोयनका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस संबोधन का स्वागत करते हुए कहा कि इसमें वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए एक साहसी और स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संबोधन में देश की आर्थिक और राष्ट्रीय शक्ति को मजबूत करने के लिए जिन प्रमुख क्षेत्रों पर जोर दिया गया है, वे आने वाले वर्षों में भारत के विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। गोयनका के अनुसार प्रधानमंत्री के संबोधन के केंद्र में सशक्त भारत की अवधारणा रही, जिसमें राष्ट्रीय शक्ति की सात प्रमुख धाराओं को विकास का आधार बताया गया है।

नई तकनीकों का विकास जरूरी

उन्होंने कहा कि भारत को केवल प्रौद्योगिकी के लिए एक बड़ा बाजार बनने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। देश को नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता है। अनुसंधान और नई तकनीकों के विकास को बढ़ावा देकर भारत वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकता है। इसके लिए उद्योग, शोध संस्थानों और युवाओं के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक होगा।

उद्योग जगत की बड़ी जिम्मेदारी

फिक्की अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारतीय उद्योग जगत के सामने विनिर्माण क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का स्पष्ट लक्ष्य रखा है। इसके तहत डिजाइन से लेकर तैयार उत्पाद तक पूरी और मजबूत विनिर्माण श्रृंखला भारत में विकसित करने पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योग को लागत, गुणवत्ता और उत्पादन के पैमाने के मामले में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता विकसित करनी होगी। इससे भारतीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत स्थान मिल सकता है।

गोयनका ने सटीकता और शून्य-दोष विनिर्माण को भारत की पहचान बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योग को केवल अधिक उत्पादन करने पर ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए गुणवत्ता और भरोसा बेहद महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में भारत में तैयार होने वाले उत्पादों को विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप बनाना उद्योग जगत की बड़ी जिम्मेदारी होगी।